वार्षिक रिपोर्ट
Annual Report
2003-2004

आठवीं वार्षिक रिपोर्ट
Eighth Annual Report
2003-2004

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड
Technology Development Board

भारत सरकार Government of India
विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग Department of Science and Technology
टेक्नोलॉजी भवन, नई दिल्ली - 110016 Technology Bhavan, New Delhi - 110016

The Year

वर्ष 2003-2004 के दौरान 23 परियोजनाएँ कार्यान्वित करने के लिए 23 समझौते और 23 वाणिज्यिक उद्यम निपादित किए गए । यह संख्या पिछले वर्ष की संख्या से दुगनी है। परियोजनाओं की कुल लागत 240.81 करोड़ रुपए है जो पिछले वर्ष की राशि से तीन गुणा है । टीडीबी द्वारा वचनबद्ध राशि 68.42 करोड़ रुपए है जो पिछले वर्ष की राशि से दो गुणा है । टीडीबी के सहायता वाले क्षेत्रों में सभी क्षेत्र शामिल हैं, यथा स्वास्थ्य और मेडिकल, इंजीनियरी, रसायन, परिवहन, सूचना प्रौद्योगिकी, दूर-संचार, कृषि और ऊर्जा तथा अपशिष्ट उपयोग, जो 16 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में फैले हैं ।

वर्ष के दौरान टीडीबी ने जिन परियोजनाओं के लिए सहायता दी और पूरी हुई उनमें निम्नलिखित शामिल हैं :-

'इंडिकिनासे', मायोकार्डिअल इनफारक्शन के लिए एक विशिट एक्टीवेटर तथा भारत बायोटेक इंटरनेशनल लि0 द्वारा विनिर्मित एक जीवन रक्षक उत्पाद ।

प्रसंस्कृत म्युनिसिपल ठोस अपशिष्ट का उपयोग करके सेल्को इंटरनेशनल लिमिटेड द्वारा विद्युत का उत्पादन तथा उत्पादित विद्युत को ग्रिड के साथ जोड़ना ।

म्युनिसिपल ठोस अपशिष्ट का उपयोग करकें श्रीराम एनर्जी सिस्टम्स लि0 द्वारा विद्युत उत्पादन संयंत्र का प्रदर्शन और उत्पादित विद्युत को ग्रिड के साथ जोड़ना ।

The year 2003-2004 ended with Technology Development Board (TDB) concluding 23 agreements with 23 commercial enterprises for implementing 23 projects. This is more than twice the number in the previous year. The total project cost is Rs. 240.81 crore which is three times the previous year. The amount committed by TDB is Rs. 68.42 crore which is twice the amount in the previous year. TDB's support covers all sectors namely, Health & Medical, Engineering, Chemicals, Transport, Information Technology, Tele-communication, Agriculture and Energy & Waste Utilization spread over in 16 States/Union Territories.

The projects assisted by TDB and completed during the year include

'Indikinase', a specific activator for myocardial infarction and a life saving product manufactured by Bharat Biotech International Limited.

Production of power by Selco International Limited by utilizing the processed municipal solid waste and connecting the power produced to the grid.

Demonstrating the power production plant by Shriram Energy Systems Limited by utilizing the municipal solid waste and connecting the power produced to the grid.

वर्ष जो था

That Was

लम्बी दूरी पर तथा राजमार्गों पर चल वाहनों का पता लगाने के लिए ई-लोजिस्टिक्स प्रा0 लि0 द्वारा वेहिकल ट्रेकिंग सिस्टम का उत्पादन।

स्टील स्ट्रिप्स व्हील्स लि0 द्वारा ट्रैक्टर व्हील रिमों के लिए व्हील डिस्कों का उत्पादन ।

मैसर्स शांता बायोटेक्निक्स प्रा0 लि0 को, इंटरफेरोन अल्फा-2बी के विकास और उत्पादन का वाणिज्यिकरण करने में, उसकी सफलता के मान्यतास्वरूप श्री भैरों सिंह शेखावत, उपराष्ट्रपति, भारत द्वारा 11 मई, 2003 को टेक्नोलॉजी दिवस पर, राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया गया ।

टीडीबी ने अनेक सक्रियोन्मुखी बैठकें आयोजित की तथा प्रदर्शनियों में भाग लिया । टीडीबी, उद्योग और शिक्षाविदों के सुझावों पर गौर करता है । समीक्षा समिति द्वारा की गई 65 सिफारिशों में से बोर्ड ने 61 सिफारिशें स्वीकार की, जिनमें से 5 कुछ आशोधनों के साथ स्वीकार की गई । कुछेक के लिए टीडीबी अधिनियम और टीडीबी नियमों में संशोधन करने की जरूरत है ।

अंत में, टीडीबी इस बात को स्वीकार करता है कि प्रौद्योगिकीय नूतनता तथा लाभदायक वाणिज्यिकरण महत्वपूर्ण संघटक हैं । टीडीबी, एक ऐसी रूपरेखा प्रदान करने का प्रयास करता है, जिससे कि उद्यमकर्ता और नूतनकर्ता बाजार माँग को पूरा करने के लिए एक मंच पर आने के लिए प्रोत्साहित हों और उन्हें मदद मिल सके । टीडीबी समझता है कि गतिशील होना बहुत जरूरी है ।

Production of a vehicle tracking system by e-Logistics Private Limited for tracking mobile vehicles over long distances and on the highways.

Production of wheel discs for tractor wheel rims by Steel Strips Wheels Limited.

The National Award was presented to M/s Shantha Biotechnics Private Limited by Shri Bhairon Singh Shekhawat, Vice President of India, on the Technology Day, 11th May 2003, in recognition of its success in commercializing the development and production of Interferon Alpha-2b.

TDB organised a series of interactive meetings and participated in exhibitions. TDB is responsive to the suggestions from the Industry and academia. Out of the 65 recommendations made by the Review Committee, the Board accepted 61 recommendations including 5 with some modifications. Some require amendments to the TDB Act and TDB Rules.

In conclusion, TDB recognizes that technological innovation and profitable commercialization are critical components. TDB endeavours to provide a framework that would facilitate and stimulate coming together of an entrepreneur and innovator to respond to market demand. TDB recognizes the dire necessity of being dynamic.

भारत के राष्ट्रपति डॉ. ऐ.पी.जे. अब्दुल कलाम से पदम भूषण पुरस्कार प्राप्त करते हुए
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. वी.एस. राममूर्ति
Prof. V.S. Ramamurthy, Chairperson, Technology Development Board, receiving the Padma Bhushan Award from the President of India Dr. A.P.J. Abdul Kalam.

पूर्वावलोकन

वर्ष 2003-04 के दौरान प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) ने 240.81 करोड़ रुपए की कुल लागत के साथ परियोजनाएँ कार्यान्वित करने के वास्ते औद्योगिक इकाइयों के साथ 23 समझौतों पर हस्ताक्षर किए । टीडीबी 68.42 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता देने के लिए सहमत हो गया है । वर्ष 2003-2004 में समझौतों की संख्या में वृद्धि हुई है जबकि पिछले वर्ष 81.95 करोड़ रुपए की कुल परियोजना लागत वाले ग्यारह समझौते किए गए थे। टीडीबी ने वर्ष 2003-2004 के दौरान पहले से चल रही तथा साथ ही नई परियोजनाओं के लिए भी 53.86 करोड़ रुपए संवितरित किए ।

भारत सरकार ने प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम, 1995 के प्रावधानों के तहत सितम्बर, 1996 में प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड का गठन किया । टीडीबी, देशज प्रौद्योगिकी का विकास और वाणिज्यिक उपयोग का प्रयास करने वाली अथवा आयातित प्रौद्योगिकी का व्यापक रूप से घरेलू उपयोग को अपनाने वाली औद्योगिक इकाइयों व अन्य एजेंसियों को

An Overview

In the year 2003-2004, the Technology Development Board (TDB) signed 23 agreements with industrial concerns for implementing projects with a total cost of Rs. 240.81 crore. TDB has agreed to provide financial assistance of Rs. 68.42 crore. There has been an increase in the number of agreements in 2003-2004 compared to 11 agreements with a total project cost of Rs. 81.95 crore in the previous year. TDB disbursed Rs. 53.86 crore for the on-going as well as for new projects during the year 2003-2004.

The Government of India constituted the Technology Development Board in September 1996, under the provisions of the Technology Development Board Act, 1995. TDB provides financial assistance to the industrial concerns and other agencies attempting development and commercial application of indigenous technology or adapting imported technology to wider domestic application.

वित्तीय सहायता प्रदान करता है ।

टीडीबी से वित्तीय सहायता प्राप्त करने की इच्छुक औद्योगिक इकाइयों को निर्धारित प्रारूप में आवेदन करना चाहिए । टीडीबी, अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रकों में परियोजना सहायता हेतु आवेदन-पत्र स्वीकार करता है । आवेदन-पत्र पूरे वर्ष स्वीकार किए जाते हैं । टीडीबी कोई प्रशासनिक, प्रसंस्करण अथवा वचनबद्धता प्रभार आरोपित नहीं करता है । परियोजना निधियन मार्गनिर्देशों की एक प्रतिलिपि, जिसमें आवेदन-पत्र का प्रारूप सम्मिलित है, टीडीबी से निःशुल्क प्राप्त की जा सकती है ।

टीडीबी, मुख्यतः औद्योगिक इकाइयों को ऋण सहायता प्रदान कर रहा है । ऋण पर ब्याज दर को 11 मई, 2002 से (6 प्रतिशत से) घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया । ऋण बकाया रहने की अवधि के दौरान टीडीबी को रायल्टी अदा करने की शर्त को मई, 2003 के बाद हस्ताक्षरित समझौतों के संबंध में समाप्त कर दिया गया है ।

विकल्प के तौर पर टीडीबी कंपनी की शुरूआत, आरंभ और/या विकास स्तरों पर उसकी इक्विटी पूँजी के रूप में भाग ले सकता है । इक्विटी अभिदान परियोजना लागत के 25 प्रतिशत तक हो सकती है । टीडीबी असाधारण मामलों में अनुदान भी उपलब्ध करा सकता है । अनुदान और इक्विटी के बारे में पूरा बोर्ड निर्णय लेता है।

आलोच्य वर्ष के दौरान (2003-2004) टीडीबी ने कंपनी अधिनियम के अंतर्गत स्थापित 23 वाणिज्यिक उद्यमों के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर किए जिनमें 9 प्राइवेट लि0 कंपनियाँ शामिल हैं ।

टीडीबी ने अभी तक (31 मार्च, 2004 तक) कुल 1879.82 करोड़ रुपए की परियोजना लागत वाले 137 समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इसमें 539.56 करोड़ रुपए की टीडीबी वचनबद्धता सम्मिलित है जिसमें से टीडीबी ने 468.50 करोड़ रुपए की राशि संवितरित की है।

The industrial concern desirous of seeking financial assistance from TDB has to apply in the prescribed format. TDB accepts applications for project assistance in all sectors of the economy. Applications are received throughout the year. TDB does not levy administrative, processing or commitment charges. A copy of the Project Funding Guidelines including the format of application can be obtained free of cost from TDB.

TDB had been providing mainly loan assistance to industrial concerns. The rate of interest on the loan was reduced to 5 per cent (from 6 percent) per annum with effect from 11th May 2002. The requirement of paying royalty to TDB during the pendency of the loan has also been abolished in respect of agreements signed after May 2003.

In the alternative, TDB may subscribe by way of equity capital in a company, during its commencement, start-up and/or growth stages. The equity subscription will be up to 25 per cent of the project cost. TDB may also provide, grants in exceptional cases. The full Board decides the sanction of grants and equity.

During the year under report (2003-2004), TDB signed agreements with 23 commercial enterprises incorporated under the Companies Act including 9 private limited companies.

TDB has so far (till 31st March 2004) signed 137 agreements with the total project cost of Rs. 1879.82 crore. This includes TDB's commitment of Rs. 539.56 crore against which TDB had disbursed Rs. 468.50 crore.

भारत के राष्ट्रपति डॉ. ऐ.पी.जे. अब्दुल कलाम शांता बायोटेक्निक्स लि० प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड द्वारा प्रथम लाभकर्ता कम्पनी के अध्यक्ष श्री वारा प्रसाद रेड्डी को पद्म भूषण पुरस्कार प्रदान करते हुए
President of India Dr. A.P.J. Abdul Kalam presenting the Padma Bhushan Award to Shri Varaprasad Reddy, Chairman of Shantha Biotechnics Ltd., Hyderabad, the first beneficiary company of Technology Development Board.

यद्यपि टीडीबी परियोजना लागत के 50 प्रतिशत तक की वित्तीय सहायता प्रदान कर सकता है तथापि, टीडीबी ने वास्तविक रूप से कुल परियोजना लागत के 28.50 प्रतिशत तक की सहायता प्रदान की । एक रुचिकर बात यह है कि टीडीबी के प्रत्येक रुपए के बदले अन्यों से दो से अधिक रुपए का योगदान प्राप्त हुआ है ।

अधिनियम के तहत प्रौद्योगिकी की विकास और उपयोग हेतु एक निधि कायम करने की व्यवस्था है जिसका प्रशासन टीडीबी द्वारा किया जाएगा । निधि के लिए वर्ष 1955 में यथासंशोधित अनुसंधान तथा विकास उपकर अधिनियम, 1986 के प्रावधानों के अंतर्गत औद्योगिक इकाइयों से भारत सरकार द्वारा एकत्रित उपकर में से भारत सरकार से अनुदान प्राप्त होते हैं । निधि की राशि के निवेश से होने वाली आय तथा निधि से प्रदत्त राशि की हुई वसूलियों को निधि में जमा किया जाता है । वित्त अधिनियम, 1999 के फलस्वरूप, आयकर प्रयोजनार्थ निधि के लिए किए गए दान पूर्ण रूप से छूट प्राप्त हैं ।

वर्ष 1996-2004 तक की अवधि के दौरान आर. एंड डी. उपकर से कुल 759 करोड़ रुपए की राशि में से सरकार ने टीडीबी को 8 वर्ष की अवधि के दौरान 387.34 करोड़ रुपए की संचयी राशि उपलब्ध कराई । यह औसतन 48.42 करोड़ प्रतिवर्ष बैठती है ।

Although TDB could provide financial assistance up to 50 percent of the project cost, TDB's actual exposure amounted to 28.50 percent of the total project cost. An interesting feature is that every rupee from TDB has leveraged more than two rupees from others.

The Act provides for creation of a Fund for Technology Development and Application to be administered by TDB. The Fund receives grants from the Government of India out of the Cess collected by the Government of India from the industrial concerns under the provisions of the Research and Development Cess Act, 1986, as amended in 1995. Any income from investment of the amount of the Fund and the recoveries made of the amounts granted from the Fund are credited to the Fund. The Finance Act, 1999, enabled full deductions to donations made to the Fund for income tax purposes.

Of the total of Rs.759 crore from R&D cess collection during the years 1996-2004, Government has made available to TDB a cumulative sum of Rs.387.34 crore over the period of 8 years. This works out to an average of Rs. 48.42 crore a year.

वित्तीय सहायता की विधियाँ

निम्नलिखित तालिका में 31 मार्च, 2004 तक टीडीबी द्वारा प्रदत्त वित्तीय सहायता की निधियों का उल्लेख किया गया है ।

Modes of Financial Assistance

The following table indicates the modes of financial assistance provided by TDB as on 31st March 2004.

वित्तीय सहायता की विधियाँ
Modes of Financial Assistance

(करोड़ रुपए) (Rupees in crore)

साधन Instruments		टीडीबी द्वारा मंजूर* Sanctioned by TDB*	टीडीबी द्वारा संवितरित Disbursement by TDB
ऋण	Loans	433.90	366.69
इक्विटी	Equity	24.36**	24.36
अनुदान	Grant	56.30	56.20
भारत प्रौद्योगिकी उद्यम यूनिट स्कीम (यूटीआई उद्यम निधि प्रबंध कंपनी लि० बंगलौर द्वारा प्रशासित) में भागीदारी	Participation in India Technology Venture Unit Scheme (administered by UTI Venture Funds Management Company Limited, Bangalore)	25.00	21.25
जोड़	Total	539.56	468.50

* कुल लागत में संशोधन, ऋण सहायता की मात्रा में संशोधन, समझौतों की समय से पूर्व समाप्ति तथा रद्द किए जाने के कारण 31 मार्च, 2004 की स्थिति के अनुसार टीडीबी द्वारा मंजूर राशि में संशोधन किया गया है ।

** निक्को कोर्पोरेशन को संवितरित 18.46 करोड़ रुपए की ऋण सहायता सम्मिलित है जिसे मार्च, 2004 में संचयी परिवर्तनशील अधिमान शेयरों में बदल दिया गया (जिसके फलस्वरूप मंजूर ऋण की मात्रा कम हो गई तथा इक्विटी में वृद्धि हो गई) ।

* The amount sanctioned by TDB has been revised as on 31st March 2004 due to revision in total cost, revision in quantum of loan assistance, foreclosure and cancellation of agreements.

** Includes loan assistance of Rs. 18.46 crore disbursed to Nicco Corporation which has been converted into cumulative convertible preference shares in March 2004 (thereby reducing the quantum of sanctioned loan and enhancing the equity).

क्षेत्रक-वार कवरेज - 1997-2004
Sector-wise Coverage 1997-2004

(करोड़ रुपए) (Rupees in crore)

		2003-2004 के दौरान During 2003 - 2004			कुल 1997-2004 Total 1997-2004		
क्र.सं. No	क्षेत्रक Sector	समझौतों की संख्या No. of agreements	कुल लागत Total cost	टीडीबी द्वारा मंजूर Sanctioned by TDB	समझौतों की संख्या No. of agreements	कुल लागत Total cost	टीडीबी द्वारा मंजूर Sanctioned by TDB
1	स्वास्थ्य और मेडिकल Health & Medical	8	143.84	28.67	35	453.33	139.79
2	इंजीनियरी Engineering	3	17.81	5.10	29	267.37	82.69
3	रसायन Chemicals	2	19.24	8.00	17	129.25	42.18
4	कृषि Agriculture	1	0.85	0.40	14	76.58	24.04
5	सड़क परिवहन Road Transport	1	9.65	3.95	10	527.04	81.20
6	वायु परिवहन Air Transport	-	-	-	2	142.10	68.20
7	सूचना प्रौद्योगिकी Information Technology	7	41.56	18.80	13	58.70	25.07
8	ऊर्जा और अपशिष्ट उपयोग Energy & Waste Utilisation	1	7.86	3.50	5	94.19	41.90
9	दूर-संचार Tele- communication	-	-	-	4	27.43	8.99
10	प्रौद्योगिकी हस्तांतरण केन्द्र Technology Transfer Centres	-	-	-	1	0.83	0.50
11	आईटीवीयूएस-यूटीआई ITVUS-UTI	-	-	-	1	103.00	25.00
	जोड़ Total	23	240.81	68.42	131	1879.82	539.56

* *excludes 6 agreements signed and cancelled.*

परियोजना लागतों के संदर्भ में टीडीबी की भागीदारी प्रत्येक क्षेत्रक में काफी भिन्न रही है। स्वास्थ्य और मेडिकल क्षेत्रक का हिस्सा कुल परियोजना लागत का 24.12 प्रतिशत रहा । उसके पश्चात इंजीनियरी क्षेत्रक का हिस्सा 14.22 प्रतिशत रहा ।
टीडीबी द्वारा मंजूर सहायता की दृष्टि से इसकी भागीदारी स्वास्थ्य और मेडिकल में 26.09 प्रतिशत, इंजीनियरी में 15.43 प्रतिशत और परिवहन क्षेत्रकों में 27.88 प्रतिशत रही।

रोजगार अवसर

टीडीबी ने, नए उद्यमियों द्वारा परियोजनाओं के कार्यान्वयन तथा साथ ही विद्यमान उद्यमों द्वारा कार्यान्वित नई परियोजनाओं के माध्यम से भी नए रोजगार अवसरों के सृजन में सहायता की।

समझौतों का राज्यवार विभाजन

यद्यपि टीडीबी द्वारा अभी तक हस्ताक्षरित 137 समझौते 16 राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में फैले हैं । तथापि, टीडीबी को अभी भी अनेक राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को कवर करना है जैसा कि निम्नलिखित तालिका में वर्ष 1997-2004 के दौरान टीडीबी द्वारा संपन्न समझौतों का ब्यौरा दिया गया है (लाभभोगियों के पंजीकृत कार्यालय के आधार पर) ।

Participation by TDB has varied considerably from one sector to another with reference to project costs. Health and Medical sector had a share of 24.12 per cent of the total project cost. This is followed by Engineering sector with a share of 14.22 percent.
In terms of assistance sanctioned by TDB, its participation has been 26.09 per cent in Health and Medical, 15.43 per cent in Engineering and 27.88 per cent in Transport sectors.

Job Opportunities

TDB has helped in creating new job opportunities through the implementation of projects by new enterprises as well as through new projects implemented by existing enterprises.

State-wise Distribution of Agreements

While the 137 agreements signed so far by TDB are spread over 16 States and Union Territories, TDB is yet to cover a number of States/Union Territories as the following table indicates State-wise break-up of the agreements concluded by TDB during 1997-2004 (based on registered office of the beneficiaries).

समझौतों का राज्य-वार विभाजन 1997-2004

State-wise Distribution of Agreements 1997-2004

(करोड़ रुपए) (Rupees in crore)

क्र.सं. No	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र State, UnionTerritory	समझौतों की संख्या No. of agreements	उद्यमों/एजेंसियों की संख्या Number of enterprises / agencies	कुल लागत Total cost	टीडीबी द्वारा मंजूर Sanctioned by TDB
1	आंध्र प्रदेश Andhra Pradesh	38	26	503.78	167.36
2	चंडीगढ़ Chandigarh	1	1	2.40	1.20
3	दिल्ली Delhi	9	8	84.23	33.70
4	गुजरात Gujarat	8	5	65.84	15.89
5	हरियाणा Haryana	1	1	6.00	1.62
6	हिमाचल प्रदेश Himachal Pradesh	1	1	6.24	1.90
7	कर्नाटक Karnataka	11	11	221.24	97.64
8	केरल Kerala	1	1	2.50	1.15
9	मध्य प्रदेश Madhya Pradesh	4	2	133.24	34.95
10	महाराष्ट्र Maharashtra	21	20	444.95	66.85
11	पांडिचेरी Pondicherry	1	1	5.83	1.90
12	पंजाब Punjab	5	4	52.20	14.46
13	राजस्थान Rajasthan	1	1	35.77	3.00
14	तमिलनाडु Tamil Nadu	20	19	126.61	35.94
15	उत्तर प्रदेश Uttar Pradesh	4	3	29.40	9.92
16	पश्चिम बंगाल West Bengal	4	2	56.59	27.08
	आईटीवीयूएस-यूटीआई ITVUS-UTI	1	1	103.00	25.00
	जोड़ Total	131	107	1879.82	539.56

** excludes 6 agreements signed and cancelled.*

प्रौद्योगिकी प्रदानकर्ता

उद्योग में इन-हाउस आर.एंड.डी. इकाइयों ने प्रौद्योगिकियों के वाणिज्यिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है । टीडीबी द्वारा मंजूर कुल राशि में से 45 प्रतिशत हिस्सा उन परियोजनाओं के लिए है जहां इन-हाउस आर एंड डी इकाइयों ने प्रौद्योगिकियाँ उपलब्ध कराई ।

वर्ष 2003-2004 के दौरान पूरी हुई परियोजनाएँ/जारी उत्पाद

टीडीबी की वित्तीय सहायता से वर्ष 2003-04 के दौरान पूरी हुई परियोजनाओं/जारी उत्पादों का उल्लेख नीचे किया गया है :

विद्युत संयत्र का समर्पण : सेल्को इंटरनेशनल लि0 ने, प्रसंस्करित म्युनिसिपल ठोस अपशिष्ट का उपयोग करके शादनगर, महबूबनगर जिले के निकट विद्युत उत्पादन करके तथा उत्पादित विद्युत को ग्रिड के साथ जोड़कर, नवम्बर, 2003 में वाणिज्यिक कामकाज प्रारंभ किया ।

Technology Providers

The in-house R&D units in the industry have made a significant contribution in commercializing technologies. Forty five per cent of the total amount sanctioned by TDB is for projects where in-house R&D units provided technologies.

Products Released / Projects Completed during 2003-2004

The products released / projects completed during the year 2003-2004 with the financial assistance from TDB are indicated below.

Dedication of the power plant: Selco International Limited started the commercial operations in November 2003 by producing power, near Shadnagar, Mehboob Nagar District, by utilizing the processed municipal solid waste and connecting the power produced to the grid.

ट्रेक्टर व्हीलरिमों के लिए व्हील डिस्क : स्टील स्ट्रिप्स व्हील्स लि0 ने डप्पर, जिला पटियाला के निकट मार्च, 2004 में ट्रेक्टर व्हीलरिमों के लिए व्हील डिस्कों का उत्पादन आरंभ किया ।

बिजली विद्युत का वाणिज्यिक उत्पादन : श्रीराम एनर्जी सिस्टम्स लि0 ने म्युनिसिपल ठोस अपशिष्ट का उपयोग करके विजयवाड़ा में विद्युत संयंत्र की पूर्ण लोड क्षमता का प्रदर्शन किया तथा ग्रिड के साथ उसका तालमेल बिठाकर सतत व स्थिर विद्युत उत्पादन क्षमताएँ सिद्ध की । कंपनी को 'अपट्रान्स्को' के ग्रिड के साथ विद्युत आपूर्ति जोड़ने के लिए दिसम्बर, 2003 में उससे अनुमति प्राप्त हुई ।

स्ट्रेप्टोकिनासे : भारत बायोटेक इंटरनेशनल लि0 ने 'स्ट्रेप्टोकिनासे' का विनिर्माण किया तथा अक्तूबर, 2003 में 'इंडिकिनासे' ब्रांड नाम से उत्पाद जारी किया । यह मायोकार्डिअल इन्फारेक्शन के लिए एक विशिष्ट एक्टीवेटर तथा एक जीवन रक्षक उत्पाद है ।

वेहिकिल ट्रेकिंग सिस्टम : ई-लोजिस्टिक्स प्रा0लि0 ने लम्बी दूरी पर तथा राजमार्गों पर चल वाहनों का पता लगाने के लिए एक वेहिकल ट्रेकिंग सिस्टम ईजाद किया । यह परियोजना दिसम्बर, 2003 में पूरी हो गई ।

Wheel discs for tractor wheel rims: Steel Strips Wheels Limited commenced the production of wheel discs for tractor wheel rims in March 2004 near Dappar, District Patiala.

Commercial generation of electric power: Shriram Energy Systems Limited demonstrated the full load capacity of the power plant at Vijayawada by utilizing the municipal solid waste and proved continuous and stable power production capabilities by synchronising with the grid. The company received the permission in December 2003 from APTRANSCO for connecting the power supply to its grid.

Streptokinase: Bharat Biotech International Limited manufactured 'Streptokinase' and released the product under the brand name 'Indikinase' in October 2003. It is a specific activator for myocardial infarction and a life saving product.

Vehicle Tracking System: e-Logistics Private Limited innovated a vehicle tracking system for tracking mobile vehicles over long distances and on the highways. The project was completed in December 2003.

प्रौद्योगिकी दिवस 11 मई, 2003 को भारत के उप-राष्ट्रपति श्री भैरों सिंह शेखावत, श्री वारा प्रसाद रेड्डी, प्रबंध निदेशक, शांता बायोटेक्निक्स लि0, को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करते हुए
Shri Bhairon Singh Shekhawat, Vice President of India, presenting the National Award to Shri Vara Prasad Reddy, Managing Director, Shantha Biotechnics Limited, on the Technology day, 11th May 2003

प्रौद्योगिकी दिवस तथा राष्ट्रीय पुरस्कार

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने 11 मई, 2003 को प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में समारोहों में भाग लिया । इस अवसर पर भारत के उप-राष्ट्रपति श्री भैरों सिंह शेखावत ने दस लाख रुपए का एक नकद पुरस्कार व एक शील्ड मैसर्स शांता बायोटेक्निक्स प्राइवेट लि0, हैदराबाद को, उसके आर एंड डी यूनिट द्वारा विकसित देशज प्रौद्योगिकी के आधार पर इंटरफेरोन अल्फा-2बी के विकास और उत्पाद का वाणिज्यिकरण करने में उसकी सफलता के मान्यतास्वरूप प्रदान की ।

Technology Day and National Awards

The Technology Development Board participated in the celebrations at New Delhi on the occasion of the Technology Day, the 11th May 2003. On this occasion, Shri Bhairon Singh Shekhawat, Vice President of India, presented the cash award of Rs. 10 lakhs and a shield to M/s Shantha Biotechnics Private Limited, Hyderabad, in recognition of their success in commercializing the development and production of Interferon Alpha-2b, based on indigenous technology developed by its R&D unit.

अन्योन्यक्रिया विधि

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने अनेक परस्पर विचार-विमर्श बैठकें आयोजित की तथा प्रदर्शनियों में भाग लिया । इन मंचों के जरिए टीडीबी का उद्देश्य, बोर्ड से वित्तीय सहायता की उपलब्धता के बारे में उद्योगों तथा आर एंड डी संगठनों के बीच जागरूकता पैदा करना है । वर्ष 2003-2004 के दौरान ऐसी बैठकें भोपाल और नई दिल्ली में आयोजित की गई । टीडीबी ने अल्मोड़ा, बरेली, चंडीगढ़, देहरादून, हैदराबाद, नई दिल्ली और पिथौरागढ़ में प्रदर्शनियों में भाग लिया ।

Interactive Mode

The Technology Development Board organized a series of interactive meetings and participated in exhibitions. Through these platforms, TDB aims at creating awareness amongst the industries and R&D organizations on the availability of financial assistance from TDB. During the year 2003-04, such meetings were held at Bhopal and New Delhi. TDB participated in exhibitions at Almora, Bareilly, Chandigarh, Dehradun, Hyderabad, New Delhi and Pithrogarh.

ऋणों की वापसी अदायगी, ब्याज और रायल्टी की प्राप्ति

टीडीबी को वर्ष 2003-04 के दौरान ऋण की वापसी अदायगी के रूप में 49.08 करोड़ रुपए, ऋणों पर ब्याज के रूप में 5.86 करोड़ रुपए और रायल्टी के रूप में 0.96 करोड़ रुपए प्राप्त हुए जिन्हें मिलाकर कुल राशि 55.90 करोड़ रुपए हो गई ।

Repayment of Loans, Receipt of Interest and Royalty

TDB received Rs. 49.08 crore towards repayment of loans, Rs.5.86 crore as interest on loans and Rs. 0.96 crore as royalty, totaling Rs. 55.90 crore, during the year 2003-04.

समीक्षा समिति

प्रोफेसर पी.रामा राव ने फरवरी, 2003 में समीक्षा समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत की । 65 सिफारिशों में से बोर्ड ने 61 सिफारिशों को स्वीकार कर लिया जिनमें से 5 को कुछ आशोधनों के साथ स्वीकार किया गया तथा 4 को स्वीकार नहीं किया गया । कुछ सिफारिशों के लिए टीडीबी अधिनियम और टीडीबी नियमों में संशोधन करने की जरूरत है ।

Review Committee

Professor P. Rama Rao presented the report of the Review Committee in February 2003. Out of the 65 recommendations, the Board accepted 61 recommendations including 5 with some modifications and 4 were not accepted. Some recommendations require amendments to TDB Act and TDB Rules.

बोर्ड के सदस्य

श्री धीरेन्द्र स्वरूप ने 27 नवम्बर, 2003 को सचिव, व्यय विभाग, वित्त मंत्रालय का पदभार संभाल लिया और वह प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के एक सदस्य (पदेन) बन गए ।

श्री लक्ष्मी चन्द ने सचिव, औद्योगिक नीति और प्रोन्नयन विभाग का पदभार 1 दिसम्बर, 2003 को संभाल लिया और वह प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के एक सदस्य (पदेन) बन गए ।

Board Members

Shri Dhirendra Swarup took over as Secretary, Department of Expenditure, Ministry of Finance, on 27th November 2003 and becomes a member (ex-officio) of the Technology Development Board.

Shri Lakshmi Chand took over as Secretary, Department of Industrial Policy and Promotion, on 1st December 2003 and becomes a member (ex-officio) of the Technology Development Board.

आभार

बोर्ड, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग का आभारी है जिसने बोर्ड के दिन-प्रतिदिन के कामकाज के लिए अपने अधिकारियों की सेवाएँ उपलब्ध कराई ।

Acknowledgement

The Board is grateful to the Department of Science and Technology for sparing the services of their officers in the day to day operations of the Board.

(प्रोफेसर वी.एस. राममूर्ति)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(Professor V.S. Ramamurthy)
Chairperson
Technology Development Board

बोर्ड की छब्बीसवीं बैठक प्रगति पर
Twenty-sixth Board meeting in progress.

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड का संयोजन
Composition of the Technology Development Board

(मार्च, 2004) (March 2004)

1.	प्रो0 वी.एस. राममूर्ति सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग	पदेन अध्यक्ष	Professor V.S. Ramamurthy, Secretary, Department of Science & Technology	ex-officio Chairperson
2.	डॉ0 आर.ए. मशेलकर सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग	पदेन सदस्य	Dr. R.A. Mashelkar, Secretary, Dept. of Scientific & Industrial Research	ex-officio Member
3.	डॉ0 वी.के. आत्रे सचिव, रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग	पदेन सदस्य	Dr. V.K. Aatre, Secretary, Dept. of Defence Research & Development	ex-officio Member
4.	श्री धीरेन्द्र स्वरूप सचिव, व्यय विभाग (26.11.2003 तक श्री डी.सी. गुप्ता)	पदेन सदस्य	Shri Dhirendra Swarup Secretary, Department of Expenditure (Shri D.C. Gupta till 26-11-2003)	ex-officio Member
5.	श्री लक्ष्मी चन्द सचिव, औद्योगिक नीति और प्रोन्नयन विभाग (30.11.2003 तक श्री राजीव रत्न शाह) (30.06.2003 तक श्री वी. गोविन्दराजन)	पदेन सदस्य	Shri Lakshmi Chand Secretary, Department of Industrial Policy and Promotion (Shri Rajeeva Ratna Shah till 30-11-2003) (Shri V. Govindarajan till 30-6-2003)	ex-officio Member
6.	श्री एम. शंकर सचिव, ग्रामीण विकास मंत्रालय	पदेन सदस्य	Shri M. Shankar Secretary, Ministry of Rural Development	ex-officio Member
7.	प्रो0 एम.एम. शर्मा 3, जसवन्त बाग, चैम्बुर नाका मुम्बई - 400071	सदस्य	Professor M. M. Sharma, 3, Jaswant Baug, Chembur Naka, Mumbai 400 071	Member
8.	प्रो0 डॉ0 के.आई. वासु विनायक नगर बंगलौर	सदस्य	Professor Dr.K.I. Vasu Vinayaka Nagar, Bangalore	Member
9.	श्री आर. श्रोफ अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक यूनाइटेड फॉस्फोरस लि0 मुम्बई	सदस्य	Shri R. Shroff Chairman & Managing Director, United Phosphorus Ltd., Mumbai	Member
10.	श्री अजय खन्ना प्रबंध निदेशक श्याम टेलीकॉम लि0, नई दिल्ली	सदस्य	Shri Ajay Khanna Managing Director, Shyam Telecom Ltd., New Delhi	Member
11.	श्री अमिताभ पाण्डे संयुक्त सचिव, डीएसटी नई दिल्ली	सदस्य-सचिव	Shri Amitabha Pande Joint Secretary, DST New Delhi	Member Secretary

बोर्ड के सदस्य
Photographs of the Board Members

प्रो0 वी.एस. राममूर्ति
(अध्यक्ष)
Professor V.S. Ramamurthy
(Chairperson)

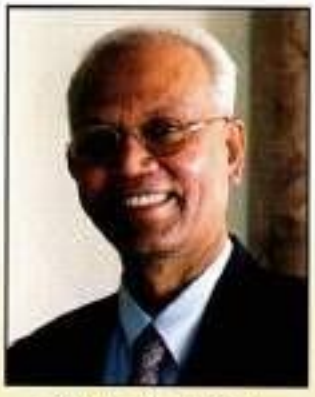

डॉ0 आर.ए. मशेलकर
Dr. R.A. Mashelkar

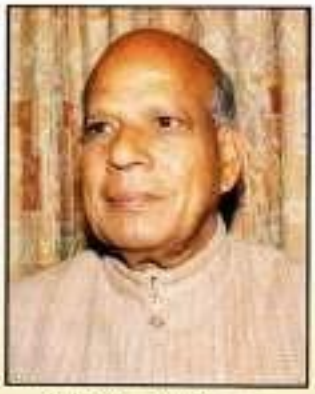

प्रो0 डॉ0 के.आई. वासु
Professor Dr.K.I. Vasu

श्री आर. श्रॉफ
Shri R. Shroff

डॉ0 वी.के. आत्रे
Dr. V.K. Aatre

श्री धीरेन्द्र स्वरूप
Shri Dhirendra Swarup

श्री एम. शंकर
Shri M. Shankar

श्री अजय खन्ना
Shri Ajay Khanna

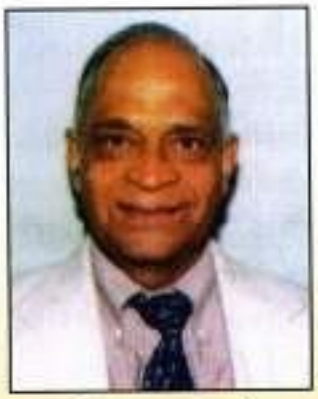

प्रो0 एम.एम. शर्मा
Professor M. M. Sharma

श्री अमिताभ पाण्डे
Shri Amitabha Pande

प्रस्तावना

देशज प्रौद्योगिकी के विकास और वाणिज्यिकरण को प्रोत्साहित करने तथा व्यापक घरेलू उपयोग हेतु आयातित प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहित करने के लिए भारत सरकार ने सितम्बर, 1996 प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) का गठन किया ।

टीडीबी, प्रौद्योगिकी विकास तथा उपयोग हेतु निधि का प्रशासन करता है जिसका सृजन प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम, 1955 के तहत किया गया है । निधि के लिए अनुसंधान तथा विकास उपकर अधिनियम, 1986 के प्रावधानों के अंतर्गत औद्योगिक इकाइयों से एकत्रित उपकर में से भारत सरकार से अनुदान प्राप्त होते हैं । निधि के निवेश से होने वाली आय तथा निधि से प्रदत्त राशि की हुई वसूलियों को भी निधि में जमा किया जाता है । वित्त अधिनियम, 1999 के फलस्वरूप, आयकर प्रयोजनार्थ निधि के लिए दिए गए दान पूर्ण रूप से छूट प्राप्त हैं ।

वर्ष 1996-2004 के दौरान कुल 744 करोड़ रुपए का उपकर वसूल हुआ । इसी अवधि के दौरान टीडीबी को उपकर वसूलियों में से 388 करोड़ रुपए अनुदान के रूप में प्राप्त हुए।

Introduction

To promote development and commercialisation of indigenous technology and adaptation of imported technology for wider domestic applications, the Government of India constituted the Technology Development Board (TDB) in September 1996.

TDB administers the Fund for Technology Development and Application, created under the Technology Development Board Act, 1995. The Fund has been receiving grants from the Government of India out of the Cess collections from the industrial concerns under the provisions of the Research and Development Cess Act, 1986. Any income from investment out of the Fund and the recoveries made of the amounts granted from the Fund are also credited to the Fund. The Finance Act, 1999, enabled full deductions to donations to the Fund for income tax purposes.

During the years 1996-2004, the Cess collections were Rs. 744 crore. During the same period, TDB had received Rs.388 crore as grants out of the Cess collections.

टीडीबी औद्योगिक इकाइयों को ऋण सहायता प्रदान करता है । ऋण पर 13 मई, 2002 से पाँच प्रतिशत प्रति वर्ष का साधारण ब्याज लगता है । टीडीबी 13 मई, 2002 के बाद हस्तांतरित समझौतों के संबंध में कोई रायल्टी आरोपित नहीं करता है । टीडीबी कोई प्रशासनिक, प्रसंस्करण अथवा वचनबद्धता प्रभार नहीं वसूलता है ।

ऋण की मात्रा सामान्यतः अनुमोदित परियोजना लागत की 50% तक सीमित होती है। ऋण और ब्याज के लिए समर्थन और गारंटी की जरूरत होती है । परियोजना की समयावधि सामान्यतः तीन वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए ।

टीडीबी ऋण की राशि किस्तों में प्रदान करता है जो ऋण करार की शर्तों के अनुसार जोखिम-जुड़े माइलस्टेज से जुड़ी है । ऋण की वापसी तथा ब्याज की अदायगी परियोजना पूरी हो जाने के एक वर्ष बाद शुरू होती है और ऋण की पूरी राशि उसके बाद पाँच वर्ष में वसूल की जाती है । पहली किस्त की वापसी अदायगी तक संचयित ब्याज की राशि तीन वर्ष की अवधि में फैलाई जा सकती है जो वापसी अदायगी के दूसरे वर्ष से शुरू होकर वापसी अदायगी के चौथे वर्ष तक हो सकती

TDB provides loan assistance to industrial concerns. The loan carries a simple interest of five percent per annum with effect from 13th May 2002. TDB does not levy any royalty in respect of agreements signed on after 13th May 2002. TDB does not collect administrative, processing or commitment charges.

The quantum of loan will be, normally, limited up to 50 per cent of the approved project cost. The loan and interest require collaterals and guarantees. The duration of the project should not generally exceed three years.

TDB provides the loan amount in installments that are linked to risk-associated milestones in accordance with the terms and conditions of the loan agreement. The refund of the loan and payment of interest commence one year after the project is completed and the full loan amount is recoverable in five years thereafter. The accumulated interest up to the repayment of the first installment may be distributed over a period of three years commencing from the second year of repayment and terminating in the

है । कुछ मामलों में, टीडीबी के सहाय्यित औद्योगिक इकाई के निदेशक बोर्ड में नामजद निदेशक हो सकते हैं ।

टीडीबी, औद्योगिक इकाइयों को और देशज प्रौद्योगिकी के विकास कार्य में लगे आर. एंड डी. संस्थानों को अनुदानों और/अथवा ऋणों के जरिए वित्तीय सहायता भी प्रदान करता है। टीडीबी को सरकार अथवा अन्य उपयुक्त संस्थानों द्वारा वित्तपोषण् के लिए एवजी के रूप में नहीं समझा जाना चाहिए । अनुदानों की मंजूरी के बारे में टीडीबी के पूर्ण बोर्ड द्वारा निर्णय लिया जाता है तथा असाधारण मामलों में मंजूरी दी जाती है । प्राप्तकर्ता को टीडीबी को (अनुदान के बराबर) उसे प्राप्त रायल्टी में से अदायगी करनी होगी अथवा भागीदार एजेंसियों द्वारा किए गए निवेशों के अनुपात में टीडीबी के साथ लाभ में भागीदारी करनी होगी ।

टीडीबी किसी औद्योगिक इकाई में (कंपनी अधिनियम, 1956 के तहत स्थापित) उसकी शुरूआत में प्रारंभ में और/अथवा विकास स्तरों पर, टीडीबी द्वारा यथा मूल्यांकित जरूरतों के अनुसार और ऋण इक्विटी अनुपात को ध्यान में रखते हुए, इक्विटी पूँजी के जरिए अभिदान

fourth year of repayment. In some cases, TDB may have nominee director(s) on the Board of Directors of the assisted industrial concern.

TDB may also provide financial assistance by way of grants and/or loans to industrial concerns and R&D institutions engaged in developing indigenous technology. TDB is not to be considered a substitute for funding by the Government or other appropriate institutions. The sanction of grants is decided by the full Board of TDB and is sanctioned in exceptional cases. The recipient may be required to pay TDB (equivalent to grant) out of royalty received by it or share the profit with TDB proportionate to the investments made by participating agencies.

TDB may subscribe by way of equity capital in an industrial concern (incorporated under the Companies Act, 1956), on its commencement, start-up and/or growth stages according to the requirements as assessed by TDB and keeping in view the debt-equity ratio. The equity subscription is decided by

कर सकता है । इक्विटी अभिदान के बारे में निर्णय टीडीबी के पूर्ण बोर्ड द्वारा किया जाता है । यह अनुमोदित परियोजना लागत के 25 प्रतिशत तक हो सकता है बशर्ते कि ऐसा निवेश प्रवर्तकों द्वारा प्रदत्त पूँजी से अधिक न हो । औद्योगिक इकाई, टीडीबी द्वारा अभिदत्त राशि के समकक्ष टीडीबी को अपने शेयर सर्टिफिकेट सममूल्य पर जारी करेगी । पूर्व-अभिदान शर्तों में यह सम्मिलित है कि प्रवर्तकों को शेयर पूँजी के अपने हिस्से का अभिदान और पूर्ण अदायगी करनी चाहिए । प्रवर्तक, अपने शेयरों को टीडीबी द्वारा अभिदत्त इक्विटी के बराबर मूल्य तक बन्धक रखेंगे । टीडीबी को कंपनी के निदेशक बोर्ड में अपना नामजद निदेशक रखने का अधिकार होगा । टीडीबी अपने विवेक पर परियोजना के पूरा होने के तीन वर्ष बाद अथवा अभिदान की तारीख से पांच वर्ष के बाद, टीडीबी (इक्विटी पूँजी) विनियमों में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार, कंपनी में अपनी शेयर होल्डिंग का विनिवेश कर सकता है । शेयर को वापस खरीदने का प्रथम विकल्प प्रवर्तक का होगा ।

बौद्धिक संपदा का अधिकार प्रौद्योगिकी प्रदानकर्ता तथा औद्योगिक इकाई के बीच एक द्विपक्षीय संविदात्मक मामला है । भारत

the full Board of TDB. It is up to 25 per cent of the approved project cost provided such investment does not exceed the capital paid-up by the promoters. The industrial concern shall issue, at par, its share certificates to TDB equivalent to the amount subscribed by TDB. The pre-subscription conditions include that the promoters should have subscribed and fully paid up their portion of the share capital. The promoters shall pledge their shares to TDB of a value equal to the equity subscription by TDB. TDB has a right to have nominee director(s) on the Board of Directors of the company. TDB, in its discretion, may divest its shareholdings in the company after three years of completion of the project or after five years from the date of subscription in accordance with the procedure prescribed in the TDB (equity capital) Regulations. The first option to buy back the shares rests with the promoters.

The disposition of intellectual property is a bilateral contractual matter between the technology provider and the

में और विदेश में भी आवश्यक पेटेंट प्राप्त करने के वास्ते औद्योगिक इकाइयों द्वारा आवेदन पत्र फाइल करने की लागत में औद्योगिक इकाइयों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए कुल परियोजना लागत को ध्यान में रखा जाएगा ।

बोर्ड ने औद्योगिक इकाइयों व अन्य एजेंसियों द्वारा, जिन्हें टीडीबी से वित्तीय सहायता की जरूरत है, प्रस्तुति हेतु आवेदन-पत्र का एक नया प्रारूप तैयार करने के संबंध में समीक्षा की सिफारिश को स्वीकार कर लिया । नए प्रारूप को नवम्बर, 2003 में मुद्रित परियोजना वित्तपोषण मार्गनिर्देशों में सम्मिलित कर लिया गया ।

वर्ष 2003-04 के दौरान बोर्ड की 9 मई, 2003, 30 सितम्बर, 2003, 17 दिसम्बर, 2003 और 31 मार्च, 2004 को चार बैठकें हुई । सितम्बर, 1996 से मार्च, 2004 तक की अवधि के बीच बोर्ड की 28 बैठकें आयोजित हुई ।

बोर्ड, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के सदस्यों के रूप में श्री डी.सी. गुप्ता, श्री राजीव रत्न शाह और श्री वी. गोविन्दराजन द्वारा की गई बहुमूल्य सेवाओं के लिए आभार प्रकट करता है।

industrial concern. The cost of filing of applications by industrial concerns for obtaining necessary patents in India as well as abroad shall be taken into account in the total project cost for providing financial assistance to industrial concerns.

The Board accepted the recommendation of the Review Committee to bring out a new format of application form for submission by industrial concerns and other agencies that require financial assistance from TDB. The new format was incorporated in the Project Funding Guidelines printed in November 2003.

During the year 2003-2004, the Board held 4 meetings on 9th May 2003, 30th September 2003, 17th December 2003 and 31st March 2004. The Board had held 28 meetings between September 1996 and March 2004.

The Board places on record the valuable services rendered by Shri D.C.Gupta, Shri Rajeeva Ratna Shah and Shri V. Govindarajan as members of the Technology Development Board.

वर्ष 2003-2004 में अनुमोदित परियोजनाएँ और जारी उत्पाद

Projects Approved and Products Released in 2003-2004

वर्ष 2003-2004 में प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) ने दस राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में फैली 23 औद्योगिक इकाइयों के साथ 23 समझौतों पर हस्ताक्षर किए । टीडीबी, 240.81 करोड़ रुपए की कुल परियोजना लागत के विपरीत 68.42 करोड़ रुपए की ऋण सहायता प्रदान करने के लिए सहमत हो गया ।

The Technology Development Board (TDB), in the year 2003-04, had signed 23 agreements with 23 industrial concerns spread over 10 States / Union Territories. TDB agreed to provide loan assistance of Rs. 68.42 crore as against the total project cost of Rs. 240.81 crore.

क्षेत्रक-वार कवरेज

इस बात को स्वीकार करते हुए कि प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण (कोर) दक्षता विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण है, टीडीबी विभिन्न क्षेत्रकों में परियोजनाओं के लिए सहायता प्रदान कर रहा है । निम्न तालिका में वर्ष 2003-2004 के दौरान टीडीबी द्वारा संपन्न समझौतों का क्षेत्रक-वार कवरेज दर्शाया गया है :

Sector-wise Coverage

Recognizing that technology is the key to develop core competency, TDB had been supporting projects in various sectors. The table below indicates sector-wise coverage of the agreements concluded by TDB during 2003-2004.

क्षेत्रक-वार कवरेज
Sector-wise Coverage

(करोड़ रुपए) (Rupees in crore)

क्र.सं. No	क्षेत्रक Sector		समझौतों की संख्या No. of agreements	कुल लागत Total cost	टीडीबी द्वारा मंजूर TDB's Commitment
1	स्वास्थ्य और मेडिकल	Health & Medical	8	143.84	28.67
2	सूचना प्रौद्योगिकी	Information Technology	7	41.56	18.80
3	इंजीनियरी	Engineering	3	17.81	5.10
4	रसायन	Chemicals	2	19.24	8.00
5	सड़क परिवहन	Road Transport	1	9.65	3.95
6	ऊर्जा और अपशिष्ट उपयोग	Energy & Waste Utilisation	1	7.86	3.50
7	कृषि	Agriculture	1	0.85	0.40
	जोड़	Total	23	240.81	68.42

प्रौद्योगिकी प्रदानकर्ता

प्रौद्योगिकी इकाइयों को वित्तीय सहायता प्रौद्योगिकियों के वाणिज्यिकरण के लिए प्रदान की जाती हैं चाहे प्रौद्योगिकियाँ राष्ट्रीय संस्थानों द्वारा अथवा उद्योग में इन-हाउस यूनिटों द्वारा विकसित की गई हों । सूचना प्रौद्योगिकी से संबंधित परियोजनाओं के मामले में प्रौद्योगिकी का विकास अधिकांशतः सहायियत इकाइयों द्वारा किया जाना है । वर्ष 2003-2004 के दौरान हस्ताक्षरित समझौतों के संबंध में प्रौद्योगिकी प्रदानकर्ताओं का उल्लेख निम्नलिखित तालिका किया गया है :

Technology Providers

Financial assistance is provided to industrial concerns for commercialisation of technologies irrespective of whether the technologies have been developed by the national institutions or in-house units in the industry. In the case of projects pertaining to Information Technology, the technology has to be developed mostly by the assisted concerns. The technology providers in respect of agreements signed during the year 2003-2004 are indicated in the following table:

प्रौद्योगिकी प्रदानकर्ता
Technology Providers

(करोड़ रुपए) (Rupees in crore)

		समझौतों की संख्या No. of agreements	कुल लागत Total cost	टीडीबी द्वारा मंजूर TDB's Commitment
इन-हाउस आर एंड डी यूनिट	In-house R&D units	10	88.15	34.85
व्यक्तिगत	Individual	8	45.36	19.46
राष्ट्रीय प्रयोगशालाएँ	National laboratories	2	3.73	2.40
विभाग	Departments	1	7.86	3.50
प्राइवेट आर एंड डी प्रयोगशालाएँ	Private R&D labs	1	0.71	0.29
विदेश से	From abroad	1	95.00	7.92
जोड	Total	23	240.81	68.42

राज्य-वार समझौतों का विभाजन

निम्नलिखित तालिका में वर्ष 2003-04 के दौरान टीडीबी द्वारा हस्ताक्षरित समझौतों के राज्य-वार विभाजन का उल्लेख किया गया है :

State-wise Distribution of Agreements

The table below indicates State-wise distribution of the agreements signed by TDB during 2003-2004.

समझौतों का राज्य-वार विभाजन
State-wise Distribution of Agreements

(करोड़ रुपए) (Rupees in crore)

क्र.सं. No	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र State/ Union Territory		समझौतों की संख्या No. of agreements	समझौतों की संख्या No. of enterprises	कुल लागत Total cost	टीडीबी द्वारा मंजूर TDB's Commitment
1	आंध्र प्रदेश	Andhra Pradesh	7	7	134.92	26.22
2	चंडीगढ़	Chandigarh	1	1	2.40	1.20
3	दिल्ली	Delhi	1	1	3.21	1.50
4	गुजरात	Gujarat	1	1	0.71	0.29
5	हिमाचल प्रदेश	Himachal Pradesh	1	1	6.24	1.90
6	कर्नाटक	Karnataka	3	3	27.81	12.05
7	मध्य प्रदेश	Madhya Pradesh	1	1	9.65	3.95
8	महाराष्ट्र	Maharashtra	5	5	23.81	10.66
9	तमिलनाडु	Tamil Nadu	2	2	15.70	4.65
10	उत्तर प्रदेश	Uttar Pradesh	1	1	16.36	6.00
	जोड़	Total	23	23	240.81	68.42

वर्ष 2003-04 में संवितरण

वर्ष 2003-04 के दौरान टीडीबी ने चल रही तथा नई परियोजनाओं के लिए 53.86 करोड़ रुपए की राशि संवितरित की । इसमें 52.76 करोड़ रुपए ऋण के रूप में तथा 1.10 करोड़ रुपए अनुदान के रूप में शामिल हैं ।

2003-04 में संपन्न समझौते

वर्ष 2003-04 के दौरान टीडीबी ने 23 समझौते संपन्न किए जिनका ब्यौरा नीचे दिया गया है :-

1 दि उगर सुगर वर्क्स लि0, सांगली

दि उगर सुगर वर्क्स लि0, सांगली (महाराष्ट्र) ने बायो-मीथेनेटिड पश्चात डिस्टलरी निस्सार उपचार सुविधा के कार्यान्वयन हेतु एक परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत किया था । इसका प्रस्ताव उगर खुर्द बेलगाँव जिला, कर्नाटक स्थित अपनी विद्यमान 30,000 लिटर प्रति दिन परिशुद्ध स्प्रिट डिस्टिलरी प्लांट में निस्सारी उपचार की मल्टीपिल इवेपोरेटर तथा स्प्रे ड्रायर सिस्टम पर अमल करने का है ।

इस उपचार संयंत्र के लिए प्रौद्योगिकी का विकास मैसर्स एसएसपी लि0, फरीदाबाद द्वारा किया गया है । कंपनी ने इस

Disbursements in 2003-2004

During the year 2003-2004, TDB disbursed a sum of Rs. 53.86 crore towards on-going and new projects. This included Rs. 52.76 crore as loan and Rs. 1.10 crore as grant.

Agreements Concluded in 2003-2004

During the year 2003-2004, TDB concluded 23 agreements; the details are given below:-

1 The Ugar Sugar Works Limited, Sangli

The Ugar Sugar Works Limited, Sangli (Maharashtra) had submitted a project proposal for implementation of post bio-methanated distillery effluent treatment facility. It proposes to implement multiple evaporator and spray dryer system of effluent treatment at its existing 30,000 litres per day rectified spirit distillery plant, located at Ugarkhurd, Belgaum District, Karnataka.

The technology for this treatment plant has been developed by M/s SSP Limited, Faridabad. The company has

प्रौद्योगिकी के संबंध में एक पेटेंट प्रयोग फाइल किया है । एसएसपी लि0 उपस्कर की आपूर्ति करेगा, उसकी स्थापना करेगा तथा उसे चालू करेगा और परीक्षण चालन में निष्पादन का भी प्रदर्शन करेगा ।

परियोजना की कुल लागत 225 लाख रुपए है । कंपनी अपने आंतरिक अर्जनों के माध्यम से 113 लाख रुपए की व्यवस्था करेगी । टीआईएफएसी अपने सुगर टेक्नोलॉजी मिशन के तहत 56 लाख रुपए की व्यवस्था करने के लिए सहमत हो गया है । टीडीबी ऋण सहायता के रूप में 56 लाख रुपए की व्यवस्था करने के लिए सहमत हो गया है । कंपनी ने 13 जून, 2003 को टीडीबी के साथ ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए । टीडीबी ने 20 लाख रुपए की पहली किस्त नवम्बर, 2003 में संवितरित की ।

filed a patent application on this technology. SSP Limited would supply the equipment, install it and commission the same as well show the performance in trial runs.

The total cost of the project is Rs. 225 lakhs. The company would deploy Rs. 113 lakhs through internal accruals. TIFAC has agreed to provide Rs. 56 lakhs under its Sugar Technology Mission. TDB has agreed to provide Rs. 56 lakhs as loan assistance. The company signed the loan agreement with TDB on 13th June 2003. TDB disbursed the first installment of Rs. 20 lakhs in November 2003.

प्रोफेसर वी.एस. रामामूर्ति, अध्यक्ष, टीडीबी, चेतन शाह, प्रबंध निदेशक, सिलगेट टेक्नोलाजीज प्राइवेट लि० द्वारा समझौते पर हस्ताक्षर को निहारते हुए
Professor V.S. Ramamurthy, Chairperson, TDB witnessing the signing of the agreement by Chetan Shah Managing Director, Silgate Technologies Private Limited.

2 सिलगेट टेक्नोलाजीज प्राइवेट लि0, मुम्बई

सिलगेट टेक्नोलाजीज प्राइवेट लि0, मुम्बई ने कंपनी द्वारा इन-हाउस विकसित साफ्टवेयर का उपयोग करके दूरवर्ती और आनलाइन ऊर्जा मीटरिंग, ऊर्जा प्रबंधन तथा आडिट सिस्टम का विकास और स्थापना करने के लिए एक आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया था । परियोजना का उद्देश्य एक समाधान के रूप में आटोमेटिक मीटर रीडिंग (एएमआर) सिस्टम प्रस्तुत करना है । विद्यमान मीटर सिस्टम हस्तचालित है । कंपनी ने बृहन मुम्बई बिजली आपूर्ति तथा परिवहन उपक्रम के लिए एक प्रायोगिक परियोजना का सफलतापूर्वक कार्यान्वयन किया है ।

परियोजना की कुल लागत 390 लाख रुपए है । टीडीबी 25 जुलाई, 2003 को हस्ताक्षरित एक ऋण समझौते के तहत 170 लाख रुपए का ऋण प्रदान करने के लिए सहमत हो गया है । टीडीबी ने 50 लाख रुपए की पहली किस्त अक्तूबर, 2003 में जारी की। परियोजना जुलाई, 2004 तक पूरी हो जाने की उम्मीद है।

2 Silgate Technologies Private Limited, Mumbai

Silgate Technologies Private Limited, Mumbai, had submitted an application for development and installation of remote and online energy metering, energy management and audit system using the software developed in-house by the company. The project aims at offering remote Automatic Meter Reading (AMR) system as a solution. The present meter system is manual. The company has successfully implemented a pilot project for Brihan Mumbai Electric Supply and Transport Undertaking.

The total cost of the project is Rs. 390 lakhs. TDB has agreed to provide a loan of Rs. 170 lakhs under a loan agreement signed on 25th July 2003. TDB released the first installment of Rs. 50 lakhs in October 2003. The project is scheduled to be completed in July 2004.

3 कोरल टेलिकॉम लि0, सोलन

कोरल टेलिकॉम लि0, सोलन का प्रस्ताव विद्यमान आईआरआईएस-आईवीडीएक्स, स्विच के संबंध में ब्राडबेण्ड सर्विसिज विकसित और प्रयोग करने का है । परियोजना का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय मानकों और प्रोटोकोलों के अनुसार विद्यमान पीएसटीएन लाइनों पर उपलब्ध कराए जाने वाले वायस, डाटा और विडियो के लिए एक एकीकृत समाधान डिजाइन, विकसित और वाणिज्यिकृत करने और इस प्रकार प्रौद्योगिकी से अवगत कराने और मितव्ययी प्रयोगों की व्यवस्था करने का है ।

परियोजना की कुल लागत 623.60 लाख रुपए है । टीडीबी 190 लाख रुपए की ऋण सहायता प्रदान कर रहा है । कंपनी ने 25 जुलाई, 2003 को ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए । परियोजना जुलाई, 2004 तक पूरी हो जाने की उम्मीद है । टीडीबी ने 50 लाख रुपए की पहली किस्त फरवरी, 2004 में जारी की ।

3 Coral Telecom Limited, Solan

Coral Telecom Limited, Solan, proposes to develop and deploy Broadband Services on existing IRIS-IVDX Switch. The project aims to design, develop and commercialise an integrated solution for voice, data and video applications to be provided on the existing PSTN lines as per international standards and protocols thereby keeping abreast of technology and providing cost effective applications.

The total cost of the project is Rs. 623.60 lakhs. TDB is providing a loan assistance of Rs. 190 lakhs. The company signed the loan agreement on 25th July 2003. The project is scheduled to be completed in July 2004. TDB released the first instalment of Rs. 50 lakhs in February 2004.

डॉ0 ए.के. सूद और श्री राजेश तुली, प्रबंध निदेशक, कोरल टेलिकॉम लिमिटेड के बीच ऋण समझौते का आदान-प्रदान
Exchanging of loan agreement between Dr. A.K. Sood and Shri Rajesh Tuli, Managing Director, Coral Telecom Limited.

4 रविन्द्रनाथ जीई मेडिकल एसोसिएट्स प्राइवेट लि0, हैदराबाद

रविन्द्रनाथ जीई मेडिकल एसोसिएट्स प्राइवेट लि0, हैदराबाद ने अंग प्रत्यारोपण निष्पादित करने के लिए हैदराबाद में 150 बिस्तर वाला अस्पताल स्थापित किया है । इसमें यकृत, गुर्दा, अग्न्याशय, लघ्वान्त्र प्रत्यारोपण सम्मिलित है । अस्पताल का उद्घाटन मई, 2002 में किया गया । अस्पताल ने पहला गुर्दा प्रत्यारोपण अप्रैल, 2002 में तथा प्रथम यकृत प्रत्यारोपण फरवरी, 2003 में किया गया । टीडीबी, मार्च, 2001 में हस्ताक्षरित एक समझौते के तहत 2400 लाख रुपए की परियोजना लागत के विपरीत 950 लाख रुपए का ऋण प्रदान करने के लिए सहमत हो गया।

टीडीबी ने कंपनी के लिए 70 लाख रुपए की अतिरिक्त ऋण सहायता अनुमोदित की। इस प्रकार, 2741.21 लाख रुपए की संवर्धित कुल परियोजना लागत के विरुद्ध कुल ऋण सहायता की राशि 1020 लाख रुपए होगी । कंपनी ने एक पूरक समझौते पर 30 जुलाई, 2003 पर हस्ताक्षर किए । टीडीबी ने नवम्बर, 2003 में 70 लाख रुपए जारी किए ।

4 Ravindranath GE Medical Associates Private Limited, Hyderabad

Ravindranath GE Medical Associates Private Limited, Hyderabad, has set up 150 bed hospital in Hyderabad for performing organ transplantation. It includes liver, kidney, pancreas, small intestine and bone-marrow transplantation. The hospital was inaugurated in May 2002. The hospital performed the first kidney transplant in April 2002 and the first liver transplant in February 2003. TDB agreed to provide a loan of Rs. 950 lakhs against the project cost of Rs. 2400 lakhs under an agreement signed in March 2001.

TDB approved an additional loan assistance of Rs. 70 lakhs to the company. Thus the total loan assistance would be Rs. 1020 lakhs against the enhanced total project cost of Rs. 2741.21 lakhs. The company signed a supplementary on 30th July 2003. TDB released Rs. 70 lakhs in November 2003.

5 सोफब्ल्यु इंडिया प्राइवेट लि0, नई दिल्ली

सोफब्ल्यु इंडिया प्राइवेट लि0, नई दिल्ली का प्रस्ताव, दूरवर्ती ऊर्जा मीटर रीडिंग के लिए वायरलैस हस्त-धारित आटोमेटिड मीटर रीडिंग (एएमआर) यूनिट का विनिर्माण और तैनात करने का है । प्रत्येक वर्ष 9 लाख यूनिटों की स्थापित क्षमता के साथ विनिर्माण यूनिट देहरादून में स्थापित की जाएगी ।

परियोजना की कुल लागत 321.40 लाख रुपए है । टीडीबी, 5 अगस्त, 2003 को हस्ताक्षरित एक ऋण समझौते के अंतर्गत 150 लाख रुपए की ऋण सहायता प्रदान कर रहा है । परियोजना जुलाई, 2004 तक पूरी हो जाने की उम्मीद है । टीडीबी ने 40 लाख रुपए की ऋण सहायता की पहली किस्त अक्तूबर, 2003 में जारी की ।

5 Sofblue India Private Limited, New Delhi

Sofblue India Private Limited, New Delhi, proposes to manufacture and deploy wireless hand-held Automated Meter Reading (AMR) units for remote energy meter reading. The manufacturing unit with an installed capacity of 9 lakh units per year would be set up at Dehradun.

The total cost of the project is Rs. 321.40 lakhs. TDB is providing a loan assistance of Rs. 150 lakhs under a loan agreement signed on 5th August 2003. The project is due for completion in July 2004. TDB released the first installment of loan assistance of Rs. 40 lakhs in October 2003.

6 गुंजन पेन्ट्स लिमिटेड, अहमदाबाद

गुंजन पेन्ट्स लिमिटेड, अहमदाबाद को टीडीबी द्वारा 27 मार्च, 2000 को हस्ताक्षरित एक ऋण समझौते के तहत 'सिनथेटिक थिकनर फार पिगमेंट प्रिंटिंग फार टेक्सटाइल्स' परियोजना के लिए 87 लाख रुपए की ऋण सहायता प्रदान की गई । कंपनी ने 250 लाख रुपए की कुल परियोजना लागत पर सिनथेटिक थिकनर के 300 टीपीए के उत्पादन के लिए एक संयंत्र स्थापित करने का प्रस्ताव किया था । परियोजना, एटीआईआरए, अहमदाबाद द्वारा विकसित प्रौद्योगिकी पर आधारित है ।

कंपनी, प्रौद्योगिकी संबंधी समस्या के कारण उत्पादन की वांछित मात्रा प्राप्त करने और संयंत्र का पूर्ण उपयोग करने में समर्थन नहीं रही । एटीआईआरए ने संकेत दिया कि कंपनी को कुछ अतिरिक्त उपस्कर स्थापित करने की जरूरत है जिसकी लागत 40 लाख रुपए होगी।

टीडीबी 321.24 लाख रुपए की संवर्धित परियोजना लागत के विरुद्ध ऋण सहायता 87 लाख रुपए से बढ़ाकर 116 लाख रुपए करने के लिए सहमत हो गया । कंपनी ने 22 सितम्बर, 2003 को एक पूरक समझौते पर हस्ताक्षरित किए । टीडीबी ने 34 लाख रुपए के ऋण की अंतिम किस्त मार्च, 2004 में संवितरित की ।

6 Gunjan Paints Limited, Ahmedabad

Gunjan Paints Limited, Ahmedabad, had been provided a loan assistance of Rs. 87 lakhs by TDB for the project "Synthetic thickener for pigment printing for textiles" under a loan agreement signed on 27th March 2000. The company had proposed to establish a plant for the production of 300 TPA of synthetic thickener at a total project cost of Rs. 250 lakhs. The project is based on the technology developed by ATIRA, Ahmedabad.

The company was not able to achieve the desired quantity of production and make full utilization of the plant due to technological problem. ATIRA indicated that the company would need to install some additional equipment costing Rs. 40 lakhs.

TDB agreed to enhance its loan assistance from Rs. 87 lakhs to Rs. 116 lakhs as against the enhanced project cost of Rs. 321.24 lakhs. The company signed a supplementary agreement on 22nd September 2003. TDB made the final disbursement of loan of Rs. 34 lakhs in March 2004.

7 जुबिलेंट आर्गनोसिस लि0, गजरौला

जुबिलेंट आर्गनोसिस लि0 (पूर्व वाम आर्गनिक केमिकल्स लि0), ने अल्फा पिकोलाइन एंड फोर्मलडिहाइड से 2 विनयल पाइरिडीन मोनोमेर के विनिर्माण के लिए टीडीबी से वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए एक आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया था । कंपनी की इन-हाउस आर. एंड डी. यूनिट को डीएसआईआर से मान्यता प्राप्त है ।

परियोजना की कुल लागत 1636.10 लाख रुपए है । टीडीबी 29 सितम्बर, 2003 को हस्ताक्षरित एक ऋण समझौते के तहत कंपनी को 600 लाख रुपए का ऋण प्रदान करने के लिए सहमत हो गया है ।

7 Jubilant Organosys Limited, Gajraula

Jubilant Organosys Limited (formerly Vam Organic Chemicals Limited), had submitted an application seeking financial assistance from TDB for the manufacture of 2-Vinyl Pyridine Monomer from Alpha Picoline and Formaldehyde. The in-house R&D unit of the company is recognized by DSIR.

The total project cost is Rs. 1636.10 lakhs. TDB agreed to provide a loan of Rs. 600 lakhs to the company under a loan agreement on 29th September 2003.

8 श्रीराम एनर्जी सिस्टम्स लि0, हैदराबाद

श्रीराम एनर्जी सिस्टम्स लि0, हैदराबाद ने विजयवाड़ा में, प्रसंस्करित म्युनिसिपल ठोस अपशिष्ट (एमएसडब्ल्यू) को फ्लफ के लिए 500 टीपीडी संयंत्र; गुन्टुर में पेलेट्स में 500 टीपीडी एमएसडब्ल्यू प्रसंस्करण संयंत्र और विजयवाड़ा में प्रसंस्करित म्युनिसिपल ठोस अपशिष्ट का उपयोग करके 6 एमडब्ल्यू विद्युत संयंत्र स्थापित करने के लिए एक

8 Shriram Energy Systems Limited, Hyderabad

Shriram Energy Systems Limited, Hyderabad, had submitted a project proposal for setting up 500 TPD plant for processing municipal solid waste (MSW) into fluff at Vijayawada; 500 TPD MSW processing plant into pellets at Guntur and setting up 6 MW power plant at Vijayawada by utilising the

परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत किया था । कंपनी ने 3800 लाख रुपए की कुल परियोजना लागत के विपरीत 1535 लाख रुपए की ऋण सहायता के लिए 8 फरवरी, 2002 को टीडीबी के साथ एक ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए ।

कंपनी ने सूचित किया कि टीआईएफएसी जानकारी के आधार पर एमएसडब्ल्यू प्रसंस्करण के माध्यम से ईंधन के पेलेट फार्म के उत्पादन के लिए गुंटूर में प्रसंस्करण संयंत्रण 11 अप्रैल, 2003 को चालू हो गया।

कंपनी ने संवर्धित परियोजना लागत और परियोजना समयावधि में वृद्धि होने के कारण अतिरिक्त ऋण सहायता की माँग की । टीडीबी ने 786 लाख रुपए की अतिरिक्त लागत के विपरीत 350 लाख रुपए की अतिरिक्त ऋण सहायता मंजूर की । टीडीबी द्वारा कुल ऋण सहायता की राशि 4586 लाख रुपए की संशोधित लागत के विरुद्ध 1885 लाख रुपए होगी। कंपनी ने 1 अक्तूबर, 2003 को पूरक ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए ।

टीडीबी ने 13 अक्तूबर, 2003 को 350 लाख रुपए की राशि जारी की । टीडीबी ने 30 अक्तूबर, 2003 को 35 लाख रुपए की अंतिम किस्त जारी की ।

processed municipal solid waste. The company had signed a loan agreement with TDB on 8th February 2002 for a loan assistance of Rs.1535 lakhs against the total project cost of Rs. 3800 lakhs.

The company informed that the process plant at Guntur for production of pellet form of fuel through MSW processing based on TIFAC know-how has been commissioned on 11th April 2003.

The company sought additional loan assistance due to enhanced project cost and extension of the project duration. TDB sanctioned additional loan assistance of Rs. 350 lakhs against the additional cost of Rs. 786 lakhs. The total loan assistance by TDB would amount to Rs. 1885 lakhs against the revised cost of Rs. 4586 lakhs. The company signed the supplementary loan agreement on 1st October 2003.

TDB released Rs. 350 lakhs on 13th October 2003. TDB disbursed Rs. 35 lakhs as final installment on 30th December 2003.

इण्ड-स्विफ्ट लेबोरेटरीज लिमिटेड, चंडीगढ़

इंड-स्विफ्ट लेबोरेटरीज लिमिटेड, चंडीगढ़ ने एक्टिव फार्मा इनग्रिडिएन्ट्स (एपीआई), लेट्रोजोल और एनास्ट्रोजोल का विकास, परीक्षण और वाणिज्यिकरण करने का प्रस्ताव किया था । कुल मिलाकर दोनों एपीआई के संबंध में स्थापित क्षमता 240 किलोग्राम प्रति वर्ष होगी। कंपनी के इन-हाउस आर एंड डी को डीएसआईआर द्वारा मान्यताप्राप्त है।

लेट्रोजोल और एनास्ट्रोजोल, रजोनिवृत्ति पश्चात महिलाओं में उन्नत वक्ष कैंसर के उपचार में प्रयुक्त स्टीरोडिअल भिन्न एरोमातसे इन्हीबीटर हैं । आजकल इन एपीआई का आयात किया जाता है ।

परियोजना की कुल लागत 240 लाख रुपए है । 11 नवम्बर, 2003 को हस्ताक्षरित एक ऋण समझौते के तहत टीडीबी 120 लाख रुपए की राशि प्रदान करने लिए सहमत हो गया । परियोजना दिसम्बर, 2004 तक पूरी हो जाने की उम्मीद है ।

Ind-Swift Laboratories Limited, Chandigarh

Ind-Swift Laboratories Limited, Chandigarh, had proposed to carry out development, testing and commercialisation of Active Pharma Ingredients (API), Letrozole and Anastrozole. The installed capacity for the both API put together shall be 240 Kg per annum. The company's in-house R&D unit is recognized by DSIR.

Letrozole and Anastrozole are non-steroidal aromatase inhibitors used in the treatment of advanced breast cancer in post-menopausal females. These APIs are presently being imported.

The total cost of the project is Rs. 240 lakhs. Under a loan agreement signed on 11th November 2003, TDB agreed to provide a loan of Rs. 120 lakhs. The project is due for completion in December 2004.

10 ग्लाण्ड फार्मा लिमिटेड, हैदराबाद

ग्लाण्ड फार्मा लिमिटेड, हैदराबाद का प्रस्ताव लो मोलेकुलर वैट हेपारिन्स, डालटेपारिन और नाड्रोपारिन विनिर्मित करने का है । फिलहाल, इनका आयात किया जाता है । कंपनी का इन-आउस आर एंड डी यूनिट है जिसे डीएसआईआर द्वारा मान्यताप्राप्त है तथा बताया गया है कि उसने पेटेन्ट-भिन्न औषधियों के लिए इन-हाउस प्रौद्योगिकी विकसित की है ।

डालटेपारिन, कूल्हा प्रतिस्थापन शल्यचिकित्सा, उदरीय शल्यचिकित्सा आदि कराने वाले रोगियों के लिए गहन शिरा थ्रोम्बोसिस (डीवीटी) की रोकथाम के लिए है । नाड्रोपारिन, थ्रोम्बोएम्बोलिक विकृतियों, जैसे कि पैरों में रक्त के थक्के और फेफड़ों में जीवन को आशंकित करने वाले थक्के, डीवीटी कृत्रिम गुर्दे के उपयोग के दौरान थक्के की रोकथाम के लिए हैं । दोनों औषधियाँ स्कंदन-रोधी हैं ।

स्थापित क्षमता 300 कि.ग्रा. प्रति वर्ष होगी । परियोजना की कुल लागत 900 लाख रुपए है । कंपनी ने टीडीबी के साथ 12 नवम्बर, 2003 को एक समझौते पर हस्ताक्षर किए जिसके अंतर्गत टीडीबी 450 लाख रुपए का ऋण देने के लिए सहमत हो गया । परियोजना जून, 2005 तक पूरी हो जाने की उम्मीद है । टीडीबी ने पहली किस्त के रूप में मार्च, 2004 में 100 लाख रुपए संवितरित किए ।

10 Gland Pharma Limited, Hyderabad,

Gland Pharma Limited, Hyderabad, proposes to manufacture Low Molecular Weight Heparins, Dalteparin and Nadroparin. Both are presently imported. The company has in-house R&D unit recognized by DSIR and has reported to have developed in-house technology for the off-patent drugs.

Dalteparin is for prevention of deep vein thrombosis (DVT) for patients undergoing hip replacement surgeries, abdominal surgeries, etc. Nadroparin is for prevention of thromboembolic disorders such as blood clots in the legs and life threatening clots in the lungs, DVT, prevention of clotting during use of artificial kidney. Both these drugs are anti-coagulants.

Installed capacity shall be 300 Kg per annum. The total project cost is Rs. 900 lakhs. The company signed an agreement with TDB on 12th November 2003 under which TDB has agreed to provide a loan of Rs. 450 lakhs. The project is due for completion in June 2005. TDB disbursed Rs. 100 lakhs as first installment in March 2004.

11 विनाती आर्गनिक्स लिमिटेड, महड

महड, जिला रायगढ़ में अपने पंजीकृत कार्यालय के साथ विनाती आर्गनिक्स लि0 ने एटीबीएस (एक्रोइलो एमिडो टेरटिअरी बुटिल सल्फोनेट), सोडियम मिथालिल सल्फोनेट (एसएमएएस) और लोते परशुराम, एमआईडीसी, रत्नगिरी जिला, महाराष्ट्र में परा मेथोक्सी फिनाइल एसेटिक एसिड (पीएमपीएए) के विनिर्माण के लिए एक परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत किया था । कंपनी ने, 1775 लाख रुपए की कुल परियोजना लागत के विपरीत 800 लाख रुपए की ऋण सहायता के लिए 19 फरवरी, 2002 को टीडीबी के साथ एक ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए ।

एटीबीएस और एसएमएएस के लिए प्रौद्योगिकी का विकास राष्ट्रीय रसायन प्रयोगशाला (एनसीएल), पुणे द्वारा किया गया है, जो सीएसआईआर की एक संघटक यूनिट है । प्रौद्योगिकी को प्रायोगिक संयंत्र स्तर तक उन्नत बनाया गया है ।

11 Vinati Organics Limited, Mahad

Vinati Organics Limited, with its registered office in Mahad, Raigad District, had submitted a project proposal for the manufacture of ATBS (Acrylo amido Tertiary Butyl Sulfonate), Sodium Methallyl Sulphonate (SMAS) and Para Methoxy Phenyl Acetic Acid (PMPAA) at Lote Parashuram, MIDC, Ratnagiri District, Maharashtra. The company had signed a loan agreement with TDB on 19th February 2002 for a loan assistance of Rs. 800 lakhs against the total project cost of Rs. 1775 lakhs.

The technology for ATBS and SMAS has been developed by National Chemical Laboratory (NCL), Pune, a constituent unit of CSIR. The technology has been scaled up to pilot plant level.

परियोजना की बढ़ी हुई लागत तथा समयावधि में बढ़ोत्तरी होने के कारण कंपनी ने टीडीबी से अतिरिक्त ऋण सहायता की माँग की । टीडीबी ने 2063 लाख रुपए की बढ़ी हुई परियोजना लागत के विरुद्ध सितम्बर, 2003 में 200 लाख रुपए की अतिरिक्त ऋण सहातया अनुमोदित की । कंपनी परियोजना को 1000 टन एटीबीएस तथा 750 टन एसएमएएस प्रति वर्ष तक सीमित रखेगी । कंपनी ने 19 नवम्बर, 2003 को एक पूरक ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए । परियोजना के अगस्त 2004 तक पूरा होने की उम्मीद है।

The company sought additional loan assistance from TDB due to enhanced project cost and extension of the completion of the project. TDB approved additional loan assistance of Rs. 200 lakhs in September 2003 against the enhanced project cost of Rs. 2063 lakhs. The company will restrict the project to 1000 tonnes of ATBS and 750 tonnes of SMAS per annum. The company signed the supplementary loan agreement on 19th November 2003. The project is due for completion in August 2004.

12 राजरत्न गुस्तव वोल्फ लिमिटेड, इंदौर

राजरत्न गुस्तव वोल्फ लिमिटेड, इंदौर ने टायर बीड वायरों के निर्माण के लिए विनिर्माण सुविधाएँ कायम करने का प्रस्ताव किया था । प्रस्ताव स्थापित क्षमता 6600 एमटी प्रतिवर्ष (तीन पारियों में) है ।

टायर बीड वायर एक उच्च कार्बन कॉस्य परत वाला तार है जिसका उपयोग सभी न्युमेटिक टायरों में किया जाता है । टायर बीड वायर का मुख्य कार्य टायर को रिम पर रोकना तथा स्फीत दबाव के कार्य को रोकना है जो उसे सतत रूप से हटाने पर जोर डालता है । कंपनी ने अपनी इन-हाउस आर. एंड डी. यूनिट के जरिए, बीड वायर के उत्पादन के लिए उन्नत और सुधरी प्रौद्योगिकी विकसित की है । कंपनी ने अपनी तीन नूतन प्रक्रियाओं के लिए सितम्बर 2002 में पेटेंट कार्यालय, मुम्बई में पेटेंट आवेदन-पत्र फाइल किया है ।

परियोजना की कुल लागत 965 लाख रुपए है। कंपनी ने टीडीबी के साथ 22 जनवरी, 2004 को एक ऋण समझौते पर हस्ताक्षर

12 Rajratan Gustav Wolf Limited, Indore

Rajratan Gustav Wolf Limited, Indore, had proposed setting up manufacturing facilities for the manufacture of tyre bead wires. The proposed installed capacity is 6600 MT per annum (in three shifts).

Tyre bead wire is a high carbon bronze coated wire used in all pneumatic tyres. The main function of the tyre bead wire is to hold the tyre on the rim and to resist the action of the inflated pressure which constantly tries to force it off. The company has developed, through its in-house R&D unit, the upgraded and improved technology for production of bead wire. The company has filed the patent application with the Patent Office, Mumbai, in September 2002 for its three innovative process.

The total project cost is Rs. 965 lakhs. The company signed a loan agreement with TDB on 22nd January 2004. TDB

किए । टीडीबी, 395 लाख रुपए का ऋण देने के लिए सहमत हो गया है । टीडीबी ने मार्च, 2004 में 200 लाख रुपए जारी किए। परियोजना के जून, 2004 तक पूरा हो जाने की उम्मीद है ।

has agreed to provide a loan of Rs. 395 lakhs. TDB released Rs. 200 lakhs in March 2004. The project is due for completion in June 2004.

राजरतन गुस्तव वोल्फ लिमिटेड, इंदौर में टायर बीड वायरों का निर्माण
Plant for the manufacture of tyre bead wires at Rajratan Gustav Wolf Limited, Indore

13 नेचुरल रीमेडीज प्राइवेट लिमिटेड, बंगलौर

नेचुरल रीमेडीज प्राइवेट लिमिटेड, बंगलौर ने पोलीहर्बल पेटेन्टिड खोज और मानकीकृत जड़ी-बूटी निष्कर्षणों के विनिर्माण के लिए बंगलौर में उत्पादन सुविधाएँ कायम करने के वास्ते एक परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत किया था । कंपनी का इरादा एनआरए-2 के रूप में कोडिड पोलीहर्बल एलर्जी-रोधी निर्माण का विनिर्माण करने का है । यह मौखिक रूप से प्रभावी पाया गया और इससे कोई शिथिलता नहीं आती तथा इसका उच्च सुरक्षा मार्जिन है। प्रौद्योगिकी का विकास इन-हाउस आर. एंड डी. यूनिट द्वारा किया गया है, जिसे डीएसआईआर द्वारा मान्यता प्राप्त है । कंपनी ने 31 देशों को कवर करते हुए एक पेटेंट सहयोग संधि (पीसीटी) आवेदन पत्र के माध्यम से एक अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट प्राप्त करने के लिए फरवरी, 2000 में एक पेटेंट आवेदन पत्र फाइल किया है ।

परियोजना की कुल लागत 795 लाख रुपए है । टीडीबी 275 लाख रुपए की ऋण सहायता उपलब्ध कराएगा । कंपनी ने 17 फरवरी, 2004 को ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए। परियोजना के जून, 2004 तक पूरी हो जाने की उम्मीद है ।

13 Natural Remedies Private Limited, Bangalore

Natural Remedies Private Limited, Bangalore, had submitted a project proposal for setting up production facilities in Bangalore for the manufacture of polyherbal patented inventions and standardized herbal extracts. The company intends to manufacture polyherbal anti-allergic preparation coded as NRA2. It was found orally effective, did not cause any sedation, and has a high safety margin. The technology has been developed by the in-house R&D unit, recognized by DSIR. The company has filed a patent application in February 2000 for obtaing a patent internationally through a Patent Cooperation Treaty (PCT) application covering 31 countries.

The total cost of the project is Rs. 795 lakhs. TDB is providing a loan assistance of Rs. 275 lakhs. The company signed the loan agreement on 17th February 2004. The project is due for completion in June 2004.

14 बायोलोजिकल ई-लिमिटेड, हैदराबाद

बायोलोजिकल ई-लिमिटेड, हैदराबाद ने कानजुगेटिड हेमोफिलस इन्फ्लुएन्जा टाइप-बी (एचआईबी) टीका, डिपथिरिया, टेटनस-परटुसिस और एचआईबी मिश्रण टीका और खसरा टीका के विकास और वाणिज्यिकरण के लिए टीडीबी से ऋण सहायता की मांग की है । कंपनी की एक आर. एंड डी. यूनिट है जिसे डीएसआईआर द्वारा मान्यता प्राप्त है।

कंपनी ने खसरा, एचआईबी और एचबीवी (इस प्रस्ताव का कोई भाग नहीं) के विकास और विनिर्माण के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट आफ पब्लिक हैल्थ एंड एनवायरनमेंट (आरआईवीएम) नीदरलैंड्स, बायो-फार्मा (बीएफ), इंडोनेशिया तथा इंडियन इंस्सटीट्यूट आफ साइंस, बंगलौर के साथ एक सहमति ज्ञापन किया है ।

टीका मिश्रण, डीपीटी-एचआईबी, डीपीटी-एचबीवी तथा डीपीटी-एचबीबी-एचआईबी होगा । टीका उत्पादन के लिए स्थापित की जाने वाली प्रस्तावित कंपनी की नई यूनिट, हैदराबाद से लगभग 55 कि.मी. पर बायोटेक पार्क (आईसीआईसीआई नोलिज पार्क के निकट) पुलिमामिडी ग्राम, तुक्कुगुडा से स्थित होगी ।

परियोजना की कुल लागत 95 करोड़ रुपए है। टीडीबी ने कंपनी के साथ 17 फरवरी, 2004 को एक समझौते पर हस्ताक्षर किए । टीडीबी, 7.92 करोड़ रुपए की ऋण सहायता देने के लिए सहमत हो गया है । परियोजना के सितम्बर, 2005 तक पूरा हो जाने की उम्मीद है । टीडीबी ने 300 करोड़ रुपए की पहली किस्त मार्च, 2004 में जारी की ।

14 Biological E Limited, Hyderabad

Biological E. Limited, Hyderabad, has sought loan assistance from the TDB for the development and commercialization of Conjugated Haemophilus Influenzae Type-B (HIB) Vaccine, Diptheria-Tetanus-Pertussis and HIB Combination Vaccine and Measles Vaccine. The company has an in-house R&D unit, recognized by DSIR.

The company has entered into an understanding with National Institute of Public Health and Environment (RIVM), Netherlands, Bio Farma (BF), Indonesia and the Indian Institute of Science, Bangalore for the development and manufacture of Measles, HIB and HBV (not part of this proposal).

The vaccine combination would be DPT-HIB, DPT-HBV and DPT-HBV-HIB. The company's new unit, proposed to be set up for vaccine production, would be located at Pulimamidi Village, Tukkuguda at the Biotech Park (near ICICI Knowledge Park) about 55 Kms from Hyderabad.

The total project cost is Rs. 95 crore. TDB signed an agreement with the company on 17th February 2004. TDB has agreed to provide a loan assistance of Rs. 7.92 crore. The project is due for completion by September 2005. TDB released the first instalment of Rs. 300 lakhs in March 2004.

15 यशराज बायोटेक्नोलाजी लिमिटेड, मुम्बई

यशराज बायोटेक्नोलॉजी लिमिटेड, मुम्बई का इरादा, नेटिव सोर्स, यथा तरल बायो-मेडिकल अपशिष्ट, जैसे कि एसेटिक/प्लुरल फ्लुइड्स से एंटीजनों और प्रोटीनों को अलग करने का है । एचबीएसएजी+वी ब्लड, कैंसर रोगियों से तरल, मेकोनियम (अर्थात् नवजात शिशु का प्रथम पाख़ाना), कोर्ड ब्लड आदि । इन एजेंसियों और प्रोटीनों का नैदानिक महत्व है जिनका उपयोग नैदानिक किटों में मानकों अथवा केलिब्रेटर्स के रूप में किया जाता है ।

कंपनी का प्रस्ताव तीन उत्पादों पर बल देने का है । सीआरपी (सी-रीएक्टिव प्रोटीन), सीईए (कारसिनो-एमब्रायोनिक एंटीजन) और सीए-125 (ओवेरिअन कैंसर एंटीजन), विश्वव्यापी बाजार के लिए । सीआरपी, टिसु आघात, संक्रमण और विभिन्न विषालुता विकृतियों का मार्कर है । सीईए, विषालुताओं के लिए एक सामान्य मार्कर है । सीए-125 ओवेरिअन का ओवेरिअन-भिन्न विषालुताओं से भेद करने के लिए एक मार्कर है । इन-हाउस आर एंड डी यूनिट को डीएसआईआर से मान्यताप्राप्त है ।

स्थापित क्षमता है : 120 ग्राम सीआरपी प्रत्येक वर्ष; 10 ग्राम सीईए प्रतिवर्ष; 4,80,000 क्यू सीए-125 प्रत्येक वर्ष । सुविधा की स्थापना नवी मुम्बई में की जाएगी । परियोजना की

15 Yashraj Biotechnology Limited, Mumbai

Yashraj Biotechnology Limited, Mumbai, intends to separate antigens and proteins from native source, i.e., liquid bio-medical waste such as ascetic/plural fluids, HbsAg +ve blood, fluids from cancer patients, Meconium (ie., first stool of new born baby), cord blood etc. These antigens and proteins have diagnostic importance, which are used as standards or calibrators in diagnostic kits. Native source origin is preferred.

The company proposes to focus on three products. CRP (C-reactive Protein), CEA (Carcino-Embryonic Antigen) and CA-125 (Ovarian Cancer Antigen) for world-wide market. CRP is a marker for tissue injury, infections and various malignant disorders. CEA is a general marker for malignancies. CA-125 is a marker to differentiate ovarian from non-ovarian malignancies. The in-house R&D unit is recognized by DSIR.

The installed capacity is 120 grams per annum of CRP; 10 grams per annum of CEA; 4,80,000 Ku per annum of CA-125. The facility will be installed in Navi Mumbai. The total cost of the project is

यशराज बायोटेक्नोलॉजी लिमिटेड, मुम्बई का संयंत्र
Plant at Yashraj Biotechnology Limited, Mumbai.

कुल लागत 582 लाख रुपए है । टीडीबी 200 लाख रुपए की ऋण सहायता प्रदान करेगा । कंपनी ने 24 फरवरी, 2004 को ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए । परियोजना के जून, 2004 तक पूरा हो जाने की उम्मीद है ।

Rs. 582 lakhs. TDB is providing loan assistance of Rs. 200 lakhs. The company signed the loan agreement on 24th February 2004. The project is due for completion in June 2004.

16 रविन्द्रनाथ जीई मेडिकल एसोसिएट्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद

रविन्द्रनाथ जीई मेडिकल एसोसिएट्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद ने, सभी महत्वपूर्ण सुविधाएँ इन-हाउस प्रदान करने के उद्देश्य से, ग्लोबल होस्पीटल में हृदीय प्रत्यारोपण तथा हृदयी सम्बद्ध सेवा स्थापित करने के लिए एक परियोजना प्रस्तुत की थी ।

परियोजना की कुल लागत 980 लाख रुपए है । टीडीबी, 4 मार्च, 2004 को हस्ताक्षरित एक ऋण समझौते के तहत 490 लाख रुपए की ऋण सहायता प्रदान करने के लिए सहमत हो गया है । परियोजना के 4 महीनों में पूरा हो जाने की उम्मीद है । टीडीबी ने 400 लाख रुपए की पहली किस्त मार्च, 2004 में जारी की ।

16 Ravindranth GE Medical Associates Private Limited, Hyderabad

Ravindranath GE Medical Associates Private Limited, Hyderabad, had submitted a project for establishment of cardiac transplantation and cardiac related service at the Global Hospital with the objective of providing all important facilities in-house.

The total cost of the project is Rs. 980 lakhs. TDB has agreed to provide a loan asssistance of Rs. 490 lakhs under a loan agreement signed on 4th March 2004. The project is due for completion in 4 months. TDB has released the first instalment of Rs. 400 lakhs in March 2004.

सफल यकृत प्रत्यारोपण के पश्चात प्रत्यारोपित बालक एवं दानकर्ता पिता के साथ डा. रविन्द्रनाथ
Dr. Ravindranath with the successful liver transplanted child and donor father.

17 पोवई लेब्स टेक्नोलाजी प्राइवेट लिमिटेड, मुम्बई

पोवई लेब्स टेक्नालोजी प्राइवेट लिमिटेड, मुम्बई ने एप्लीकेशन स्पेसिफिक इंटेग्रेटिड सर्किट्स (एएसआईसी) के वैधकरण के लिए दो यंत्रों, यथा सिमुलेशन एक्सीलेटर तथा इन-सर्किट एमुलेटर के विकास और विपणन वाले हार्डवेयर एमुलेशन सिस्टम के संबंध में एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया था । दोनों आवेदन-पत्रों का उद्देश्य एएसआईसी डिजाइनरों और एसोसिएटिड एप्लीकेशन डेवलपरों की सिमुलेशन गति 1000 एक्स तक बढ़ाकर उनकी उत्पादकता में सुधार करना है जिससे कि वे कहीं अधिक घटी समयावधि के अंदर डिजाइन वैधीकरण को पूरा कर सकें ।

परियोजना की कुल लागत 896 लाख रुपए हैं । टीडीबी, 4 मार्च, 2004 को हस्ताक्षरित एक समझौते के तहत 440 लाख रुपए की ऋण सहायता प्रदान करेगा । परियोजना की समयावधि 24 मास है ।

17 Powai Labs Technology Private Limited, Mumbai

Powai Labs Technology Private Limited, Mumbai, submitted a proposal on hardware emulation system involving development and marketing of two tools, viz., simulation accelerator and the in-circuit emulator for the validation of Application Specific Integrated Circuits (ASIC). Both the applications are aimed at improving the productivity of ASIC designers and associated application developers by enhancing their simulation speed up to 1000X enabling them to complete the design validation in a much reduced time span.

The total cost of the project is Rs. 896 lakhs. TDB is providing a loan of Rs. 440 lakhs under an agreement signed on 4th March 2004. The project duration is 24 months.

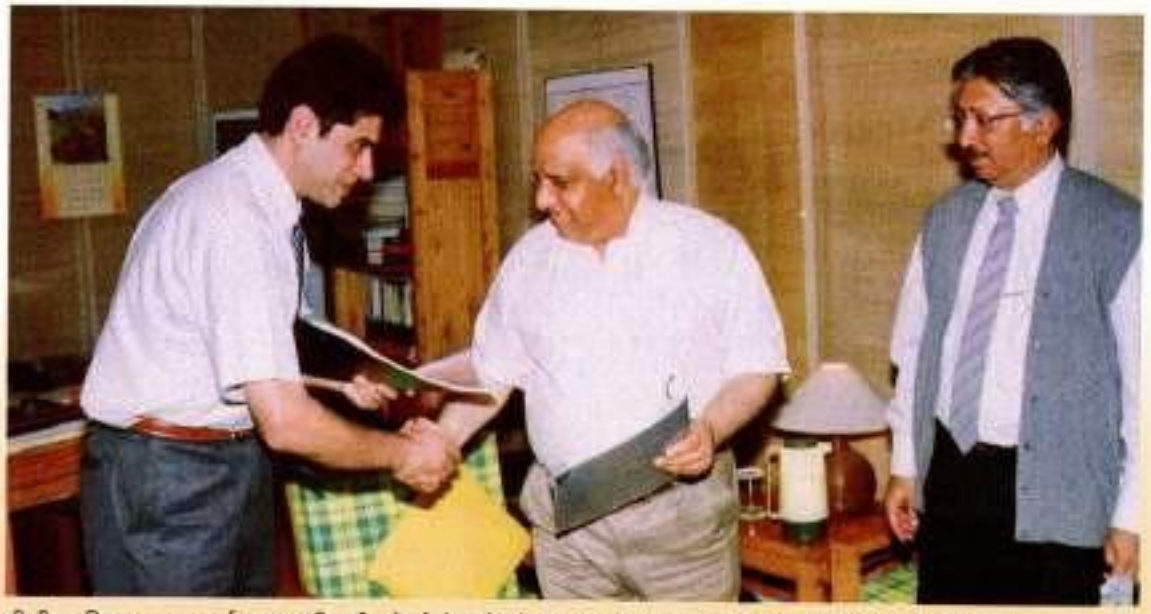

श्री रीपन टिक्कू, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, पोवई लेब्स टेक्नोलाजी प्राइवेट लिमिटेड ऋण समझौते पर हस्ताक्षर के समय
Shri Reapan Tikoo, Chief Executive Officer, Powai Labs Technology Private Limited at the signing of the loan agreement.

18 विष्णु फेब्रिक्स प्राइवेट लिमिटेड, श्रीविल्लीपुत्तूर

विष्णु फेब्रिक्स प्राइवेट लिमिटेड, श्रीविल्लीपुत्तूर, तमिलनाडु ने विभिन्न अन्त्य उपयोगों हेतु रसायनों के साथ वूवन ग्लास फेब्रिक्स पर विशिष्ट परतों की व्यवस्था करने के लिए एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है । ग्लास फेब्रिक्स का आयात किया जाता है तथा कंपनी द्वारा पोस्ट-वीविंग प्रोसेस, अर्थात् कोटिंग आफ वूवन फेब्रिक्स की जाती है । कंपनी ने फिल्म फोर्मेशन के बिना ग्लास मेश फेब्रिक पर एडहेसिव की एक ओर कोटिंग करने के लिए प्रौद्योगिकी विकसित की है ।

फेब्रिकों को भवन निर्माण, कागज तथा पैकेजिंग उद्योग और सडकों तथा पुलों जैसे आधारिक अनुप्रयोगों जैसे विनिर्दिष्ट बाजार खंडों में अन्य उपयोग की पूर्ति हेतु काटा-छाँटा जाता है ।

परियोजना की कुल लागत 1485 लाख रुपए है । कंपनी ने टीडीबी के साथ 5 मार्च, 2004 को एक ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए । टीडीबी, 425 लाख रुपए की ऋण सहायता प्रदान करने के लिए सहमत हो गया है । परियोजना दिसम्बर, 2004 तक पूरी होने की उम्मीद है ।

18 Vishnu Fabrics Private Limited, Srivilliputtur

Vishnu Fabrics Private Limited, Srivilliputtur, Tamil Nadu, has submitted a proposal to provide speciality coatings on woven glass fabrics with chemicals for different end-use applications. The glass fabric is being imported and post-weaving process, i.e., coating of woven fabrics is done by the company. The company has developed technology for coating of glass mesh fabric without film formation, hair line pick-up of mesh fabric and one side coating of adhesive on glass mesh fabric.

The fabrics are tailored to meet the end use application in specified market segments like building construction, paper and packaging industry and infrastructure applications like roads and bridges.

The total project cost is Rs. 1485 lakhs. The company signed a loan agreement with TDB on 5th March 2004. TDB has agreed to provide a loan assistance of Rs. 425 lakhs. The project is due for completion in December 2004.

19 करिश्मा साफ्टवेयर लिमिटेड, सिकंदराबाद

करिश्मा साफ्टवेयर लिमिटेड, सिकंदराबाद ने स्वास्थ्य देखभाल सूचना प्रदान करने की पद्धति विकसित करने के लिए एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है, जिसका उद्देश्य है : (क) साफ्टवेयर का विकास करना और स्वास्थ्य देखभाल सूचना प्रदान करने की पद्धति का हस्तधारित यंत्रों के माध्यम से द्वितीय से प्राथमिक स्तर तक विस्तार करना, (ख) विभिन्न मिशन उन्मुख कार्यक्रमों/एनजीओ आदि के लिए साफ्टवेयर का विकास करना ।

परियोजना की कुल लागत 140 लाख रुपए है । टीडीबी, 16 मार्च, 2004 को हस्ताक्षरित एक ऋण समझौते के तहत 70 लाख रुपए की ऋण सहायता प्रदान करने के लिए सहमत हो गया है । परियोजना की समयावधि 15 मास है ।

19 Karishma Software Limited, Secunderabad

Karishma Software Limited, Secunderabad, has submitted a proposal for the development of healthcare information delivery system aims to (a) develop software and extend the healthcare information delivery system from secondary to primary through handheld devices (b) develop software for healthcare support systems for various mission oriented programs/NGOs etc.

The total cost of the project is Rs. 140 lakhs. TDB has agreed to provide a loan assistance of Rs. 70 lakhs under a loan agreement signed on 16th March 2004. The project duration is 15 months.

श्री वी. गिरिधरन, प्रबंध निदेशक, करिश्मा साफ्टवेयर लिमिटेड, समझौते पर हस्ताक्षर करने के अवसर पर
Shri V. Giridharan, Managing Director, Karishma Software Limited at the signing of the agreement.

एमआईसी इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड
MIC Electronics Limited, Hyderabad

20 एमआईसी इलेक्ट्रानिक्स, हैदराबाद

एमआईसी इलेक्ट्रानिक्स, हैदराबाद का उद्देश्य ईडीआधारित ट्रयू कलर दिवा/रात्रि प्रदर्शन पद्धति का विकास और वाणिज्यिकरण करना है । यह पद्धति, मल्टीपिल इन्पुटों, अर्थात् विडियो, कंप्यूटर, लाइव केमरा इनपुट आदि के अनुरूप होगी । प्रदर्शनी पद्धति धूल और मौसम-अभेद्य होगी और इसे किसी भी आकार में बदला जा सकता है । प्रदर्शन के अंतर्गत एलईडी की सभी तीन किस्मों, नामतः बाह्य और अंतरंग दोनों उपयोगों हेतु लाल, हरा और नीला प्रकाश का उत्सर्जन होगा । दूरी परियोजना का प्रमुख घटक एक विशेष जड़ित साफ्टवेयर है जो वास्तविक समय में बहु-संकार्यों का प्रसंस्करण करता है ।

परियोजना की कुल लागत 845 लाख रुपए है । कंपनी ने टीडीबी के साथ 16 मार्च, 2004 को एक ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए । टीडीबी 400 लाख रुपए की ऋण सहायता देने के लिए सहमत हो गया है । परियोजना की समयावधि 12 मास है ।

20 MIC Electronics Limited, Hyderabad

MIC Electronics Limited, Hyderabad, aims at development and commercialisation of LED based true colour day/night display system. This system will be compatible with multiple inputs viz., video, computer, live camera input etc. The display system will be dust and weather-proof and can be configured to any size. The display system utilizes all the 3 types of LEDs namely emitting red, green and blue light for both outdoor and indoor applications. The key component of the entire project is a special embedded software which processes multiple function in real time.

The total cost of the project is Rs. 845 lakhs. The company signed a loan agreement with TDB on 16th March 2004. TDB has agreed to provide a loan assistance of Rs. 400 lakhs. The project duration is 12 months.

21 स्ट्राइड्स एक्रोलेब लिमिटेड, बंगलौर

स्ट्राइड्स एक्रोलेब लिमिटेड, बंगलौर ने साइक्लोस्पोरीन साफ्ट जेल कैप्स्यूलों का विकास और विनिर्माण करने का एक परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत किया है । यह एक महत्वपूर्ण इम्मुनो-सुप्रेसिव एजेंट है जिसका प्रमुख उद्देश्य प्रत्यारोपित अंगों के प्राप्तकर्ताओं में रोपण अस्वीकृति को कम करना है ।

कंपनी ने एक अल्कोहल-मुक्त, साइक्लोस्पोरीन का माइक्रो-एमल्सन प्री-कन्सेन्ट्रेट विकसित किया है जो इष्टतम जैव-उपलब्धता और स्थिरता हेतु एक पीस हेमेटिकली सील्ड साफ्ट जिलेटीन शैल में केपसूल के रूप में है । कंपनी इसे विनिर्मित करेगी और 2005 से इसकी भारत में और 2006 से विश्व में बिक्री करेगी ।

परियोजना की कुल लागत 1046 लाख रुपए है । टीडीबी, 470 लाख रुपए की ऋण सहायता प्रदान करने के लिए सहमत हो गया है । ऋण समझौते पर 23 मार्च, 2004 को हस्ताक्षरित किए गए । परियोजना 12 मास के अंदर पूरी हो जाने की उम्मीद है ।

21 Strides Acrolab Limited, Bangalore

Strides Acrolab Limited, Bangalore, submitted a project proposal for the development and manufacture of Cyclosporine soft gel capsules. It is an important immuno-suppressive agent primarily to reduce the incidence of graft rejection in recipients of transplanted organs.

The company has developed an alcohol-free, micro-emulsion pre-concentrate of cyclosporine that is encapsulated in a one-piece hermetically sealed soft gelatin shell for optimum bio-availability and stability. The company would manufacture the same and market it in India from 2005 and globally from 2006.

The total cost of the project is Rs. 1046 lakhs. TDB has agreed to provide a loan assistance of Rs. 470 lakhs. The loan agreement was signed on 23rd March 2004. The project is to be completed within 12 months.

22 ड्रोवेन एग्रो-इको-बायो वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड

ड्रोवेन एग्रो-इको-बायो वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई ने प्रसंस्करित मूल्यवर्धित केला आधारित उत्पादों, यथा अंजीर, जाम, और सॉस, आचार, जूस और चूर्ण के वाणिज्यिकरण के लिए एक परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। नेशनल रिसर्च सेंटर फार बनाना, तिरुचिरापल्ली द्वारा प्रौद्योगिकी उपलब्ध कराई जाएगी, जो भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की एक संघटक यूनिट है ।

यह परियोजना सिरुसेरी ग्राम, कांचीपुरम जिले में गोल्डन जुबली बायोटेक पार्क फार वीमेन में स्थित होगी ।

परियोजना की कुल लागत 85 लाख रुपए है। टीडीबी, 25 मार्च, 2004 को हस्ताक्षरित एक करार के तहत 40 लाख रुपए की ऋण सहायता देने के लिए सहमत हो गया है। परियोजना अक्तूबर, 2004 तक पूरी हो जाने की उम्मीद है।

22 Dorven Agro-Eco-Bio Ventures Private Limited

Dorven Agro-Eco-Bio Ventures Private Limited, Chennai, submitted a project proposal, Commercialisation of processed value added banana based products, namely fig, jam and sauce, pickles, juice and flour. The technology would be provided by the National Research Centre for Banana, Tiruchirappalli, a constituent unit of the India Council for Agricultural Research, New Delhi.

The project would be located at Golden Jubilee Biotech Park for Women at Siruseri village, Kanchipuram District.

The total cost of the project is Rs. 85 lakhs. TDB has agreed to provide a loan assistance of Rs. 40 lakhs under an agreement signed on 25th March 2004. The project is due for completion in October 2004.

23 स्ट्राण्ड जिनोमिक्स प्राइवेट लिमिटेड, बंगलौर

स्ट्राण्ड जिनोमिक्स प्राइवेट लिमिटेड, बंगलौर ने डाटा विश्लेषण और विजुअलाइजेशन टूल, एवीएडीआईएस विकसित किया है । इस परियोजना का उद्देश्य स्ट्राण्ड्स एवीएडीआईएस का एक उद्यम रूपांतर निर्मित करना है ।

एवीएडीआईएस फिलहाल डेस्कटाप विधि में कार्य करता है अर्थात् यह एक क्लाइंट मशीन पर रेजीडेंट है । तथापि, एक बड़े संगठन के लिए यह आवश्यक है कि संगठन के अंदर एवीएडीआईएस की विभिन्न क्लाइन्ट संस्थापनाएँ उन संसाधनों से हिस्सेदारी करने में समर्थ हों (एक्सेस, डाटा और कम्प्यूटेशन संसाधन), जिनसे एक उद्यम प्रारूप की जरूरत तय होती है।

परियोजना की कुल लागत 940 लाख रुपए है । 29 मार्च, 2004 को हस्तांतरित एक समझौते के अंतर्गत टीडीबी 460 लाख रुपए की ऋण सहायता देने के लिए सहमत हो गया है । परियोजना की समयावधि 18 मास है ।

23 Strand Genomics Private Limited, Bangalore

Strand Genomics Private Limited, Bangalore, has developed data analysis and visualization tool, AVADIS. The aim of this project is to build an enterprise version of Strands' AVADIS.

AVADIS currently works in desktop mode, i.e., it is resident on a client machine. However, for a large organization, it is necessary that the various client installations of AVADIS within the organization are able to share resources (access, data and computation resources) which establishes the need for an enterprise version.

The total cost of the project is Rs. 940 lakhs. Under an agreement signed on 29th March 2004, TDB has agreed to provide a loan of Rs. 460 lakhs. The duration of the project is 18 months.

वर्ष 2003-2004 के दौरान जारी उत्पाद/पूर्ण की गई परियोजना

Products Released / Projects Completed during 2003-2004

टीडीबी से वित्तीय सहायता से वर्ष 2003-04 के दौरान पूरी हुई परियोजनाओं/जारी उत्पादों का उल्लेख नीचे किया गया है :

सेल्को इंटरनेशनल लिमिटेड, हैदराबाद के विद्युत संयंत्र का समर्पण

सेल्को इंटरनेशनल लिमिटेड, हैदराबाद ने प्रसंस्करित म्युनिसिपल ठोस अपशिष्ट (एमएसडब्ल्यू) का उपयोग करके शादनगर, महबूबनगर जिले के निकट इल्लीकट्टा गाँव में 6.6 एमडब्ल्यू क्षमता का विद्युत संयंत्र स्थापित करने के लिए एक ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए थे । इस संयंत्र में टीडीबी की सहायता से कंपनी द्वारा चालू आर आर जिले में रिफ्यूज डिराइव्ड फ्यूल (आर.डी.एफ.) प्लांट में प्रसंस्करित एमएसडब्ल्यू का प्रयोग किया जाता है ।

मार्च, 2002 में हस्ताक्षरित एक ऋण समझौते के तहत टीडीबी परियोजना की कुल 2823 लाख रुपए की लागत के विरुद्ध 1400 लाख रुपए की ऋण सहायता देने के लिए सहमत हो गया ।

कंपनी ने विद्युत का उत्पादन करके तथा उसे ग्रिड के साथ जोड़कर नवम्बर, 2002 में

The products released / projects completed during the year 2003-2004 with the financial assistance from TDB are indicated below.

Dedication of the power plant of Selco International Limited, Hyderabad

Selco International Limited, Hyderabad, had signed a loan agreement for setting up a power plant of 6.6 MW capacity at Ellikatta village, near Shadnagar, Mehboob Nagar District, by utilizing the processed Municipal Solid Waste (MSW). This plant uses the MSW processed at the Refuse Derived Fuel (RDF) plant at RR District commissioned by the company with the assistance of TDB.

TDB had agreed to provide a loan assistance of Rs. 1400 lakhs, against the total project cost of Rs. 2823 lakhs, under a loan agreement signed in March 2002.

The company started the commercial operations in November 2003 by producing power and connecting it to

अपना वाणिज्यिक कामकाज शुरू किया । केन्द्रीय विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री श्री बच्ची सिंह रावत ने 20 दिसम्बर, 2003 को स्थान पर विद्युत संयंत्र का समर्पण किया ।

the grid. Shri Bachi Singh Rawat, Union Minister of State for Science and Technology dedicated the power plant at the site on 20th December 2003.

स्टील स्ट्रिप्स व्हील लिमिटेड, पो0 डप्पर (पंजाब) द्वारा कार और ट्रेक्टर व्हील रिम

स्टील स्ट्रिप्स व्हील्स लिमिटेड, पो0 डप्पर, जिला पटियाला, ने ट्रेक्टर व्हील रिमों के लिए डिस्को के सुधरे 10 स्टेज विनिर्माण के विकास और वाणिज्यिकरण के लिए एक आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया है । इसने इसे अपने इन-हाउस आर एंड यूनिट के माध्यम से विकसित किया है जिसे डीएसआईआर से मान्यताप्राप्त है । सुधरी प्रौद्योगिकी के फलस्वरूप सुधरे डिजाइन का विकास होगा जिससे लागत में बचत होगी और ईंधन खपत में बचत होगी।

परियोजना की कुल लागत 1455.12 लाख रुपए है । कंपनी ने 26 जून, 2002 को ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए । टीडीबी ने 498 लाख रुपए की ऋण सहायता प्रदान की है। परियोजना मार्च, 2004 तक पूरी हो जाएगी।

Car and tractor wheel rims by Steel Strips Wheels Limited, P.O. Dappar (Punjab)

Steel Strips Wheels Limited, P.O. Dappar, District Patiala, had submitted an application for the development and commercialisation of improved 10 stage manufacturing of wheel discs for tractor wheel rim. It has developed the same through its in-house R&D unit, recognized by DSIR. The improved technology would result in improved design that will save cost and enhance fuel efficiency.

The total cost of the project is Rs. 1455.12 lakhs. The company signed the loan agreement on 26th June 2002. TDB has provided a loan assistance of Rs. 498 lakhs. The project would be completed in March 2004.

श्रीराम एनर्जी सिस्टम्स लिमिटेड, हैदराबाद द्वारा म्युनिसिपल ठोस अपशिष्ट के परिवर्तन के माध्यम से बिजली विद्युत का वाणिज्यिक उत्पादन

श्रीराम एनर्जी सिस्टम्स लिमिटेड, हैदराबाद द्वारा म्युनिसिपल ठोस अपशिष्ट को रिफ्यूज डिराइव्ड फ्यूल (आर डीएफ) में परिवर्तित (विजयवाड़ा में फ्लफ और गुंटूर में पेलेट्स) करने के लिए प्रसंस्करण यूनिट स्थापित करके तथा विजयवाड़ा में आरडीएफ (फ्लफ और पेलेट्स) का उपयोग करके 6 एमडब्ल्यू विद्युत का उत्पादन करने के लिए विद्युत संयंत्र स्थापित करके बिजली विद्युत के वाणिज्यिकरण उत्पादन का प्रस्ताव किया है ।

परियोजना की कुल लागत 3800 लाख रुपए है - 1240 लाख रुपए आरडीएफ प्लांट के लिए और 2560 लाख रुपए विद्युत प्लांट के लिए । टीडीबी, फरवरी, 2002 में कंपनी के साथ हस्ताक्षरित एक करार के तहत 1535 लाख रुपए की ऋण सहायता देने के लिए सहमत हो गया ।

अक्तूबर, 2003 में हस्ताक्षरित एक पूरक ऋण करार के तहत टीडीबी ने 350 लाख रुपए की अतिरिक्त ऋण सहायता मंजूर की । टीडीबी द्वारा कुल ऋण सहायता, 4586

Commercial generation of electric power through conversion of municipal solid waste by Shriram Energy Systems Limited, Hyderabad

Shriram Energy Systems Limited, Hyderabad, had proposed commercial generation of electric power by setting up processing plants for conversion of municipal solid waste into Refuse Derived Fuel (RDF) (fluff at Vijayawada and pellets at Guntur) and setting up a power plant for generating 6 MW power using the RDF (fluff and pellets) at Vijayawada .

The total project cost is Rs. 3800 lakhs Rs. 1240 lakhs for the RDF plant and Rs. 2560 lakhs for the power plant. TDB had agreed to provide a loan assistance of Rs. 1535 lakhs under an agreement signed with the company in February 2002.

TDB sanctioned additional loan assistance of Rs. 350 lakhs under a supplementary loan agreement signed in October 2003. The total loan assistance by TDB would amount to Rs. 1885 lakhs against the revised cost of Rs.

लाख रुपए की संशोधित लागत के विपरीत 1885 लाख रुपए होगी ।

कंपनी ने बताया कि उसने नवम्बर, 2003 में संयंत्र की पूर्ण भार क्षमता प्रदर्शित की तथा ग्रिड के साथ उसका समक्रमण और विद्युत का ग्रिड को निर्यात करके सतत और स्थिर विद्युत उत्पादन क्षमताएँ सिद्ध कर दी हैं । 'अपट्रान्सको' के ग्रिड के साथ विद्युत आपूर्ति जोड़ने के लिए कंपनी को 4 दिसम्बर, 2003 को उससे अनुमति प्राप्त हुई ।

भारत बायोटेक इंटरनेशनल लिमिटेड, हैदराबाद द्वारा स्ट्रेपटोकिनासे

भारत बायोटेक इंटरनेशनल लिमिटेड, हैदराबाद द्वारा स्ट्रेपटोकिनासे, मायोकार्डिअल इनफरेक्शन के लिए एक विशिष्ट एक्टीवेटर तथा जीवन रक्षक उत्पाद, के विकास और वाणिज्यिकरण के लिए 30 मार्च, 2000 को टीडीबी के साथ एक ऋण करार पर हस्ताक्षर किए ।

परियोजना की कुल लागत 2350 करोड़ रुपए है । टीडीबी 1100 लाख रुपए की ऋण सहायता प्रदान करेगा । ऋण सहायता की 700 लाख रुपए की पहली किस्त टीडीबी द्वारा अप्रैल, 2000 में जारी की गई ।

4586 lakhs.

The company reported that it has, in November 2003, demonstrated the full load capacity of the plant and proved continuous and stable power production capabilities by synchronising with the grid and exporting power to the grid. The company received the permission on 4th December 2003 from APTRANSCO for connecting the power supply to its grid.

Streptokinase by Bharat Biotech International Limited, Hyderabad

Bharat Biotech International Limited, Hyderabad, signed a loan agreement with TDB on 30th March 2000 for the development and commercialisation of Streptokinase, a specific activator for myocardial infraction and life saving product.

The total cost of the project is Rs.2350 lakhs. TDB is providing loan assistance of Rs.1100 lakhs. The first instalment of loan assistance is Rs.700 lakhs was released by TDB in April 2000.

कंपनी ने 'इण्डिकिनासे' नामक उत्पाद 17 अक्तूबर, 2003 को जारी किया । 'स्ट्रेपटोकिनासे' का विनिर्माण करने के लिए बायोटेक भारत में पहली कंपनी है तथा क्यूबा के बाद रिकम्बीनेंट मार्ग के माध्यम से विनिर्माण के लिए विश्व में दूसरी कंपनी है ।

The company released the product, 'Indikinase' on 17th October 2003. Bharat Biotech was the first company in India to manufacture 'Streptokinase' and is the second company in the world to manufacture through the recombinant route after Cuba.

समटेल कलर लिमिटेड, नई दिल्ली द्वारा 42" डायगोनल प्लाज्मा डिसप्ले पैनल (पीडीपी) डिवाइसिज का विकास

समटेल कलर लिमिटेड, नई दिल्ली, ने गाजियाबाद में अपनी विनिर्माण सुविधा के साथ, 42' डायगोनल प्लाज्मा डिसप्ले पैनल (पीडीपी) डिवाइसिज के विकास की परिकल्पना की है । पीडीपी, शार्प, डिस्टोर्शन-फ्री इमेजिज के लिए परफेक्ट फ्लेट सर्फेस; स्पष्ट और यहाँ तक कि अत्यंत उँची दृढ़ता के साथ पिक्चर (चित्र) भी है; पारंपरिक पिक्चर ट्यूबों की तुलना में वजन में हल्का है; मेगनेटिक क्षेत्रों द्वारा अप्रभावित; बहुत महीन क्योंकि 42' डायगोनल पीडीपी मोटाई में केवल 3.5' है और दीवार पर मढी जा सकती है । आजकल पीडीपी का भारत में विनिर्माण नहीं होता ।

Development of 42" diagonal Plasma Display Panel (PDP) Devices by Samtel Color Limited, New Delhi

Samtel Color Limited, New Delhi, with its manufacturing facility at Ghaziabad, envisaged development of 42" diagonal Plasma Display Panel (PDP) Devices. The PDPs have perfect flat surface for sharp, distortion- free images; has clear and even picture with very high resolutions; lighter in weight compared to conventional picture tubes; unaffected by magnetic fields; very thin as 42" diagonal PDP is only 3.5" in thickness and can be mounted on wall. PDPs are not currently manufactured in India.

कंपनी ने 800 लाख रुपए की कुल

The company signed the loan

परियोजना लागत के विपरीत टीडीबी से 350 लाख रुपए के ऋण के लिए मार्च, 2001 में ऋण करार पर हस्ताक्षर किए । कंपनी ने दिसम्बर, 2003 में परियोजना पूरी होने की रिपोर्ट दी है ।

ई-लोजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई द्वारा वेहिकल ट्रेकिंग सिस्टम

कंपनी ने दूरवर्ती स्थानों और राजमार्गों पर चल वाहनों का पता लगाने के लिए एक वेहिकिल ट्रेकिंग सिस्टम का विकास किया है । सिस्टम के अंतर्गत प्रत्येक चल वाहन पर तथा एक विनिर्धारित कमान केन्द्र में स्थित यूनिट में एक यंत्र तैनात करना सम्मिलित है । प्रत्येक चल वाहन में यूनिट में सिगनलों के संप्रेषण तथा प्राप्ति हेतु जीएसएम संचार इंजन सम्मिलित होगा तथा एक जड़े हुए साफ्टवेयर के साथ माइक्रो-प्रोसेसर द्वारा नियंत्रित होगा। चूंकि बड़ी मात्रा में सामान का राज्यों के बीच परिवहन होता है इसलिए इनका प्रभावी ढंग से पता लगाया जा सकता है और परिसंपत्ति उपयोग में सुधार होगा ।

परियोजना की कुल लागत 216.56 लाख रुपए है । टीडीबी 72 लाख रुपए की ऋण सहायता प्रदान करने के लिए सहमत हो गया

agreement in March 2001 for a loan of Rs. 350 lakhs from TDB against the total project cost of Rs. 800 lakhs. The company reported the completion of the project in December 2003.

Vehicle Tracking System by e-Logistics Private Limited, Chennai

The company has innovated a vehicle tracking system for tracking mobile vehicles over long distances and on the highways. The system involves deployment of a device on each mobile vehicle and a unit located at an identified command centre. The unit at each mobile vehicle shall comprise a GSM communication engine for transmitting and receiving signals and controlled by a micro-processor with an embedded software. As large amounts of inventories are transported across states, these can be effectively tracked and can result in improved asset utilization.

The total cost of the project is Rs. 216.56 lakhs. TDB has agreed to provide a loan assistance of Rs. 72 lakhs. The company

है । कंपनी ने फरवरी, 2003 में टीडीबी के साथ एक ऋण करार पर हस्ताक्षर किए । कंपनी ने परियोजना दिसम्बर, 2003 में पूरी कर ली । कंपनी ने बेड़ा मालिकों के लिए सस्ती वास्तविक समय ट्रक पता लगाने की सुविधा प्रदान करने के लिए कुछेक ग्राहकों के साथ तालमेल कायम किया है ।

signed the loan agreement with TDB in February 2003. The company completed the project in December 2003. The company has tied up with a few customers for providing a low-cost real-time truck tracking facility for fleet owners.

रद्द हुआ समझौता

ग्रीन्स इंडिया नेचुरल प्राडक्ट्स लिमिटेड, मुम्बई ने स्पिरुलिना से फाइकोसायनिन का प्रायोगिक पैमाने पर उत्पादन करने के लिए एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया था। परियोजना की कुल लागत 415 लाख रुपए थी । कंपनी द्वारा 11 सितम्बर, 2002 को हस्ताक्षरित एक समझौते के तहत टीडीबी 155 लाख रुपए का ऋण देने के लिए सहमत हो गया था । परियोजना सितम्बर, 2003 में पूरी होनी थी । चूंकि प्रवर्तक परियोजना के लिए शेष निधियों की व्यवस्था नहीं कर सका इसलिए टीडीबी ने कोई राशि जारी किए बिना, 20 अक्तूबर, 2003 को समझौता रद्द कर दिया ।

Agreement cancelled

Greens India Natural Products Limited, Madurai, had submitted a proposal for pilot scale production of Phycocyanin from Spirulina. The total cost of the project was Rs. 415 lakhs. TDB had agreed to provide a loan of Rs. 155 lakhs under an agreement signed by the company on 11th September 2002. The project was due for completion in September 2003. As the promoter could not tie up the balance funds for the project, TDB cancelled the agreement on 20th October 2003 without releasing any amount.

परियोजना प्रस्तावों की जाँच-पड़ताल
Processing of Project Proposals

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) से वित्तीय सहायता चाहने वाली औद्योगिक इकाई को, जब भी वह आवेदन करना चाहे, निर्धारित प्रारूप में अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत करना चाहिए, क्योंकि टीडीबी पूरे वर्ष आवेदन-पत्र प्राप्त करता है । प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड से वित्तीय सहायता के वास्ते आवेदन-पत्र का प्रारूप व अन्य विवरण 'परियोजना वित्तपोषण मार्गनिर्देश' नामक एक पुस्तिका में उपलब्ध है जिसे टीडीबी द्वारा निःशुल्क उपलब्ध कराया जाता है । बोर्ड द्वारा 30 सितम्बर, 2003 को रामा राव समिति की सिफारिश स्वीकार कर लिए जाने के पश्चात आवेदन-पत्र के प्रारूप को संशोधित किया गया ।

वर्ष 2003-04 के दौरान टीडीबी को 605.65 करोड़ रुपए की कुल परियोजना लागत के साथ 55 आवेदन-पत्र प्राप्त हुए (जिनमें से तीन चल रही परियोजनाओं के लिए अतिरिक्त ऋण सहायता के वास्ते थे), जिनमें टीडीबी से वित्तीय सहायता के रूप में 185.76 करोड़ रुपए की माँग करने वाले आवेदन सम्मिलित हैं।

Any industrial concern seeking financial assistance from the Technology Development Board should submit the application in a prescribed format whenever it wants to apply as TDB receives the application throughout the year. The format of application seeking financial assistance from Technology Development Board and other details are available in a brochure titled 'Project Funding Guidelines' which is made available free of cost by TDB. The format of application form was revised consequent upon the acceptance of the recommendation of the Rama Rao Committee by the Board on 30th September 2003.

During the year 2003-04, TDB received 55 applications (including 3 for additional loan assistance on on-going projects) with a total project cost of Rs. 605.65 crore including Rs. 185.76 crore sought as financial assistance from TDB.

क्षेत्रक-वार प्राप्त आवेदन-पत्र

वित्तीय सहायता चाहने वाले आवेदन-पत्र विविध क्षेत्रकों से संबंधित थे । आवेदन-पत्र प्राप्ति का क्षेत्रकवार विश्लेषण निम्नलिखित तालिका में दिया गया है :

Applications Received Sector-wise

The applications seeking financial assistance cover a wide spectrum. The sector-wise analysis of receipt of applications is given in the table below.

क्षेत्रक-वार प्राप्त वित्तीय सहायतार्थ आवेदन-पत्र
Applications for Financial Assistance Received Sector-wise (2003-2004)

(करोड़ रुपए) (Rupees in crore)

क्षेत्रक Sector	आवेदन-पत्रों की संख्या Number of applications	अनुमानित कुल लागत Estimated Total cost	टीडीबी से चाही गई सहायता Assistance sought from TDB
इंजीनियरिंग Engineering	18	158.84	47.02
स्वास्थ्य और मेडिकल Health & Medical	12	117.54	43.00
कृषि Agriculture	10	50.05	15.58
सूचना प्रौद्योगिकी Information Technology	4	32.31	20.05
सड़क परिवहन Road Transport	3	160.10	23.36
दूर-संचार Telecommunication	3	53.23	21.46
अपशिष्ट उपयोग Waste Utilisation	3	20.85	9.05
रसायन Chemicals	2	12.73	6.24
जोड़ Total	55	605.65	185.76

आवेदनकर्ताओं का विवरण

टीडीबी को वर्ष 2003-04 के दौरान प्राइवेट लि0 कंपनियों, सार्वजनिक लि0 कंपनियों आदि से आवेदन प्राप्त हुए जैसाकि निम्न तालिका से देखा जा सकता है ।

Profile of Applicants

TDB received applications from private limited companies, public limited companies, etc., during the year 2003-04, as may be seen from the table given below.

आवेदकर्ताओं का विवरण
Profile of Applicants
(2003-2004)

(करोड रुपए) (Rupees in crore)

क्षेत्रक Sector	आवेदन-पत्रों की संख्या Number of applications	अनुमानित कुल लागत Estimated Total cost	टीडीबी से चाही गई सहायता Assistance sought from TDB
प्राइवेट लि0 कंपनियाँ Private limited companies	22	297.08	98.48
सार्वजनिक लि0 कंपनियाँ जिनमें समझी जाने वाली निकटत: धारित कंपनियाँ शामिल हैं Public limited companies including deemed closely held companies	22	290.18	80.60
भागीदारियाँ Partnerships	3	6.23	2.88
पंजीकृत सोसायटियाँ Registered society	1	0.26	0.21
व्यक्तिगत Individuals	7	11.90	3.59
जोड **Total**	**55**	**605.65**	**185.76**

राज्यवार प्राप्त आवेदन-पत्र

निम्नलिखित तालिका में आवेदनकर्ताओं के पंजीकृत कार्यालय और स्थान के आधार पर विभिन्न राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से वर्ष 2003-04 में प्राप्त आवेदनों का विवरण दिया गया है।

Applications Received State-wise

The following table indicates applications received in 2003-04 from various States / Union Territories, based on the location of the registered office of the applicants.

प्राप्त आवेदनों का राज्य-वार विश्लेषण
State-wise Analysis of Applications Received (2003-2004)

(करोड़ रुपए) (Rupees in crore)

क्र.सं. No	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र State/Union Territory		आवेदनों की संख्या Number of applications	अनुमानित कुल लागत Estimated Total cost	टीडीबी से मांगी गई सहायता Assistance sought from TDB
1	आंध्र प्रदेश	Andhra Pradesh	15	304.40	73.15
2	चंडीगढ़	Chandigarh	2	3.00	0.15
3	छत्तीसगढ़	Chattisgarh	1	6.41	4.78
4	दिल्ली	Delhi	2	25.38	9.35
5	गुजरात	Gujarat	3	4.25	2.67
6	हरियाणा	Haryana	1	1.00	0.60
7	कर्नाटक	Karnataka	8	146.45	40.32
8	केरल	Kerala	1	6.50	5.75
9	महाराष्ट्र	Maharshtra	9	27.10	12.79
10	पंजाब	Punjab	2	10.51	5.00
11	राजस्थान	Rajasthan	1	2.38	1.11
12	तमिलनाडु	Tamil Nadu	7	45.75	17.11
13	उत्तर प्रदेश	Uttar Pradesh	3	22.52	12.98
	जोड़	**Total**	**55**	**605.65**	**185.76**

आवेदनों की प्रारंभ जाँच

वित्तीय सहायता के लिए प्राप्त आवेदनों की जाँच प्रारंभिक जाँच समिति (आईएससी) द्वारा इस दृष्टि से की जाती है कि क्या आवेदन पत्र पूर्ण हैं, परियोजना का क्या उद्देश्य है, प्रौद्योगिकी की क्या स्थिति है आदि । ऐसी जाँच में आवेदक तथा प्रौद्योगिकी की प्रदाता के साथ आरंभिक चर्चाएँ शामिल हैं जो अपूर्ण जानकारी/विवरण अथवा प्रस्तुतीकरण प्राप्त करने के अतिरिक्त है । यदि आवेदन-पत्र टीडीबी के वित्तीय सहायतार्थ निर्धारित मानदंडों को पूरा नहीं करते तो उसकी जानकारी आवेदक को दी जाती है ।

जिन व्यक्तियों ने आवेदन-पत्रों की प्रारंभिक जाँच में मदद की उनकी सूची इस रिपोर्ट के साथ नत्थी है । टीडीबी उनका आभारी है ।

Initial Screening of Applications

The Initial Screening Committee (ISC) examines the application received for financial assistance, from the point of view of completeness of the application, objective of the project, status of the technology, etc. Such screening may include preliminary discussions with the applicant and technology provider besides calling for wanting information/details or presentation. If the application is not meeting the criteria prescribed for TDB's financial assistance, the applicant is advised accordingly.

A list of persons who assisted in the initial screening of applications is appended to this report. TDB is thankful to them.

परियोजना मूल्याँकन

आईएससी की सिफारिशों के आधार पर आवेदन-पत्र को परियोजना मूल्याँकन समिति (पीईसी) को भेजा जाता है । पीईसी का गठन परियोजना की प्रकृति को ध्यान में रखे हुए प्रत्येक परियोजना के लिए विशिष्ट रूप से किया जाता है और इसमें परियोजना के एक स्वतंत्र मूल्याँकन के लिए बाहर से संबंधित क्षेत्र से विशेषज्ञ (वैज्ञानिक, तकनीकी और वित्तीय) सम्मिलित होते हैं ।

विशेषज्ञ (सेवारत अथवा सेवानिवृत्त), सरकारी विभागों, आर. एंड डी. संगठनों, अकादमिक संस्थाओं, उद्योग, उद्योग एसोसिएशनों और वित्तीय संस्थानों से जुड़े होते हैं । पीईसी परियोजना स्थल का दौरा करती है । आवेदनकर्ता को, प्रौद्योगिकी प्रदाता के साथ-साथ एक विस्तृत तकनीकी, वित्तीय और वाणिज्यिक प्रस्तुतीकरण करने का पूरा अवसर दिया जाता है ।

Project Evaluation

Based on the recommendations of the ISC, the application is referred to the Project Evaluation Committee (PEC). The PEC is constituted specifically for each project keeping in view the nature of the project and consists of experts (scientific, technical and financial) in the relevant field from outside for an independent evaluation of the project.

The experts (serving or retired) belong to government departments, R&D organizations, academic institutions, industry, industry associations and financial institutions. The PEC visits the project site. The applicant is given full opportunity to give a detailed technical, financial and commercial presentation along with the technology provider.

मूल्याँकन मापदंड

आवेदन-पत्र का उसके वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकीय, वाणिज्यिक तथा वित्तीय गुणावगुणों की दृष्टि से मूल्यांकन किया जाता है । मूल्याँकन मापदंड में निम्नलिखित सम्मिलित हैं :-

- सुदृढ़ता, वैज्ञानिक गुणवत्ता और प्रौद्योगिकीय गुणावगुण
- व्यापक प्रयोग की संभाव्यता तथा वाणिज्यिक से प्राप्त होने वाले अपेक्षित लाभ
- प्रस्तावित प्रयास की पर्याप्तता
- प्रस्तावित कार्रवाई नेटवर्क में आर. एंड डी. संस्थानों की समर्थता
- उद्यम की संगठनात्मक तथा वाणिज्यिक क्षमता, जिसमें उसके आंतरिक अर्जन शामिल हैं ।
- प्रस्तावित लागत और वित्तीय पद्धति की उपयुक्तता
- मापयोग्य उद्देश्य, लक्ष्य और माइलस्टोन
- उद्यमकर्ता का पिछला कार्य रिकार्ड

(बोर्ड द्वारा 30 सितम्बर, 2003 को रामा राव समिति की सिफारिश स्वीकार किए जाने पर इन्हें संशोधित किया गया)

Evaluation Criteria

The application is evaluated for its scientific, technological, commercial and financial merits. The evaluation criteria include:

- Soundness, scientific quality and technological merit
- Potential for wide application and the benefits expected to accrue from commercialisation
- Adequacy of the proposed effort
- Capability of the R&D institution(s) in the proposed action network
- Organisational and commercial capability of the enterprise including its internal accruals
- Reasonableness of the proposed cost and financing pattern
- Measurable objectives, targets and milestones.
- Track record of the entrepreneur

(These were revised consequent upon the acceptance of the recommendation of the Rama Rao Committee by the Board on 30th September 2003.)

विश्वसनीयता तथा पारदर्शिता

टीडीबी इस बात को स्वीकार करता है कि गोपनीयता बनाए रखना महत्वपूर्ण है क्योंकि प्रत्येक प्रस्ताव एक वाणिज्यिक प्रस्ताव है । जिन मामलों में आवेदक यह कहता है कि टीडीबी को उपलब्ध कराई गई कुछ जानकारी विशुद्धतः गोपनीय समझी जानी चाहिए, उसे परियोजना मूल्यांकन समिति के विशेषज्ञों के बीच परिचालित नहीं किया जाता । प्रक्रियाओं के संबंध में कतिपय महत्वपूर्ण जानकारी प्रकट करने में आवेदक की आशंकाओं की संवेदनशीलता का पीईसी सम्मान करती है ।

अंत में, टिप्पणियों और सिफारिशों को पीईसी द्वारा अंतिम रूप दिया जाता है । पीईसी की टिप्पणियों और सुझावों को, बैठक के अंत में आवेदक को मौखिक रूप से संप्रेषित कर दिया जाता है । पीईसी द्वारा परियोजना प्रस्ताव की सिफारिश न किए जाने पर आवेदन-पत्र को, आवेदक को सूचित करते हुए, बंद कर दिया जाता है ।

Confidentiality and Transparency

TDB recognizes that it is important to maintain confidentiality, as each proposal is a commercial proposal. Where the applicant mentions that some of the information provided to TDB has to be treated as strictly confidential, it is not circulated to the experts of the Project Evaluation Committee. The PEC respects the sensibility of the applicant's apprehensions in disclosing certain vital information on the processes.

At the end, the observations and recommendations are finalised by PEC. The observations and suggestions of the PEC are communicated orally to the applicant at the end of the meeting. If the project proposal is not recommended by PEC, the application is closed under intimation to the applicant.

पीईसी की बैठकें

वर्ष 2003-04 के दौरान परियोजना मूल्यांकन समितियों (पीईसी) की 24 बैठकें हुई।

वित्तीय सहायता का अनुमोदन

वित्तीय सहायतार्थ पीईसी द्वारा सिफारिश किए गए परियोजना प्रस्तावों पर बोर्ड की एक उप-समिति अथवा स्वयं बोर्ड द्वारा और आगे विचार किया जाता है ।

मानीटरन तथा समीक्षा

टीडीबी, लाभभोगियों को अनुमोदित सहायता किस्तों में जारी करता है, जो जोखिम सम्बद्ध माइलस्टोन पर आधारित होती है । दूसरी तथा और आगे की किस्तों का जारी किया जाना, अनुमोदित प्रत्येक परियोजना के लिए गठित परियोजना मानीटरन समिति (पीएमसी) की सिफारिशों पर निर्भर करता है । पीएमसी में अनिवार्यतः एक वैज्ञानिक/तकनीकी विशेषज्ञ सम्मिलित होता है जो परियोजना के मूल्यॉकन के समय पीईसी का एक सदस्य था ।

Meetings of the PEC

During the year 2003-04, the Project Evaluation Committees (PEC) had 24 meetings.

Approval of Financial Assistance

The project proposals recommended by PEC for financial assistance are further considered by a sub-committee of the Board or by the Board itself.

Monitoring and Review

TDB releases the approved assistance to the beneficiaries in instalments, based on risk associated milestones. The second and subsequent release of instalments depend upon the recommendations of a Project Monitoring Committee (PMC) constituted for each of the approved project. The PMC invariably consists of a scientific/technical expert who was a member of the PEC at the time of evaluation of the project.

वर्ष 2003-04 के दौरान टीडीबी ने, परियोजना मानीटरन समितियों, समीक्षा बैठकों और निरीक्षणों के माध्यम से 24 बैठकें आयोजित की ।

During the year 2003-04, TDB organised 24 meetings through Project Monitoring Committees, Review meetings and inspections.

उन विशेषज्ञों की सूची जिन्होंने पीईसी और पीएमसी की सहायता की

परियोजना प्रस्तावों के मूल्याँकन, मानीटरन और परियोजनाओं की समीक्षा करने में संबंधित क्षेत्रों से 94 विशेषज्ञों ने टीडीबी की मदद की । विशेषज्ञों की सूची इस रिपोर्ट के साथ नत्थी है । टीडीबी, उनके द्वारा दिए गए योगदान के प्रति अत्यंत आभारी है ।

List of Experts who assisted the PEC and PMC

TDB was helped by 94 experts from the relevant field in evaluating the project proposals, monitoring and reviewing of the projects. The list of experts is appended to this report. TDB gratefully acknowledges the valuable contributions made by them.

आवेदन-पत्रों की सारांश स्थिति

वर्ष 2003-04 के दौरान टीडीबी द्वारा प्राप्त आवेदन-पत्रों की संख्या तथा 31 मार्च, 2004 को आवेदन-पत्रों की स्थिति के बारे में जानकारी नीचे तालिका में दर्शाई गई है :

Summary Status of Applications

The information regarding the number of applications received by TDB during 2003-04 and the status of applications as on 31st March 2004 are indicated in the table given below:

प्राप्त आवेदन-पत्रों की सारांश स्थिति

Summary Status of Applications Received in (2003-2004)

(करोड़ रुपए) (Rupees in crore)

स्थिति Status	संख्या Number	अनुमानित कुल लागत Estimated Total cost	टीडीबी से मांगी गई सहायता Assistance sought from TDB
प्राप्त आवेदन-पत्र Applications received	55	605.65	185.76
31.3.2004 को बंद कर दिए गए Closed as on 31-3-2004	29	178.23	78.17
शेष Balance	26	427.42	107.59
2003-04 के दौरान हस्ताक्षरित समझौते Agreements signed in 2003-04	11	75.62	33.74
31.3.2004 को शेष Balance as on 31-3-2004	15	351.80	73.85
पीईसी को भेजे गए अथवा पीईसी के बाद जांचे गए Referred to PEC or processed after PEC	10	202.73	45.91
प्रारंभिक जांच के तहत आवेदन-पत्र Applications under initial screening	5	149.07	27.94

प्रारंभिक जाँच के तहत 5 आवेदन-पत्रों के संबंध में आवेदनकर्ताओं से और अधिक विवरण की प्रतीक्षा है ।

More details were awaited from the applicants in respect of 5 applications under initial screening.

सक्रियोन्मुखी भूमिका
Pro-Active Role

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी), औद्योगिक इकाइयों और अन्य एजेंसियों से प्राप्त आवेदन-पत्रों की जांच-पड़ताल करने के अलावा, सक्रिय भूमिका निभाता है । विचार यह है कि प्रौद्योगिकी विकास और वाणिज्यिकरण के लिए टीडीबी की सहायता अनूठी होनी चाहिए। यह टीडीबी के 'दृष्टि-पत्र दस्तावेज' का केन्द्र बिन्दु है, जिसे बोर्ड द्वारा अगस्त, 1998 में अनुमोदित किया गया था ।

सक्रिय भूमिका के अंतर्गत बोर्ड के गठन से अनुमोदित परियोजनाओं/स्कीमों में निम्नलिखित सम्मिलित हैं :-

- आयशर मोटर्स लि0, पीतमपुर (मध्य प्रदेश) द्वारा भारी वाणिज्यिक वाहन का डिजाइन और विकास ।
- निक्को कोरपोरेशन लि0, कोलकाता द्वारा इलेक्ट्रान-बीम इराडिएशन टेक्नोलाजी का उपयोग करते हुए परस्पर जुड़े केबल ।
- सीएसआईआर के एक संघटक यूनिट नेशनल एरोस्पेस लेबोरेटरीज, बंगलौर द्वारा बहु-भूमिका वाला हल्का परिवहन वायुयान (सारस) ।
- रविन्द्रनाथ जीई मेडिकल एसोसिएट्स प्राइवेट लि0, हैदराबाद द्वारा अंग प्रत्यारोपण सुविधा ।

The Technology Development Board takes a pro-active role besides responding to the applications received from industrial concerns and other agencies. The idea is that TDB's support for technology development and commercialisation should be unique. This has been the thrust of TDB's 'Vision Document' approved by the Board in August 1998.

The projects/schemes, under the pro-active role, approved from the constitution of the Board, include the following:

- Design and development of Heavy Commercial Vehicle by Eicher Motors Limited, Pithampur (Madhya Pradesh)
- Cross-linked cables using electron-beam irradiation technology by Nicco Corporation Limited, Kolkata
- Multi-role Light Transport Aircraft (SARAS) by National Aerospace Laboratories Bangalore, a constituent unit of CSIR
- Organ Transplantation Facility by Ravindranath GE Medical Associates Private Limited, Hyderabad

- यूटीआई उद्यम निधि प्रबंध कंपनी लि0 बंगलौर द्वारा प्रबंधित इंडिया टेक्नोलाजी वेंचर कैपिटल यूनिट स्कीम ।
- सेल्को इंटरनेशनल लि0, हैदराबाद और श्रीराम एनर्जी सिस्टम्स लि0, हैदराबाद द्वारा म्युनिसिपल ठोस अपशिष्ट से विद्युत का उत्पादन ।

प्रोफेसर पी.रामा राव की अध्यक्षता वाली टीडीबी संबंधी समीक्षा समिति ने टीडीबी की सक्रियोन्मुखी भूमिका की जाँच की थी और अपनी रिपोर्ट के पैराग्राफ 5.5 में निम्नलिखित सिफारिशें की थीं :-

टीडीबी के लिए भावी निर्देश

"वर्तमान मूल्यांकन में, देश की नूतनता पद्धति में टीडीबी का अनूठा स्थान और इसकी कम लागत वाली निधियों की व्यवहार्यता स्पष्टतः उभर कर सामने आई है । समीक्षा समिति का विचार है कि नए प्रौद्योगिकी आधारित उद्यमों के क्षेत्र में एक वर्धित योगदान देने में अपनी भूमिका निभाने के लिए टीडीबी के लिए अपनी सहायता पद्धति को सुदृढ़ करने की जरूरत है। देश में ऐसी स्थिति है कि वर्तमान में हमारी नजर में ऐसा कोई वित्तीय संस्थान नहीं है । जिसके पास तकनीकी दक्षता हो जिसमें टीडीबी अपनी पकड़ मजबूत करने के

- India Technology Venture Capital Unit Scheme managed by UTI Venture Funds Management Company Limited, Bangalore.
- Generation of Power from Municipal Solid Waste by Selco International Limited, Hyderabad and Shriram Energy Systems Limited, Hyderabad,

The Review Committee on TDB, chaired by Professor P. Rama Rao, had examined the Pro-active Role of TDB and had made the following recommendation in Paragraph 5.5 of its report:

Future Directions for TDB

"In the present appraisal, TDB's unique place in the country's innovation system and the efficacy of its low cost funds have unequivocally emerged. The Review Committee foresees a need for augmentation of the support systems for TDB to realize its promise for an enhanced contribution in the area of new technology based ventures. The situation in the country is such that, as of now, we do not see a financial institution that muster the technical acumen that TDB is inherently endowed

लिए सक्षम है, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग की एक शाखा होने के लिए यह धन्यवाद का पात्र है, न ही देश में निधियन का कोई ऐसा तंत्र विकसित हुआ है जो टीडीबी द्वारा अपने उद्यमियों को प्रदान किए जाने वाले तंत्र के तुलनीय कम लागत पर निधियाँ उपलब्ध करा सके । निधि की लागत के अलावा, प्रौद्योगिकी आधारित नए उद्यमों को वित्तीय सहायता सुलभ कराने में अन्य चुनौतियाँ का सामना करना पड़ता है । इन चुनौतियों के अंतर्गत वित्तीय संस्थानों द्वारा उनकी प्रौद्योगिकी की समुचित रूप से समझ का अभाव, सहवर्ती व अन्य प्रत्यक्ष परिसंपत्तियों का अभाव और प्रौद्योगिकी वाणिज्यिकरण हेतु अपेक्षाकृत लम्बी परिपक्वता अवधि शामिल है । टीडीबी के कामकाज की विधि तथा जिस तत्परता से इसने वित्तीय मंजूरियों की छानबीन करने में संगत कारकों के उद्यमी विचारों को प्रस्तुत किया है, उसने एक नई घटना को ताजा बना दिया है ।

अब जबकि टीडीबी की पद्धति परिपक्व हो गई है, टीडीबी अग्रणी प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में नए उद्यमों को प्रोत्साहित करने के लिए एक सक्रिय ढंग से तथा एक मिशन-उन्मुख विधि से कार्य करके टीडीबी दृष्टि-पत्र दस्तावेज में इसे सौंपी गई भूमिका को पूरा करने में भविष्य की ओर निहार रहा है । समीक्षा समिति की इच्छा अतिरिक्त साधन सुझाने की

to capture, thanks to it being an arm of the Department of Science and Technology, nor has the country thrown up a funding mechanism that can provide low cost funds comparable to what TDB has offered to its entrepreneurs. In addition to the cost of funds, technology based new ventures face other challenges in accessing financial support. These challenges have often to do with lack of proper appreciation of their technology on the part of the financial institutions, the absence of collateral or other tangible assets and the relatively long gestation periods for technology commercialization. TDB's mode of operation and the readiness with which it has brought to bear diligent consideration of the relevant factors in processing financial sanctions has been a refreshing new development.

Now that TDB mechanism has matured, TDB is looking forward to fulfilling the part mandated to it in the TDB vision document by acting in a proactive fashion and in a mission-oriented mode to encourage new ventures in frontier technology areas. The Review Committee desires to suggest additional

है जिनके जरिए टीडीबी की अभी तक प्राप्त शक्ति का उपयोगी ढंग से उपयोग किया जा सके । इस संदर्भ में तथ्य यह है कि टीडीबी, डीएसटी के साथ होने का अर्थ स्थिति संभावनाओं से परिपूर्ण है ।

डीएसटी प्रत्येक वर्ष आबंटनों में बढ़ोत्तरी करके व्यापक क्षेत्रों में अनुसंधान को प्रोत्साहित कर रहा है । 90वीं विज्ञान कांग्रेस में घोषित विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी नीति, 2003 में यह उल्लेख किया गया था कि आर. एंड डी. में निवेश का स्तर बढाकर जीएनपी के 2 प्रतिशत तक किया जाएगा । इसके अलावा, नीति अन्य बातों के अलावा निम्नलिखितों की ओर निर्देशित है : (क) 'अनुसंधान तथा नूतनता को प्रोत्साहित करना', (ख) 'विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी में प्राइवेट और सार्वजनिक संस्थानों के बीच घनिष्ठ तथा उत्पादक विचार-विमर्श को प्रोत्साहित करना', और (ग) प्रौद्योगिकी विकास मूल्याँकन, खपत तथा संकल्पना से उपयोग तक स्तरोन्नयन से संबंधित समर्थनकारी तंत्र को पर्याप्त रूप से सुदृढ़ करना ।

समिति, डीएसटी दृष्टिकोणों के , जिसने आर एंड डी के संकल्पना स्तर पर भी काफी अच्छा कार्य किया है और टीडीबी प्रक्रिया के अभिसरण के माध्यम से, जिसने वाणिज्यिकरण (अथवा आर. एंड डी. के उपयोग) स्तर पर सफलता प्रदर्शित की है, एक समृद्ध भविष्य

means by which the TDB's acquired strengths can be usefully exploited. In this context the fact that TDB is with the DST implies a situation pregnant with possibilities.

DST has been promoting research in a wide spectrum of fields with allocations increasing from year to year. The Science and Technology Policy 2003 announced at the 90th Science Congress has indicated that the level of investment in R&D will be raised to 2 per cent GNP. Furthermore, the policy is directed, interalia; to (a) "encourage research and innovation" (b) "promote close and productive interaction between private and public institutions in science and technology" and (c) to substantially strengthen enabling mechanisms that relate to technology development, evaluation, absorption and upgradation from concept to utilization.

The Committee visualizes a promising future through convergence of the DST approaches which have done so well at the concept stage of R&D and the TDB methodology which has displayed success at commercialization (or

की परिकल्पना करती है ।

उन क्षेत्रकों में जो वाणिज्यिकृत उत्पादों के उत्पादन के प्रति संभावनाओं से पूर्ण हैं, डीएसटी तथा टीडीबी अपने-अपने संकार्यों को भली-भाँति पूरक बना सकते हैं । डीएसटी, औषधियों और औषध निर्माण तथा यंत्र विकास के क्षेत्रों में वित्त पोषण के अपने कार्यक्रम चला रहा है । समीक्षा समिति ने देश में कमी वाले क्षेत्रों का उदाहरण दिया है जैसे कि डिजिटल यंत्र तथा हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था और नव-यंत्रों से सम्बद्ध नमूने प्रस्तुत किए हैं जिनमें भी आर. एंड डी. तथा वाणिज्यिकरण को समवर्ती रूप से प्रोत्साहित किया जा सकता है। समीक्षा समिति इस बात की दृढ़ता से सिफारिश करती है कि डीएसटी तथा टीडीबी द्वारा संयुक्त कार्रवाई हेतु एक नए तंत्र का विकास किया जाए जिससे कि अनुसंधान, विकास और वाणिज्यिकरण के बीच तीव्र संबंध प्राप्त किया जा सके । ऐसे संयुक्त दल द्वारा प्राप्त अनुभव के आधार पर टीडीबी अपनी कार्यनीति का विस्तार करने में समर्थ हो सकता है ताकि अन्य वैज्ञानिक विभागों द्वारा आयोजित कार्यकलापों को कवर किया जा सके ।"

बोर्ड ने 17 दिसम्बर, 2003 को आयोजित अपनी 27वीं बैठक में सिफारिश को नोट किया ।

utilization of R&D).

In sectors which are potentially geared to generate commercialisable products, DST and TDB could very well complement their respective functions. DST has ongoing programmes for its funding in the areas of drugs and pharmaceuticals and instrument development. The Review Committee has mentioned examples of gap areas in the country such as digital devices and has provided examples of those related to hydrogen economy and nanodevices where also R&D and commercialization can be concurrently promoted. The Review Committee strongly recommends that a new mechanism should be evolved for joint action by DST and TDB in order to achieve a rapid connection between research, development and commercialization. Based on the experience gained by such a joint effort, TDB may be able to extend this strategy to cover activities undertaken by other scientific departments."

The Board took note of the recommendation in its 27th meeting held on 17th December 2003.

प्रोत्साहन क्रियाकलाप
Promotional Activities

राष्ट्रीय पुरस्कार

बोर्ड ने किसी औद्योगिक प्रतिष्ठान द्वारा 'स्वदेशी प्रौद्योगिकी के सफल वाणिज्यीकरण हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार' शुरू किया था । यह राष्ट्रीय पुरस्कार निम्नलिखित को प्रदान किया जाता है (1) ऐसा औद्योगिक प्रतिष्ठान जिसने स्वदेशी प्रौद्योगिकी का सफलतापूर्वक वाणिज्यीकरण किया हो, और (2) ऐसी प्रौद्योगिकी को विकसित/प्रदान करने वाले को । प्रत्येक पुरस्कार विजेता को पाँच लाख रुपए का नकद पुरस्कार और एक शील्ड प्रदान की जाती है । 10 लाख रुपए के पुरस्कार को आयकर से छूट प्राप्त है । सर्वप्रथम यह राष्ट्रीय पुरस्कार 11 मई, 1999 को प्रौद्योगिकी दिवस पर प्रदान किया गया था ।

National Awards

The Board instituted a 'National Award for successful commercialisation of indigenous technology' by an industrial concern. The national award is presented (i) to an industrial concern that has successfully commercialised the indigenous technology and (ii) to the developer/provider of such technology. The awardee gets a cash award of five lakh rupees each with a shield. The award of Rs. 10 lakhs is exempt from Income Tax. The National Award was given for the first time on the occasion of the Technology Day on 11th May 1999.

लघु उद्योग यूनिट हेतु पुरस्कार

टी.डी.बी. ने अगस्त, 2000 में मई, 2001 से लागू दो लाख रुपए का नकद पुरस्कार ऐसे लघु उद्योग (एस.एस.आई.) यूनिट के लिये शुरू किया जिसने प्रौद्योगिकी आधारित उत्पाद का सफल वाणिज्यीकरण कर लिया है।

Award for SSI unit

In August 2000, TDB introduced, from May 2001, a cash award of Rs. 2 lakhs to a SSI unit that has successfully commercialised a technology-based product.

प्रौद्योगिकी दिवस 11 मई, 2003 को प्रदान किये गये पुरस्कार

ऐसे प्रौद्योगिकी प्रतिष्ठान, जिन्होंने अप्रैल, 1998 के बाद स्वदेशी प्रौद्योगिकियों का वाणिज्यीकरण कर लिया था, प्रौद्योगिकी दिवस, 11 मई, 2003 को प्रदान किए जाने पुरस्कार प्राप्त करने हेतु आवेदन करने के पात्र थे । विज्ञापनों के प्रत्युत्तर में टी.डी.बी. को 114 आवेदन पत्र प्राप्त हुए - 99 आवेदन पत्र 10 लाख रुपए के पुरस्कार के लिए थे और 72 आवेदन पत्र 2 लाख रुपए के पुरस्कार के लिये थे । कुछेक आवेदन-पत्र दोनों के लिए आवेदन करने के संबंध में भी थे ।

राष्ट्रीय पुरस्कार 2003 के लिए चयन समिति डॉ0 के. कस्तूरीरंगन, सचिव, अंतरिक्ष विभाग एवं अध्यक्ष 'इसरो' की अध्यक्षता में गठित की गई और प्रोफेसर राजेन्द्र कुमार, भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर, डॉ0 राकेश जयाल, सी.ई.ओ., लोहिया मशीन टूल्स लि0 और श्री सुरेश चन्द्र, अपर सचिव एवं विकास आयुक्त, लघु उद्योग विभाग, भारत सरकार इसके सदस्यों के रूप में शामिल थे ।

Awards on Technology Day, 11th May 2003

The industrial concerns that have commercialised indigenous technologies after April 1998 were eligible to apply for the awards to be presented on Technology Day, 11th May 2003. In response to the advertisements, TDB received 114 applications - 99 applications for the award of Rs. 10 lakhs and 72 applications for the award of Rs. 2 lakhs. There were common applicants.

The Selection Committee, constituted for the National Award 2003, consisted of Dr. K. Kasturirangan, Secretary Department of Space and Chairman, ISRO, as Chairman, Professor Rajendra Kumar, Indian Institute of Science, Bangalore, Dr. Rakesh Jayal, CEO, Lohia Machine Tools Limited, and Shri Suresh Chandra, Additional Secretary and Development Commissioner, Department of Small Scale Industries, Government of India, as Members.

चयन समिति ने 10 लाख रुपए के राष्ट्रीय पुरस्कार हेतु मै0 शांता बायोटेक्निक्स प्राइवेट लि0, हैदराबाद की सिफारिश की । यह पुरस्कार कंपनी के आंतरिक अनुसंधान एवं विकास द्वारा रिकंबीनेंट इंटरफेरन अल्फा-2बी के विकास तथा कंपनी द्वारा विनिर्माण एवं वाणिज्यिकरण के लिए है । भारत में 2001 में एक पेटेंट स्वीकृत किया गया । पी.सी.टी. के माध्यम से एक अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट आवेदन दाखिल किया गया और 2002 में दावों को स्वीकार कर लिया गया । स्वदेशी प्रौद्योगिकी पर आधारित इंटरफेरन अल्फा उत्पादन करने वाली भारत में यह पहली कंपनी है । इसी क्वालिटी के आयातित इंटरफेरन की लागत की तुलना में 1/3 लागत पर इंटरफेरन उपलब्ध कराने में यह कंपनी सफल रही है । इस प्रकार इसे भारत तथा अन्य विकासशील देशों में अधिकांश रोगी खरीद सकते हैं और जिसके द्वारा अनेक व्यक्तियों के जीवन को बचाया जा सकता है ।

चयन समिति ने इस वर्ष 2 लाख रुपए के नकद पुरस्कार के लिए किसी एस.एस.आई. यूनिट की सिफारिश नहीं की।

The Selection Committee recommended M/s Shantha Biotechnics Private Limited, Hyderabad, for the National Award of Rs. 10 lakhs. The award is for the development of recombinant Interferon Alpha-2b by its in-house R&D and manufacture and commercialization by the company. A patent was granted in India in 2001. An international patent application was filed through the PCT and the claims were accepted in 2002. This is the first company in India to produce Interferon Alpha based on indigenous technology. The company has been able to make available interferon at 1/3rd of the cost of the imported interferon of similar quality. Thus it is affordable to most patients in India as well as other developing countries thereby saving many lives.

The Selection Committee did not recommend any SSI unit for the cash award of Rs. 2 lakhs this year.

राष्ट्रीय पुरस्कार, 2003 के लिए पुरस्कार विजेता की सिफारिश करने हेतु यह बोर्ड चयन समिति के सदस्यों का आभार प्रकट करता है ।

बोर्ड जाँच समिति के सदस्यों श्री वी. राव अय्यागिरी, वैज्ञानिक-जी, (सदस्य एवं समन्वयकर्ता), डॉ0 बी. हरिगोपाल, वैज्ञानिक-जी, डॉ0 जगदीश सिंह, वैज्ञानिक-जी, डॉ0 पद्मनाभम, वैज्ञानिक-जी, श्री एस. चैटर्जी, वैज्ञानिक-एफ, और श्री एस.बी. कृष्णन, पूर्व सचिव, टीडीबी का भी आवेदन-पत्रों की जाँच एवं चयन समिति की सहायता के लिए धन्यवाद करता है ।

The Board expresses its grateful appreciation to the members of the Selection Committee for recommending the award winner for the National Award 2003.

The Board is also thankful to the Screening Committee consisting of Shri V. Rao Aiyagiri, Scientist-G (Member and Co-ordinator), Dr. B. Hari Gopal, Scientist-G, Dr. Jagdish Singh, Scientist-G, Dr. G. Padmanabham, Scientist-G, Shri S. Chatterjee, Scientist-F, and Shri S.B. Krishnan, Former Secretary, TDB for screening the applications and assisting the Selection Committee.

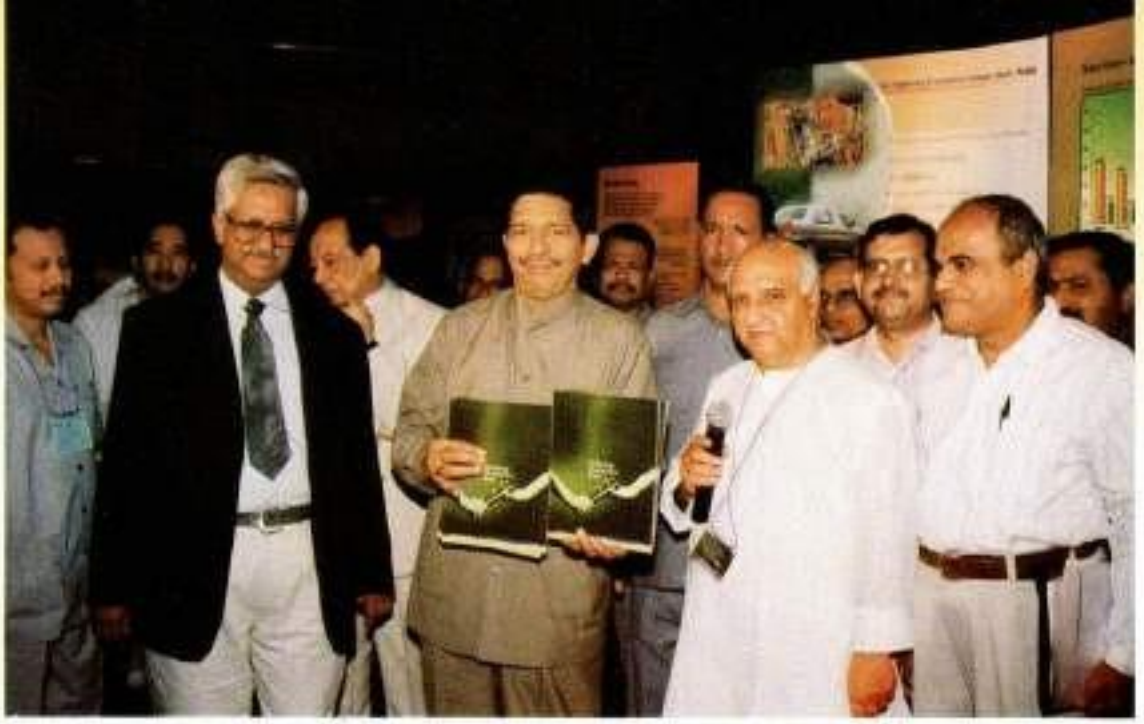

विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री श्री बच्ची सिंह रावत 11 मई, 2003 को प्रौद्योगिकी दिवस पर टीडीबी की पुस्तिका का विमोचन करते हुए
Shri Bachi Singh Rawat, Minister of State for Science and Technology, releasing the brochure on TDB on the occasion of the Technology day, 11th may 2003.

प्रौद्योगिकी दिवस, 11 मई, 2003

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने 11 मई, 2003 को प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में आयोजित समारोह में भाग लिया । अपने अनुसंधान एवं विकास यूनिट द्वारा विकसित स्वदेशी प्रौद्योगिकी पर आधारित इंटरफेरन अल्फा-2बी के विकास एवं उत्पादन के वाणिज्यीकरण में मै0 शांता बायोटेक्निक्स प्राइवेट लि0, हैदराबाद की सफलता को मान्यता देते हुए इस अवसर पर भारत के उप-राष्ट्रपति श्री भैरों सिंह शेखावत ने उसे 10 लाख रुपए का नकद पुरस्कार एवं शील्ड प्रदान की ।

इस अवसर पर टीडीबी द्वारा वित्तीय रूप से सहायित परियोजनाओं और टीडीबी की सहायता से वाणिज्यिक उपक्रमों द्वारा निर्मित उत्पादों को दर्शाने वाले पोस्टरों की एक प्रदर्शनी टीडीबी द्वारा आयोजित की गई ।

Technology Day, 11th May 2003

The Technology Development Board participated in the celebrations at New Delhi on the occasion of the Technology Day, the 11th May 2003. On this occasion, Shri Bhairon Singh Shekhawat, Vice President of India, presented the cash award of Rs. 10 lakhs and a shield to M/s Shantha Biotechnics Private Limited, Hyderabad, in recognition of their success in commercializing the development and production of Interferon Alpha-2b, based on indigenous technology developed by its R&D unit.

On this occasion, TDB organized an exhibition consisting of posters depicting projects financially assisted by TDB and products brought out by commercial enterprises with TDB's assistance. TDB also brought out a brochure and pamphlets on this occasion.

श्री बच्ची सिंह रावत, विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री ने टीडीबी की वित्तीय सहायता से विनिर्मित निम्नलिखित चार उत्पादों को शुरू किया -

- चाय की गुणवत्ता में सुधार के लिए साउदर्न-पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज कार्पोरेशन लि0, चेन्नई द्वारा तनाशे एंजाइम फार्मूलेशन्स ।
- व्हाइट सर्किल आक्साइड्स लि0, हैदराबाद द्वारा रेफ्रेक्टरीज के लिए सिनथेटिक मैग्नीशियम अल्यूमिनेट स्पाइनल।
- फिल्ट्रा केटेलिस्ट्स एंड कैमिकल्स लि0, थाणे द्वारा कीटनाशकों, भेषजों, रेजिन्स आदि के लिए क्रेसोल्स और जिलेनोल्स जैसे विशेष रसायन, और
- क्लच आटो लि0, नई दिल्ली द्वारा आटोमोबाइल और ट्रैक्टर्स के लिए सेरामिक क्लच।

Shri Bachi Singh Rawat, Minister of State for Science and Technology, launched four products, manufactured with financial assistance from TDB. These were

- Tannase Enzyme formulations for improving the quality of tea by Southern Petrochemical Industries Corporation Limited, Chennai;
- Synthetic Magnesium Aluminate Spinel for refractories by White Circle Oxides Limited, Hyderabad:
- Cresols and Xylenols, speciality chemicals for pesticides, pharmaceuticals, resins, etc., by Filtra Catalysts and Chemicals Limited, Thane; and
- Ceramic Clutches for automobiles and tractors by Clutch Auto Limited, New Delhi.

उद्योग के साथ आपसी विचार-विमर्श बैठकें

टीडीबी उद्योग, संघों अनुसंधान एवं विकास संगठनों आदि के माध्यम से उद्योग, संभावित उद्यमियों ओर प्रौद्योगिकी प्रदायकों के साथ अनेक पारस्परिक विचार-विमर्श बैठकों का आयोजन करता है । टीडीबी विभिन्न प्रदर्शनियों में भी भाग लेता है ।

इन बहुविषयात्मक मंचों के माध्यम से टीडीबी का लक्ष्य उद्योगों, आर. एंड डी. संगठनों, शैक्षिक संस्थानों, उद्योग में आंतरिक आर. एंड डी. इकाइयों, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान संगठनों आदि में, विशेष रूप से स्वदेश में विकसित प्रौद्योगिकियों के लिए उनके वाणिज्यिक प्रयासों के लिए आसान शर्तों पर वित्तीय सहायता की उपलब्धता पर जागरूकता फैलाना है। संभावी निवेशकों को प्रौद्योगिकीय और नूतन परियोजनाएँ प्रस्तुत की गई ।

ये बैठकें सितम्बर, 1996 और मई, 2003 के बीच अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, बीकानेर, चंडीगढ़, चेन्नई, कोयम्बटूर, देहरादून, दिल्ली, गंगटोक, हैदराबाद, इम्फाल, इंदौर, जयपुर, जम्मू, कानपुर, कोलकाता,

Interactive Meetings with Industry

TDB organises a series of interactive meetings with industry, potential entrepreneurs and technology providers through the industry associations, R&D organizations, etc. TDB also participates in various exhibitions.

Through these multifunctional platforms, TDB aims at creating an awareness amongst the industries, R&D organisations, academic institutions, in-house R&D units in the industry, Scientific and Industrial Research Organisations, etc., on the availability of financial assistance on soft terms for their commercialisation efforts especially for indigenously developed technologies. Potential investors were presented with technological and innovative projects.

Such meetings have been held at Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneswar, Bikaner, Chandigarh, Chennai, Coimbatore, Dehradun, Delhi, Gangtok, Hyderabad, Imphal, Indore, Jaipur, Jammu, Kanpur, Kolkata, Lucknow, Ludhiana, Madurai, Mumbai,

लखनऊ, लुधियाना, मदुरई, मुम्बई, मैसूर, पुणे, राजामुंदरी, राजापालायम, राजकोट, शिमला, तिरुचिरापल्ली, उदयपुर, वापी, विजयवाड़ा में की गई ।

टीडीबी द्वारा अभी तक हस्ताक्षरित राज्यवार समझौतों का विश्लेषण यह बताता है कि अब तक शामिल न किए गए राज्यों एवं संघ शासित प्रदेशों में संयंत्रों की स्थापना तथा स्वदेशी प्रौद्योगिकी को अपनाने के लिए वाणिज्यिक उद्यमों को बढ़ावा देने के लिए और प्रयास करने की आवश्यकता है ।

टीडीबी की समीक्षा समिति ने सिफारिश की है कि टीडीबी द्वारा वित्तीय रूप से सहायता प्राप्त सफल उद्यमियों को ऐसी पारस्परिक विचार-विमर्श बैठकों में शामिल किया जा सकता है । टीडीबी की समीक्षा समिति ने यह भी सिफारिश की कि नियमित रूप से रोड शो आयोजित किए जाने चाहिए और एक योजनाबद्ध तरीके से, वाणिज्य चैम्बरों, व्यापार एसोसिएशनों एवं संस्थानों के निकट समन्वय से किए जाने चाहिए और ये पूरे देश में किए जाने चाहिए ।

टीडीबी के अधिकारियों ने वर्ष 2003-2004 के दौरान आयोजित उद्योग तथा संस्थानों के साथ आपसी विचार-विमर्श बैठकों में भाग लिया, जिनका उल्लेख नीचे किया गया है :-

Mysore, Pune, Rajahmundry, Rajapalayam, Rajkot, Shimla, Tiruchirappalli, Udaipur, Vapi, Vijayawada between September 1996 and May 2003.

An analysis of the State-wise distribution of agreements signed so far by TDB indicates that more efforts are needed to encourage commercial enterprises to adopt indigenous technologies and set up plants in other States and Union Territories that have not been covered so far.

The Review Committee on TDB has recommended that successful entrepreneurs, assisted financially by TDB, may be associated in such interactive meetings. The Review Committee on TDB has also recommended that road shows should be organised regularly and in a planned manner in close co-ordination with chambers of commerce, trade associations and institutions and it should be spread all over the country.

TDB officers participated in interaction meetings held with industry and institutions during 2003-04. These are listed below.

भोपाल

श्री एम.एल. गुप्ता, वैज्ञानिक-जी, ने डी.एन.टी. के एस.ई.बी. प्रभाग द्वारा 26-27 मई, 2003 को भोपाल में आयोजित 'सी.एस.आई.आर. प्रयोगशाला वैज्ञानिकों और उद्यमिता संवर्धक संस्थाओं की पारस्परिक विचार-विमर्श कार्यशाला' में भाग लिया । श्री एम.एल. गुप्ता ने टीडीबी के क्रियाकलापों पर एक प्रस्तुतीकरण दिया । कार्यशाला में उपस्थित टीडीबी के सदस्य प्रोफेसर (डॉ0) के.आई. वासु ने टीडीबी से संबंधित प्रश्नों का उत्तर दिया । इस कार्यशाला में 17 सी.एस.आई.आर. प्रयोगशाला वैज्ञानिकों और संपूर्ण भारत से लगभग 70 उद्यमिता संवर्धक संस्थाओं ने भाग किया । कार्यशाला में लगभग 150 व्यक्तियों ने भाग लिया।

Bhopal

Shri M.L. Gupta, Scientist-G, attended the 'Interaction Workshop of CSIR Labs Scientists and Entrepreneurship promoting Institutions' organized by NEB division of DST at Bhopal on 26-27th May 2003. Shri M.L. Gupta made a presentation on the activities of TDB. Professor (Dr.) K.I. Vasu, Member, TDB, who was present in the workshop, replied to queries on TDB. The workshop was attended by 17 CSIR lab scientists and about 70 entrepreneurship promoting institutions from all over India. About 150 persons participated in the workshop.

नई दिल्ली

उद्योग - संस्थान की भागीदारी को बढ़ावा देने और उसे सुदृढ़ करने के उद्देश्य से भारतीय उद्योग परिसंघ (सी.आई.आई.) ने 16-17 सितम्बर, 2003 को नई दिल्ली में द्वितीय सी.आई.आई. - आई.सी.आई..सी.आई. - उद्योग - संस्थान नेटवर्किंग फोरम - 2003 का आयोजन किया । इस कार्यक्रम का विषय था : देश में प्रौद्योगिकी उद्यमों के लिए एक

New Delhi

With an objective of promoting and strengthening Industry-Institute Partnerships, Confederation of Indian Industry (CII) organized Second CII - ICICI- Industry Institute Networking Forum 2003 at New Delhi on 16-17 September 2003. The theme of the event was 'Creating Successful Techno-ventures' to highlight the role of

समर्थ पर्यावरण तैयार करने में उद्योग, अनुसंधान एवं विकास संस्थान तथा प्रौद्योगिकी वित्त प्रदायकों की भूमिका को प्रकाश में लाने के लिए 'सफल प्रौद्योगिकी - उद्यमों का सृजन करना' । डॉ0 आर.ए. मशेलकर, महानिदेशक, सी.एस.आई.आर. ने उद्घाटन भाषण दिया । श्री अमिताभ पांडे और श्री एस.बी. कृष्णन ने 16 सितम्बर, 2003 को पैनल परिचर्चा में भाग लिया । श्री अमिताभ पांडे ने 17 सितम्बर, 2003 को 'प्रौद्योगिकी वित्त पोषण : उद्यमी के सपने बनाम निवेशक की आशाएँ' नामक सत्र की अध्यक्षता की । डॉ0 ए.के. सूद इस सत्र के वक्ताओं में से एक थे ।

Industry, R&D Institute and Technology Financiers in creating an enabling environment for techno-ventures in the country. Dr. R.A. Mashelkar, DG CSIR, gave the inaugural address. Shri Amitabha Pande and Shri S.B. Krishnan participated in the panel discussion on16th September 2003. Shri Amitabha Pande chaired a session on Technology Financing : Entrepreneur Dreams vs. Investors Expectations on 17th September 2003. Dr. A.K. Sood was one of the speakers in this session.

दूरदर्शन पर प्रसारण

विज्ञान लोक सीरीज के अंतर्गत दूरदर्शन (डीडी-1) मैट्रो चैनल पर प्रत्येक 30 मिनट की अवधि के पांच एपीसोड प्रसारित किए गए, जिनमें टीडीबी के कार्य-निष्पादन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला गया । यह सी.डी. पर भी उपलब्ध है और भविष्य में इसका उपयोग प्रचार सामग्री के रूप में किया जाएगा ।

Telecast on Door Darshan

Five episodes of 30 minutes duration each were telecast on Door Darshan (DD1 Metro Channel under the Vigyan Lok series), highlighting various aspects of TDB's performance. This is available on CDs and will be used as publicity material in future.

नई दिल्ली में प्रदर्शनी

टीडीबी ने 11 मई, 2003 को प्रौद्योगिकी दिवस मनाने के लिए अशोक होटल, नई दिल्ली में आयोजित एक प्रदर्शनी में भाग लिया । श्री बच्ची सिंह रावत, विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया ।

अल्मोड़ा में प्रदर्शनी

22 से 27 मई, 2003 को स्यालदे, अल्मोड़ा (उत्तरांचल) में आयोजित विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी में टीडीबी ने भाग लिया जिसमें समाज के कल्याण में टीडीबी के योगदान पर प्रकाश डाला गया था ।

देहरादून में प्रदर्शनी

पैसिफिक सेंटर सोसायटी ने उत्तरांचल सरकार और कुमाऊँ गढ़वाल चैम्बर आफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सहयोग से 23 से 30 सितम्बर, 2003 के दौरान उत्तरांचल अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला - 2003 का देहरादून में आयोजन किया । टीडीबी ने इस प्रदर्शनी में भाग लिया। श्री ए.एस. खाती ने टीडीबी का प्रतिनिधित्व किया ।

Exhibition at New Delhi

TDB participated in an exhibition organized at Hotel Ashok, New Delhi, to celebrate the Technology Day on 11th May 2003. Shri Bachi Singh Rawat, Minister of State for Science and Technology, inaugurated the exhibition.

Exhibition at Almora

Contribution of TDB in the welfare of society was highlighted in Science and Technology exhibition participated by TDB at Syalde, Almora (Uttaranchal) from 22nd to 27th May 2003.

Exhibition at Dehradun

Pacific Centre Society, in association with the Government of Uttaranchal and Kumaun Gharwal Chamber of Commerce and Industry, organized Uttaranchal International Trade Fair 2003 at Dehradun during 23rd to 30th September 2003. TDB participated in this exhibition. Shri A.S. Khati represented TDB.

हैदराबाद में प्रदर्शनी

भारतीय उद्योग परिसंघ, नई दिल्ली ने 13-17 अक्तूबर, 2003 को हैदराबाद में नवें प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन एवं प्रौद्योगिकी प्लेटफार्म का आयोजन किया । डीएसटी भी इसके प्रायोजकों में से था । शिखर सम्मेलन का विषय प्रौद्योगिकी, नूतनता एवं आई.पी.आर. था । टीडीबी ने प्रदर्शनी में दो बूथ लगाए । डॉ0 ए.के. सूद, वैज्ञानिक-जी, ने टीडीबी की ओर से समन्वय कार्य किया ।

नई दिल्ली में प्रदर्शनी

पर्यावरण एवं वन मंत्रालय ने 10 से 13 नवम्बर, 2003 के दौरान अशोक होटल, नई दिल्ली में जलवायु परिवर्तन प्रौद्योगिकी बाजार और एक सम्मेलन आयोजित किया । टीडीबी ने सेल्को इंटरनेशनल, ओमेगो इकोटैक और रेवा इलैक्ट्रिक कार जैसे उद्योगों को, जो पर्यावरण के अनुकूल पहल कार्य करने के लिए प्रसिद्ध हैं, मंच प्रदान किया ।

चंडीगढ़ में प्रदर्शनी

चंडीगढ़ में 3 से 7 जनवरी, 2004 तक भारतीय विज्ञान कांग्रेस प्रदर्शनी (भारत का गौरव) आयोजित की गई । टीडीबी ने प्रदर्शनी में भाग लिया और अपने स्टाल लगाए तथा इसकी स्थापित से लेकर अब तक टीडीबी की

Exhibition at Hyderabad

The Confederation of Indian Industry, New Delhi, organised the Ninth Technology Summit & Technology Platform in Hyderabad on 13-17th October 2003 at Hyderabad. DST was one of the sponsors. The theme of the summit was Technology, Innovation and IPR. TDB took two booths in the exhibition. Dr.A.K.Sood, Scientist-G, coordinated on behalf of TDB.

Exhibition at New Delhi

The Ministry of Environment and Forests organised Climate Change Technology Bazar and a conference at Ashoka Hotel, New Delhi, during 10-13th November 2003. TDB provided platform to industries like Selco International, Omego Ecotech and Reva Electric Car, known for environment friendly initiatives.

Exhibition at Chandigarh

Indian Science Congress exhibition (Pride of India) was held at Chandigarh from 3rd to 7th January 2004. TDB participated in the exhibition and put up its stall and displayed panels/posters

उपलब्धियों को दर्शाते हुए पैनल/पोस्टरों का प्रदर्शन किया । दर्शकों को मार्ग-निर्देशिकाएँ एवं पुस्तिकाएँ वितरित की गई । इससे वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों और उद्योगों के प्रतिनिधियों के साथ परस्पर संपर्क करने का अवसर प्राप्त हुआ ।

उत्तरायणी मेला, बरेली

14 और 15 जनवरी, 2004 को बारे में उत्तरायणी मेला आयोजित किया गया । टीडीबी ने अपनी उपलब्धियों को दर्शाते हुए पैनलों का प्रदर्शन किया ।

पिथौरागढ़ में प्रदर्शनी

उत्तरांचल के लोगों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भावना संप्रेषित करने के लिए एक प्रदर्शनी आयोजित की गई । टीडीबी ने 18 और 19 मार्च, 2004 को पिथौरागढ़ में आयोजित इस प्रदर्शनी में भाग लिया ।

अल्मोड़ा में प्रदर्शनी

टीडीबी ने 22 और 23 मार्च, 2004 को अल्मोड़ा में आयोजित प्रदर्शनी में भाग लिया और पैनल्स/पोस्टर्स प्रदर्शित किए और दर्शकों के बीच जागृति उत्पन्न करने के लिए परियोजना - निधि पोषण मार्गनिर्देशों और अन्य प्रकाशनों की प्रतियों का वितरण किया।

highlighting the achievements of TDB since its inception. Guidelines and booklets were distributed to the visitors. This gave an opportunity to interact with scientists, academia and industry representatives.

Uttarayani Mela, Bareilly

Uttarayani Mela was held at Bareilly from 14th to 15th January 2004. TDB displayed panels highlighting its achievements.

Exhibition at Pithorgarh

An exhibition was held for communicating the excitement of S&T to the people of Uttaranchal. TDB participated in the exhibition held at Pithorgarh on 18th and 19th March 2004.

Exhibition at Almora

TDB participated in the exhibition held at Almora on 22nd and 23rd March 2004 and displayed the panels/posters and distributed copies of the project funding guidelines and other publications for creating an awareness amongst the visitors.

कुआलालम्पुर (मलेशिया) में प्रदर्शनी

भारत व्यापार संवर्धन केन्द्र ने 2 से 6 दिसम्बर, 2003 के दौरान पुत्रा वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, कुआला लुम्पुर, मलेशिया में 'इनक्रेडिबल इंडिया - 2003' नामक एक एकमात्र भारत व्यापार प्रदर्शनी का आयोजन किया । टीडीबी ने डीएसटी और टाइफैक के साथ महत्वपूर्ण की गई पहलों को प्रदर्शित करने के लिए इस प्रदर्शनी में भाग लिया । डॉ0 ए.के. सूद ने टीडीबी का प्रतिनिधित्व किया ।

Exhibition at Kuala Lumpur (Malaysia)

India Trade Promotion Centre organized 'Incredible India 2003', an exclusive India trade exhibition at Putra World Trade Centre, Kuala Lumpur, Malaysia, during 2nd to 6th December 2003. TDB along with DST and TIFAC participated in the exhibition to portray significant initiatives. Dr. A.K. Sood represented TDB.

वेबसाइट

टीडीबी की वेबसाइट निम्नलिखित वेबसाइट पतों पर उपलब्ध है :-

(a) www.tdbindia.com
(b) www.tdbindia.org

Web site

The web-site for TDB is available on the following web-site addresses :

(a) www.tdbindia.com
(b) www.tdbindia.org

अनुसंधान तथा विकास उपकर
Research and Development Cess

अनुसंधान तथा विकास उपकर अधिनियम, 1986 यथा संशोधित, के तहत आयातित प्रौद्योगिकी पर किए गए सभी भुगतानों पर लेवी और उपकर की वसूली का प्रावधान है । प्रौद्योगिकी का अर्थ कोई विशेष अथवा तकनीकी ज्ञान किसी कार्य के लिए कोई विशेष सेवा जोकि विदेशी सहयोग के अंतर्गत औद्योगिक इकाई में हो और जिसमें अभिकल्पन, ड्राईंग, प्रकाशन तथा तकनीकी कार्मिक शामिल है । उपकर की दर 5 प्रतिशत है । उपकर का भुगतान किसी ऐसी औद्योगिक इकाई को करना होगा जो प्रौद्योगिकी का आयात करती है और ऐसे आयात हेतु उस समय या उससे पहले कोई भुगतान नहीं करती है । उपकर का मुनाफा भारत की संचित निधि में जमा कर दिया जाता है । उपकर स्वदेशी रूप से विकसित प्रौद्योगिकी के वाणिज्यिक अनुप्रयोग को बढ़ावा देने तथा आयातित प्रौद्योगिकी को विस्तृत घरेलू अनुप्रयोग में अपनाने के लिए लगाया और एकत्रित किया जाता है ।

उपकर वसूलियों में से भारत सरकार संसद द्वारा बनाए गए विनियोग के माध्यम से स्वदेशी प्रौद्योगिकी के विकास और वाणिज्ययकरण एवं आयातित प्रौद्योगिकी के अनुकूलन के लिए प्रौद्योगिकी विकास अनुप्रयोग निधि को भुगतान कर सकती है । प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड एक्ट, 1995 के अंतर्गत गठित टीडीबी द्वारा यह निधि संचालित की जाती है ।

The Research and Development Cess Act, 1986, as amended, provides for the levy and collection of cess on all payments made towards the import of technology. Technology means any special or technical knowledge or any special service required for any purpose whatsoever by an industrial concern under any foreign collaboration, and includes designs, drawings, publication and technical personnel. The rate of cess is 5 percent. The cess is payable by an industrial concern which imports technology on or before making any payments towards such import. The proceeds of the cess are credited to the Consolidated Fund of India. The cess is levied and collected for the purposes of encouraging the commercial application of indigenously developed technology and for adapting imported technology to wider domestic application

Out of the cess collections, the Government of India, through appropriations made by Parliament, pay to the Fund for Technology Development and Application to be utilised for development and commercialisation of indigenous technology and adaptation of imported technology. The Fund is administered by the Technology Development Board, constituted under the Technology Development Board Act, 1995.

उपकर की वसूली एवं भुगतान

निम्नलिखित सारणी में 1996-97 (जिस वर्ष सरकार द्वारा टीडीबी का गठन किया गया) से वर्ष-वार उपकर की वसूली; टीडीबी को आबंटन और टीडीबी को भुगतान का विवरण दिया गया है ।

Cess Collections and Payments

The following table indicates the year-wise cess collection from 1996-97 (the year in which the Technology Development Board was constituted by the Government), allocations to TDB and payments to TDB.

अनुसंधान एवं विकास उपकर वसूली और संवितरण
Research and Development Cess Collections and Disbursements

(करोड़ रुपए) (Rupees in crore)

वर्ष Year	उपकर वसूली (सीजीए के आंकड़े) Cess collection (CGA's figures)	टीडीबी को आबंटन Allocation to TDB		सरकार द्वारा टीडीबी को भुगतान Payments to TDB by Govt.
		बजट अनुमान Budget Estimate	संशोधित अनुमान Revised Estimate	
1996-97	80.13	30.00	30.00	29.97
1997-98	81.42	70.00	49.93	49.93
1998-99	81.10	50.00	20.00	28.00
1999-2000	88.93	70.00	50.00	50.00
2000-2001	98.91	70.00	63.00	62.79
2001-2002	95.30	63.00	57.00	57.00
2002-2003	99.47	58.00	56.00	56.00
2003-2004	133.74	55.00	53.65	53.65
कुल Total	**759.00**	**466.00**	**379.58**	**387.34**

आर. एंड डी. उपकर वसूली से प्राप्त 759 करोड़ रुपए में से सरकार ने 8 वर्षों (1996-2004) की अवधि में 387.34 करोड़ रुपए की कुल राशि टीडीबी को उपलब्ध कराई है । इससे एक साल में औसतन 48.42 करोड़ रुपए अर्थात् 50 करोड़ रुपए से कम बनते हैं।

समीक्षा समिति की सिफारिशें

टीडीबी की समीक्षा समिति ने निम्नानुसार सिफारिश की है (फरवरी, 2003) :-

आने वाले वर्षों में टीडीबी द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका को देखते हुए, आगामी वर्षों में सरकार से आने वाली निधियों का प्रवाह पर्याप्त रूप में बढ़ाने की आवश्यकता है । जल्द ही ऐसी अवस्था आने वाली है जिसमें वर्ष के दौरान उपकर के अंतर्गत एकत्रित निधियों का पूर्ण हस्तांतरण आवश्यक हो जाएगा और उपकर से एकत्रित कुछ राशि का चुकता भी करना होगा ।'

539.56 करोड़ रुपए की वचनबद्ध धनराशि में से टीडीबी ने अभी तक 468.50 करोड़ रुपए की धनराशि का निम्नलिखित सारणी के अनुसार संवितरण किया है ।

Of the total of Rs.759 crore from R&D cess collection, Government has made available to TDB a cumulative sum of Rs.387.34 crore over the period of 8 years (1996-2004). This works out to an average of Rs. 48.42 crore i.e., less than Rs.50 crore, a year.

Recommendations of the Review Committee

The Review Committee on TDB has recommended (February 2003) as follows :

"Taking also into account the role to be played by TDB in the years to come, the flow of funds from the Government will need to be stepped up substantially in the coming years. A stage is likely to be reached soon requiring the full transfer of funds collected under the Cess during the year and also liquidation of some of the accumulated amounts of Cess."

As against the committed amount of Rs. 539.56 crore, TDB has disbursed so far a sum of Rs. 468.50 crore as per the table given below.

टीडीबी द्वारा प्रतिबद्ध धनराशि तथा निधियों की आवश्यकता
Amount committed by TDB and Requirement of Funds

(करोड़ रुपए) (Rupees in crore)

वर्ष Year	टीडीबी द्वारा प्रतिबद्ध** Committed By TDB**				टीडीबी द्वारा संवितरण Disburse-ments by TDB	सरकार से अनुदान Grants from Govt.
	अनुदान Grants	इक्विटी Equity	ऋण Loan	कुल Total		
1996-97	-	-	-	-	-	29.97
1997-98	-	-	48.12	48.12	30.14	49.93
1998-99	0.50	-	47.27	47.77	36.99	28.00
1999-2000	53.80	24.36*	88.52	166.68	85.23	50.00
2000-2001	-	-	54.54	54.54	96.73	62.79
2001-2002	-	-	97.13	97.13	47.19	57.00
2002-2003	2.00	-	29.90	31.90	97.11	56.00
2003-2004	-	-	68.42	68.42	53.86	53.65
कुल Total	56.30	24.36	433.90	514.56	447.25	387.34
आईटीवीयूएस ITVUS				25.00		
2000-2001					5.00	
2001-2002					6.25	
2002-2003	-	-			10.00	
कुल योग Grand Total	56.30	24.36	433.90	539.56	468.50	387.34

* कुल लागत में संशोधन, ऋण सहायता की धनराशि में संशोधन, मोचन निषेध और करारों के निरस्तीकरण के कारण टीडीबी द्वारा स्वीकृत धनराशि को 31 मार्च, 2004 में संशोधित किया गया है ।

* The amount sanctioned by TDB has been revised as on 31st March 2004 due to revision in total cost, revision in quantum of loan assistance, foreclosure and cancellation of agreements.

** निक्को कार्पोरेशन को 18.46 करोड़ रुपए की ऋण सहायता को मार्च, 2004 में संचयी परिवर्तनीय तरजीही शेयरों में परिवर्तित करना शामिल है ।

** Includes conversion of loan assistance of Rs. 18.46 crore to Nicco Corporation into cumulative convertible preference shares in March 2004.

प्रशासन
Administration

समीक्षा समिति

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा अगस्त/सितम्बर, 2001 में प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के प्रदर्शन की समीक्षा करने के साथ-साथ नए क्रियाकलाप शुरू करने हेतु सुझाव देने और प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड एक्ट, 1995 और प्रौद्योगिकी विकास नियमावली, 1996 में उपयुक्त संशोधन लागू करने, जो बोर्ड को अपने कार्यों को निर्बाध रूप से निष्पादित करने में सहायक हो, की सिफारिशें करने हेतु एक समीक्षा समिति का गठन किया गया ।

इस समीक्षा समिति के अध्यक्ष प्रो0 पी. रामाराव थे । इसके अन्य सदस्य थीः श्री के. वेंकटेशन, डॉ0 ई.ए.एस. शर्मा, श्री एस.के. बिजलानी और श्री एस.बी. कृष्णन ।

प्रो0 पी. रामाराव ने 26 फरवरी, 2003 को समीक्षा समिति की रिपोर्ट प्रो0 राममूर्ति को प्रस्तुत की । रिपोर्ट में 65 सिफारिशें हैं, जिन्हें सांविधिक, संवर्धनात्मक, प्रक्रियात्मक, संगठनात्मक और टीडीबी के लिए भावी निर्देशात्मक व वर्गों में वर्गीकृत किया गया है । बोर्ड ने 9 मई, 2003 को आयोजित अपनी 25वीं बैठक और 17 दिसम्बर, 2003 को आयोजित 27वीं बैठक में इन सिफारिशों पर विचार किया ।

Review Committee

The Department of Science and Technology constituted a Review Committee in August/September 2001 to conduct a review of the performance of the Technology Development Board as well as to suggest new initiatives and to make recommendations for effecting suitable changes that are required to be made in the Technology Development Board Act, 1995 and Technology Development Board Rules, 1996 so as to enable the Board to effectively discharge its functions.

The Chairman of the Review Committee was Professor P. Rama Rao. Other members were Shri K. Venkatesan, Dr. E.A.S. Sarma, Shri S.K. Bijlani and Shri S.B. Krishnan.

Professor P. Rama Rao presented the report of the Review Committee to Professor Ramamurthy on 26th February 2003. The report contains 65 recommendations which are grouped under Statutory, Promotional, Procedural, Organisational and Future Directions for TDB. The Board considered these recommendations in its 25th meeting held on 9th May 2003, 26th meeting held on 30th September 2003 and 27th meeting held on 17th December 2003.

65 सिफारिशों में से बोर्ड ने 56 सिफारिशों को स्वीकार किया । बोर्ड ने 5 सिफारिशों को कुछ संशोधनों के साथ स्वीकार किया । यह ऋण को इक्विटी में परिवर्तित करने (पैरा 5.1.4), लेखा और लेखा परीक्षा (पैरा 5.1.11), विदेश में पेटेंट्स दाखिल करने हेतु प्रोत्साहन के रूप में ऋण सहायता (पैरा 5.2.4), प्रौद्योगिकी हस्तांतरण केन्द्रों (पैरा 5.2.12) और नए उद्यमियों को प्राथमिकता (पैरा 5.3.14) से संबंधित है । बोर्ड ने 4 सिफारिशें स्वीकार नहीं कीं । यह औद्योगिक प्रतिष्ठानों को इक्विटी पूँजी और ऋण दोनों के प्रावधान (पैरा 5.1.3), नवोन्मेशकों को प्रेरित करने (पैरा 5.2.6), प्रतिष्ठित व्यक्तियों की नियुक्ति (पैरा 5.2.10) और बोर्ड की स्थायी मानीटरिंग समिति (पैरा 5.3.19) से संबंधित थीं ।

Out of the 65 recommendations, the Board accepted 56 recommendations. The Board accepted 5 recommendations with some modifications. These pertain to Conversion of Loan into Equity (Para 5.1.4), Accounts and Audit (Para 5.1.11), Loan Assistance as an Incentive for Filing of Patents Abroad (Para 5.2.4), Technology Transfer Centres (Para 5.2.12), and Priority to New Entrepreneurs (Para 5.3.14). The Board did not accept 4 recommendations. These pertained to Provision of both Equity Capital and Loan to Industrial Concern (Para 5.1.3), Motivating the Innovator (Para 5.2.6), Engaging Eminent Persons (Para 5.2.10) and Standing Monitoring Committee of the Board (Para 5.3.19).

आवेदन पत्र का प्रारूप

टीडीबी की नियमावली 19(2) में उल्लेख है कि निधि से वित्तीय सहायता माँगने वाले किसी भी आवेदक को फार्म-क में टीडीबी को आवेदन करना होगा । समीक्षा समिति ने आवेदन पत्र के प्रारूप की जाँच की और कुछ परिवर्धनों/संशोधनों की सिफारिश की । बोर्ड ने इन्हें स्वीकार किया ।

Format of Application

Rule 19(2) of the TDB Rules states that any applicant who is desirous to seek financial assistance from the Fund, shall apply to TDB in Form-A. The Review Committee examined the format of the application and recommended some additions/modifications. The Board accepted the same.

आवेदन पत्र के प्रारूप को 10 मार्च, 2004 के सरकारी राजपत्र में अधिसूचित प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (संशोधन) नियमावली, 2004 में शामिल किया गया ।

The revised format of the application was incorporated in the Technology Development Board (Amendment) Rules, 2004 notified in the official Gazette dated 10th March 2004.

विवरणी प्रस्तुत करना

10 नवम्बर, 1998 को राजपत्र में अधिसूचित प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (विवरणी दाखिल करना) विनियम, 1998 टीडीबी से वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले औद्योगिक प्रतिष्ठान द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली विवरणी का प्रारूप निर्धारित करते हैं । बोर्ड ने समीक्षा समिति की सिफारिशें (रिपोर्ट का पैरा 5.1.13) स्वीकार कीं जिनमें विवरणी के प्रारूप में कुछ परिवर्धन/संशोधनों का सुझाव दिया गया था ।

विवरणियों के संशोधित प्रारूप को 10 मार्च, 2004 को सरकारी राजपत्र में अधिसूचित प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (विवरणी दाखिल करना) विनियम, 2004 में शामिल किया गया।

Submission of Returns

The Technology Development Board (submission of returns) Regulations, 1998, notified in the Gazette on 10th November 1998, prescribes the format of the return for submission by an industrial concern receiving financial assistance from the TDB. The Board accepted the recommendation of the Review Committee (Para 5.1.13 of the Report) that has suggested some additions / modifications in the format of returns.

The revised format of the returns was incorporated in the Technology Development Board (Submission of Returns) Regulations, 2004 notified in the official Gazette dated 10th March 2004.

परियोजना निधिकरण मार्ग-निर्देश

17 दिसम्बर, 2003 को आयोजित अपनी 27वीं बैठक में बोर्ड ने समीक्षा समिति की सिफारिशों पर बोर्ड के निर्णय को शामिल करते हुए संशोधित परियोजना निधिकरण मार्गनिर्देशों का अनुमोदन किया ।

स्थायी आदेशों का मैनुअल

समीक्षा समिति की सिफारिशों पर विचार-विमर्श करते हुए 9 मई, 2003 को आयोजित अपनी 25वीं बैठक में बोर्ड प्रोफेसर पी. रामाराव के इस विचार से सहमत हुआ कि समीक्षा समिति के विभिन्न सुझावों को शामिल करते हुए स्थायी आदेशों का एक मैनुअल अथवा कार्यालय प्रक्रिया मैनुअल तैयार किया जा सकता है । इसके लिए परियोजना निधिकरण मार्गनिर्देशों, विद्यमान स्थायी आदेशों और ऋण करार पर पुनर्विचार की आवश्यकता हो सकती है । बोर्ड ने यह निर्णय लिया कि समीक्षा समिति की विभिन्न सिफारिशों के कार्यान्वयन की सहायता के लिए श्री एस.बी. कृष्णन को तीन महीने की अवधि के लिए पुनः तैनाती आधार पर रखा जाए ।

बोर्ड ने 30 सितम्बर, 2003 को आयोजित अपनी 26वीं बैठक में स्थायी आदेश-मैनुअल पर विचार किया और उसका अनुमोदन किया । इसका मुद्रित संस्करण 17 दिसम्बर, 2003 को आयोजित बोर्ड की 27वीं बैठक में प्रस्तुत किया गया ।

Project Funding Guidelines

The Board, in its 27th meeting held on 17th December 2003, approved the revised Project Funding Guidelines incorporating the Board's decision on the recommendations of the Review Committee.

Manual of Standing Orders

While discussing the recommendations of the Review Committee, the Board, in its 25th meeting held on 9th May 2003, agreed with Professor P. Rama Rao's view that a Manual of Standing Orders or an Office Procedure Manual could be brought about incorporating the various suggestions of the Review Committee. This would also require revisiting the Project Funding Guidelines, existing Standing Orders and the loan agreement. The Board decided that Shri S.B. Krishnan be engaged on a retainership basis for a period of three months to help implementing the various recommendations of the Review Committee.

The Board, in its 26th meeting held on 30th September 2003, considered the Manual of Standing Orders and approved the Manual. The printed version was submitted to the Board in its 27th meeting held on 17th December 2003.

वार्षिक रिपोर्ट और लेखा परीक्षित लेखे

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम, 1995 की धारा 12 यह निर्धारित करती है कि पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान अपने क्रियाकलापों का पूरा विवरण देते हुए बोर्ड अपनी वार्षिक रिपोर्ट तैयार करेगा । प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम की धारा 13(4) के अनुसार बोर्ड को लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट के साथ अपने लेखों की लेखा परीक्षित प्रतिलिपि केन्द्र सरकार को प्रस्तुत करनी होगी । प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड की वर्ष 2001-2002 की वार्षिक रिपोर्ट वार्षिक लेखों की लेखा परीक्षित प्रतिलिपि सहित 6 मई, 2003 को लोकसभा के पटल पर और 7 मई, 2003 को राज्यसभा पटल पर रखी गई थी ।

टीडीबी का सचिवालय

श्री अमिताभ पांडे, आई.ए.एस., संयुक्त सचिव, भारत सरकार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, को 1 जनवरी, 2003 से उनके विद्यमान कार्यभार के साथ-साथ टीडीबी का सचिव भी नियुक्त किया गया ।

टीडीबी समय-समय पर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के निम्नलिखित अधिकारियों की सेवाएँ, उनके अपने कार्यभार के अतिरिक्त, प्राप्त करता आ रहा है । डॉ0

Annual Report and Audited Accounts

Section 12 of the Technology Development Board Act, 1995, prescribes that the Board shall prepare its annual report, giving a full account of its activities during the previous financial year. As per section 13(4) of the Technology Development Board Act, the Board has to furnish to the Central Government, its audited copy of accounts together with auditor's report. The Annual Report including audited copy of the Annual Accounts of the Technology Development Board for the year 2001-2002 was laid on the Table of the Lok Sabha on 6th May 2003 and on the Table of the Rajya Sabha on 9th May 2003.

TDB Secretariat

Shri Amitabha Pande, IAS, Joint Secretary to the Government of India, Department of Science and Technology, was appointed as Secretary, TDB, from 1st January 2003 in addition to his existing charge.

TDB, from time to time, has also been availing of the services of the following officers of the Department of Science and Technology in addition to their own duties: Dr. A. Banerji, Dr. A.K.

ए. बनर्जी, डॉ0 ए.के. सूद, डॉ0 विमल कुमार, श्री एम.एल. गुप्ता, डॉ0 आर. साहा (सभी वैज्ञानिक-जी), श्री संजय बाजपेयी, वैज्ञानिक-एफ, श्री शंभू सिंह, निदेशक और श्री कमल प्रकाश, अवर सचिव । डॉ0 ए. बनर्जी, वैज्ञानिक-जी, 31 अक्तूबर, 2003 को सेवानिवृत्त हो गए ।

टीडीबी को स्वीकृत पदों पर वैज्ञानिकों की नियुक्ति के लिए आवेदन पत्र प्राप्त हुए थे। जाँच समिति द्वारा छांटे गए आवेदकों के साक्षात्कार के लिए एक चयन समिति का गठन किया गया है ।

टीडीबी द्वारा निधि पोषित कंपनियों का "आउट-सोर्सिंग" परिसंपत्ति प्रबंधन

सहायता प्राप्त औद्योगिक प्रतिष्ठानों के पास जब भुगतान बकाया हो जाता है तो उनके संबंध में टीडीबी का अनुभव मिला-जुला है । जहाँ कुछ प्रतिष्ठान नियमित रूप से भुगतान कर रहे हैं, वहाँ कुछ स्मरण कराए जाने के बाद कुछ विलंब से भुगतान कर रहे हैं और कुछ समस्या वाले मामले बन गए हैं । इस प्रकार परिसंपत्ति प्रबंधन एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया है । चूंकि टीडीबी के पास परिसंपत्ति प्रबंधन का अनुभव नहीं है और टीडीबी को इसमें विशेषज्ञता हासिल करने में समय लगेगा, अतः बोर्ड ने यह निर्णय लिया कि इसकी 'आउटसोर्सिंग' करना बेहतर होगा । इस दृष्टिकोण से विकल्पों पर विचार करने और

Sood, Dr. Vimal Kumar, Shri M.L. Gupta, Dr. R. Saha (all Scientists-G), Shri Sanjay Bajpai, Scientist-F, Shri Shambhu Singh, Director and Shri Kamal Prakash, Under Secretary. Dr.A. Banerjee, Scientist-G, superannuated on 31st October 2003.

TDB received applications for the appointment of scientists against the sanctioned posts. A Selection Committee has been constituted for conducting interview of the applicants, short-listed by a Screening Committee.

Outsourcing Asset Management of TDB funded companies

The experience of TDB has been a mixed one when repayments have become due from the assisted industrial concerns. While some are paying up regularly, some with some delays after having reminded them, some have become stressed cases. Thus, Asset management has become a significant issue. As TDB has no experience of asset management, and as it would take time to build up that expertise in TDB, the Board decided that it would be better to outsource it. With this in view, a committee was constituted under the chairmanship of Shri M. Damodaran, Chairman, UTI

सिफारिशें करने हेतु श्री एम. दामोदरन, अध्यक्ष, यू.टी.आई. म्यूचुअल फंड की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया । बोर्ड ने सिफारिशों पर विचार किया और यथाशीघ्र सिफारिशों को कार्यान्वित करने के लिए शीघ्र कदम उठाने हेतु टीडीबी के अध्यक्ष को प्राधिकृत किया ।

उपर्युक्त निर्णयों के अनुसरण में तत्काल कार्रवाई वाले कुछ मामलों का पता लगाया गया और उन्हें निम्नलिखित तीन एजेंसियों को सौंपा गया अर्थात् - आईसीआईसीआई वेंचर फंड मैनेजमेंट कंपनी, बंगलौर, एपीआईडीसी - वेंचर कैपिटल लि0, हैदराबाद और डाइमेंसन्स कन्सल्टिंग (प्राइवेट) लि0, गुड़गाँव ।

आयकर की छूट

आयकर महानिदेशक (छूट), कोलकाता ने दिसम्बर, 2000 में कर निर्धारण वर्ष 1997-98 से 1999-2000 तक के लिए टीडीबी को आयकर के भुगतान की छूट की सिफारिश की है । सीबीडीटी (केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड) ने आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10 खंड (23 ग), उपखंड (4) के प्रयोजनों के लिए टीडीबी को अधिसूचित करते हुए 17 सितम्बर, 2001 को एक अधिसूचना जारी की है । टीडीबी ने वर्ष 2000-2001 और 2001-2002 के लिए छूट हेतु जुलाई, 2001 में आवेदन प्रस्तुत किया है । वर्ष 2002-2003 के लिए दूसरा आवेदन मार्च, 2004 में प्रस्तुत किया गया है ।

Mutual Fund, to consider the options and make recommendations. The Board considered the recommendations and authorised the Chairperson, TDB, to take necessary steps to make the recommendations operational at the earliest.

In pursuance of the above decisions, some of the cases which required urgent action were identified and these cases were assigned to the following three agencies, namely, ICICI Venture Funds Management Company, Bangalore, APIDC - Venture Capital Limited, Hyderabad, and Dimensions Consulting (Private) Limited, Gurgaon.

Income Tax exemption

The Director General of Income Tax (Exemption), Kolkata, has recommend exemption of TDB from payment of income tax for the assessment years 1997-98 to 1999-2000 in December 2000. The CBDT has issued a notification on 17th September 2001 notifying TDB for the purpose of section 10, clause (23C), sub-clause (iv) of the Income Tax Act, 1961. TDB has submitted application for exemption for the years 2000-2001 and 2001-2002 in July 2001. Another application has been submitted for the year 2002-2003 in March 2004.

कर्मचारियों के लिए अंशदायी भविष्य निधि

बोर्ड ने 30 सितम्बर, 2003 को आयोजित अपनी 26वीं बैठक में टीडीबी के ऐसे कर्मचारियों को जो नियमित पदों पर नियुक्त हैं और जो अपने मूल विभाग में भविष्य निधि (जीपीएफ) अथवा किसी अन्य पेंशन स्कीम द्वारा शासित नहीं हैं, कर्मचारी के नाम से किसी डाकघर/प्राधिकृत बैंक में 15 वर्ष का लोक भविष्य निधि खाता खोलने के लिए अंशदान की दर अधिकतम 10 प्रतिशत है अतः टीडीबी का अंशदान भी परिलब्धियों का अधिकतम 10 प्रतिशत या कर्मचारी द्वारा वास्तविक रूप से भुगतान की गई धनराशि के बराबर, इनमें जो भी कम हो, दिया जाएगा ।

टीडीबी कर्मचारियों के लिए चिकित्सा सुविधाएँ

बोर्ड ने प्राधिकृत पदों के विरुद्ध नियमित आधार पर नियुक्त टीडीबी के कर्मचारियों को चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान करने की आवश्यकता को समझा है । बोर्ड ने 30 सितम्बर, 2003 को आयोजित अपनी 26वीं बैठक में निर्णय लिया है कि उनके चिकित्सा दावों को समय-समय पर यथा संशोधित केन्द्रीय सेवाएँ (चिकित्सा परिचर्या) नियमावली द्वारा विनियमित किया जाएगा परंतु यह सीजीएचएस के डॉ0 या सीजीएचएस डिसपेंसरी के प्रतिहस्ताक्षर के बिना किया

Contributory Provident Fund for employees

The Board decided, in its 26th meeting held on 30th September 2003, to allow TDB employees, who are appointed on regular posts and who are not governed by GPF or any other pension scheme in the parent department, to open a 15 year Public Provident Fund Account in a post office / authorised bank under the employee's name. As the rate of subscription for CPF is maximum of 10 percent, TDB's contribution shall also be a maximum of 10 percent of the emoluments or equal to the amount actually paid by the employee whichever is less.

Medical facilities for TDB employees

The Board recognized the need for providing medical facilities to TDB employees, appointed on regular basis against authorised posts. The Board decided, in its 26th meeting held on 30th September 2003, that their medical claims will be regulated in terms of the Central Services (Medical Attendance) Rules as amended from time to time but without any countersignature of CGHS doctor or CGHS dispensary as these employees are not covered by CGHS. This will facilitate such employees and

जाएगा क्योंकि ये कर्मचारी सीजीएचएस के अंतर्गत शामिल नहीं है । इससे ऐसे कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को सरकारी अस्पतालों या स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त प्राइवेट अस्पतालों में अंतरंग रोगी के रूप में इलाज कराने में सुविधा होगी । किसी रजिस्टर्ड मेडिकल प्रैक्टिशनर से ओपीडी (बहरिंग) इलाज के मामले में प्रतिपूर्ति की धनराशि प्रतिवर्ष (प्रत्येक कैलेंडर वर्ष) 1 जनवरी को दो महीनों के मूल वेतन तक सीमित होगी ।

family members to get medical treatment, as in-patients, in Government hospitals or in private hospitals recognised by the Ministry of Health and Family Welfare for treatment of CGHS beneficiaries. In case of OPD treatment from any registered medical practitioner, the reimbursement will be limited to two months basic pay on 1st January each year per annum (each calendar year).

राजभाषा कार्यान्वयन

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने अपनी स्थापना से ही संघ की राजभाषा से संबंधित विभिन्न उपबंधों का कार्यान्वयन किया है और अधिसूचनाओं, वार्षिक रिपोर्टों, परियोजना निधिकरण मार्गनिर्देशों, पुस्तिकाओं, वाउचर्स आदि को हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में मुद्रित किया है । विभिन्न प्रदर्शनियों के लिए प्रदर्शन सामग्री/पैनल्स हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में तैयार किए जाते हैं ।

Implementation of Official Language

The Technology Development Board, since its inception, has implemented various provisions pertaining to official language of the Union, and had printed Notifications, Annual Reports, Project Funding Guidelines, brochures, vouchers etc. in Hindi and English. The exhibits / panels are prepared in Hindi and English for display in various exhibitions.

प्रारम्भिक जाँच समितियों के सदस्य
Members for the Initial Screeening Committees

बंदोपाध्याय एम.	वैज्ञानिक-जी, डीएसटी	Bandyopadhyay M.	Scientist-G, DST
डा0 ए. बैनर्जी	ओएसडी, टीडीबी	Banerjee A. Dr.	OSD, TDB
संजय बाजपेयी	वैज्ञानिक-एफ,डीएसटी	Bajpai Sanjay	Scientist-F, DST
पी.आर. बसाक	पीएसओ, टीआईएफएसी	Basak P.R.	PSO, TIFAC
इन्दु भास्कर	पीएसओ, डीएसटी	Bhaskar Indu	PSO, DST
डॉ0 आर. वृक्षपति	वैज्ञानिक-जी, डीएसटी	Brakaspathy R. Dr.	Scientist-G, DST
डॉ0 ए.वी. चैनुलु	वैज्ञानिक-एफ, डीएसआईआर	Chainulu A.V. Dr.	Scientist-F, DSIR
मेजर एस. चैटर्जी	वैज्ञानिक-एफ, डीएसटी	Chatterjee S. Major	Scientist-F, DST
डॉ0 हरिगोपाल	वैज्ञानिक-जी, डीएसटी	Gopal Hari Dr.	Scientist-G, DST
एम.एल. गुप्ता	वैज्ञानिक-जी, डीएसटी	Gupta M.L.	Scientist-G, DST
डॉ0 जी. खालिक अब्दुल	वैज्ञानिक-एफ, डीएसआईआर	Khaliq Abdul G. Dr.	Scientist-F, DSIR
डॉ0(श्रीमती)एस.एन. खान	वैज्ञानिक-डी, डीएसटी	Khan S.N. Dr (Ms)	Scientist-D, DST
एस.एस. कोहली	वैज्ञानिक-एफ, डीएसटी	Kohli S.S.	Scientist-F, DST
डॉ0 एस.के. कुलश्रेष्ठ	वैज्ञानिक-जी, डीएसआईआर	Kulshreshta S.K. Dr.	Scientist-G, DSIR
कुमार राज	वैज्ञानिक-जी, डीएसआईआर	Kumar Raj	Scientist-G, DSIR
डॉ0 विमल कुमार	वैज्ञानिक-जी, डीएसटी	Kumar Vimal Dr.	Scientist-G, DST
डॉ0 ए. लाहिरी	वैज्ञानिक-जी, डीएसआईआर	Lahiri A. Dr.	Scientist-G, DSIR
डॉ0 पी.के. मल्होत्रा	वैज्ञानिक-एफ, डीएसटी	Malhotra P.K. Dr.	Scientist-F, DST
डॉ0 ए. मुखोपाध्याय	वैज्ञानिक-एफ, डीएसटी	Mukhopadhyay A. Dr.	Scientist-F, DST
विभु मुसरान	पीएसओ, टीआईएफएसी	Mushran Vibhu	PSO, TIFAC
	वैज्ञानिक-जी, डीएसटी	Nistandra S.C.	Scientist-G, DSIR
डॉ0 जी. पद्मनाभन	वैज्ञानिक-एफ, डीएसटी	Padmanabhan G Dr.	Scientist-F, DST
अमिताभ पाण्डे	सचिव, टीडीबी	Pande Amitabha	Secretary TDB
वी. रघुपति	वैज्ञानिक-जी, डीएसटी	Raghupathy V.	Scientist-G, DST
डॉ0 कुलदीप राय	वैज्ञानिक-एफ, डीएसआईआर	Rai Kuldip Dr.	Scientist-F, DSIR
डॉ0 ए.एस. राव	वैज्ञानिक-जी, डीएसआईआर	Rao A.S. Dr.	Scientist-G, DSIR
के.वी.एस.पी. राव	वैज्ञानिक-एफ, डीएसआईआर	Rao K.V.S.P.	Scientist-F, DSIR
डॉ0 रश्मि विभु	वैज्ञानिक-एफ, डीएसआईआर	Rashmi Vibhu Dr.	Scientist-F, DSIR
प्रेम सागर	वैज्ञानिक-जी, डीएसआईआर	Sagar Prem	Scientist-G, DSIR
डॉ0(सुश्री) उषा शर्मा	वैज्ञानिक-जी, डीएसटी	Sharma Usha Dr (Ms)	Scientist-G, DST
डॉ0 पी.के. सिक्का	वैज्ञानिक-जी, डीएसटी	Sikka P.K. Dr.	Scientist-G, DST
संजय सिंह	पीएसओ, टीआईएफएसी	Singh Sanjay	PSO, TIFAC
डॉ0 ए.के. सूद	वैज्ञानिक-जी, डीएसटी	Sood A.K. Dr.	Scientist-G, DST
आर.के. तायल	वैज्ञानिक-एफ, डीएसटी	Tayal R.K.	Scientist-F, DST

परियोजना मूल्याँकन समितियों और परियोजना मानीटरिंग समितियों के विशेषज्ञ

Experts for the Project Evaluation Committees and Project Monitoring Committees

वी.पी. अग्रवाल	आईआईटी, दिल्ली	Agarwal V.P.	IIT, Delhi
प्रो0 जी.पी. अग्रवाल	आईआईटी, दिल्ली	Aggarwal G.P. Prof.	IIT, Delhi
प्रो0 के.जी. अकमांची	आईआईसीटी, हैदराबाद	Akmanchi K.G. Prof.	IICT, Hyderabad
डॉ0 ज्ञान अरोड़ा	प्रमुख, एनवीएच फ्री ट्रांसमिशन सिस्टम इंजी. रिसर्च सेंटर, टाटा मोटर्स, पुणे	Arora Gyan Dr.	Head, NVH Free Transmission Systems Engg Research Centre, Tata Motors, Pune
प्रो0 आर.के. बैश्य	आईआईटी, दिल्ली	Baisya R.K. Prof.	IIT, Delhi
जे.जे. भगत	एमडी, एसटीएम, टीआईएफएसी, नई दिल्ली	Bhagat J.J.	MD, STM, TIFAC, New Delhi
बी. भनोत	निदेशक, एआरएआई, पुणे	Bhanot B.	Director, ARAI Pune
प्रो0 आलोक भट्टाचार्य	स्कूल आफ लाइफ साईंसेज, जेएनयू, नई दिल्ली	Bhattacharya Alok Prof.	School of Life Sciences, JNU, New Delhi
डॉ0 सुमन भट्टाचार्य	हेल्थकेयर डोमेन एक्सपर्ट, सत्यम कंप्यूटर सर्विसेज लि0, हैदराबाद	Bhattacharyya Suman Dr.	Healthcare Domain Expert, Satyam Computer Services Ltd., Hyderabad
सुदर्शन बजोरिया	आईसीआईसीआई वेंचर, मुम्बई	Bajoria Sudarshan	ICICI Venture Mumbai
प्रो0 वी.के. भल्ला	दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	Bhalla V.K. Prof.	Delhi University Delhi
अभिजीत भौमिक	निदेशक, फीडबैक वेंचर्स लि0, नई दिल्ली	Bhaumik Abhijit	Director, Feedback Ventures Ltd., New Delhi

डॉ0 विनोद बिहारी	सीडीआरआई, लखनऊ	Bihari Vinod Dr.	CDRI, Lucknow
डॉ0 एन.आर. बोस	सीजीसीआरआई, कोलकाता	Bose N.R. Dr.	CGCRI, Kolkata
डॉ0 आर. वृक्षपति	डीएसटी, नई दिल्ली	Brakaspathy R. Dr.	DST, New Delhi
प्रो0 ए.के. चक्रवर्ती	आईआईटी, खड़गपुर	Chakravarti A.K. Prof.	IIT, Kharagpur
एम.सी. चौधरी	निदेशक (तकनीकी) टीसीआईएल, नई दिल्ली	Chaudhary M.C.	Director (Tech) TCIL, New Delhi
प्रो0 एच.एम. चावला	आईआईटी, दिल्ली	Chawla H.M. Prof.	IIT, Delhi
डॉ0 मोहन दास	निदेशक, श्री चित्रा तिरुनल इंस्टीट्यूट फार मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नालॉजी, तिरुवन्तपुरम	Das Mohan Dr.	Director, Sri Chitra Tirunal Institute for Medical Sciences & Technology, Thiruvanan-thapuram
आर.के. द्विवेदी	सीआईपीईटी, चेन्नई	Dwivedi R.K.	CIPET, Chennai
डॉ0 एन.के. गांगुली	महानिदेशक, आईसीएमआर, नई दिल्ली	Ganguly N.K. Dr.	DG, ICMR, New Delhi
प्रो0 आर.आर. गौड़	आईआईटी, दिल्ली	Gaur R.R. Prof.	IIT, Delhi
एस. गोपालन	पूर्व-ईडी, आईडीबीआई, चेन्नई	Gopalan S.	Ex-ED, IDBI Chennai
डॉ0 पी.डी. ग्रोवर	सेवानिवृत्त प्रोफेसर, आईआईटी, दिल्ली	Grover P.D. Dr.	Retd Professor, IIT Delhi
डॉ0 सी.एम. गुप्ता	निदेशक, सीडीआरआई, लखनऊ	Gupta C.M. Dr.	Director, CDRI Lucknow
डॉ0 के. गुरुप्रसाद	सीसीएमबी, हैदराबाद	Guruprasad K. Dr.	CCMB, Hyderabad
डॉ0 एस. हुसैन	निदेशक, सीडीएनएएफ एंड डी, हैदराबाद	Husnain S. Dr.	Director, CDNAF&D Hyderabad
प्रो0 पी.वी. इन्दरसेन	पूर्व-निदेशक, आईआईटी, मद्रास	Indiresan P.V. Prof.	Ex-Director, IIT Madras
अविनाश कनाडे	महाप्रबंधक, इम्बेडेड सिस्टम्स, टाटा इंफोटेक लि0	Kanade Avinash	General Manager Embedded Systems, Tata Infotech Ltd

आर. कन्नन	महाप्रबंधक, आईसीआईसीआई बैंक, मुम्बई	Kannan R.	GM, ICICI Bank Mumbai
डॉ0 आदित्य कपिल	एपीआईडीसी वीसीएल, हैदराबाद	Kapil Aditya Dr.	APIDC VCL Hyderabad
डॉ0 डी.सी. कटोच	भारतीय चिकित्सा पद्धति विभाग, नई दिल्ली	Katoch D.C. Dr.	Dept of Indian System of Medicine, New Delhi
डॉ0 सी.एल. कौल	निदेशक राष्ट्रीय भेषज अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़	Kaul C.L. Dr.	Director, National Institute for Pharmaceutical Research, Chandigarh
एम. कृष्णा	एपीआईडीसी वीसीएल, हैदराबाद	Krishna M.	APIDC VCL, Hyderabad
एस.बी. कृष्णा	पूर्व सचिव, टीडीबी, नई दिल्ली	Krishnan S.B.	Former Secretary TDB, New Delhi
प्रो0 अंशुल कुमार	आईआईटी, दिल्ली	Kumar Anshul Prof.	IIT, Delhi
प्रो0 भूषण कुमार	पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़	Kumar Bhushan Prof.	PGIMER Chandigarh
प्रो0 एस. मोहन कुमार	आईएफएमआर, चेन्नई	Kumar Mohan S. Prof.	IFMR, Chennai
प्रो0 राम कुमार	सेंटर आफ बायोइंफार्मैटिक्स, आईआईएससी, बंगलौर	Kumar Ram Prof.	Centre of Bio-informatics, IISC, Bangalore
डा0 बी. कुंडु	सीडीआरआई, लखनऊ	Kundu B. Dr.	CDRI, Lucknow
डॉ0 लाल कृष्ण	एनपीएल, नई दिल्ली	Lal Krishan Dr.	NPL, New Delhi
प्रो0 एस.पी. माघू	प्रधान वैज्ञानिक (सेवानिवृत्त) आईएआरआई, नई दिल्ली	Maghu S.P. Prof.	Pr. Scientist (Retd) IARI, New Delhi
डॉ0 एस0 मजुमदार	पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़	Majumdar S. Dr.	PGIMER Chandigarh
प्रो0 एल.के. मल्होत्रा	आईआईटी, दिल्ली	Malhotra L.K. Prof.	IIT, Delhi
डॉ0 गोपीचंद मन्नाम	केयर अस्पताल, हैदराबाद	Mannam Gopichand Dr.	Care Hospital, Hyderabad

प्रो0 एन.के. मेहरा	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली	Mehra N.K. Prof.	AIIMS New Delhi
शशांक मेहता	एनआईडी, अहमदाबाद	Mehta Shashank	NID Ahmedabad
ए.एस. मेनन	वरिष्ठ महाप्रबंधक, दक्षिणी क्षेत्र, वीएसएनएल, कोच्ची	Menon A.S.	Senior G.M., Southern Region, VSNL, Kochi
डॉ0 आर. मुखोपाध्याय	निदेशक, एचएस सिंघालिया टायर रिसर्च इंस्टीट्यूट, कंकरोली	Mukhopadhyay R Dr.	Director HS Singhalia Tyre Research Instt Kankroli
डॉ0 एम.वी. नानोटी	नीरी, नागपुर	Nanoti M.V. Dr.	NEERI, Nagpur
सरथ नारू	एमडी, एपीआईडीसीवीसीएल, हैदराबाद	Naru Sarath	MD, APIDCVCL, Hyderabad
वी. नटराजन	टेक्साज इंस्ट्रूमेंट (इंडिया) प्रा0 लि0, बंगलौर	Natarajan V.	Texas Instrument (India) Private Ltd., Bangalore
डॉ0 इंदिरा नाथ	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली	Nath Indira Dr.	AIIMS, New Delhi
प्रो0 जी. पद्मनाभन	एमरीट्स साइंटिस्ट, आईआईएससी, बंगलौर	Padmanabhan G Prof.	Emeritus Scientist IISc, Bangalore
प्रो0 डी.के. पाण्ड्या	आईआईटी, दिल्ली	Pandya D.K. Prof.	IIT, Delhi
डॉ0 एस.एल. प्रसाद	कार्यकारी निदेशक, केन्द्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला, बीईएल, बंगलौर	Prasad S.L. Dr.	Executive Director, Central Research Lab, BEL, Bangalore
डॉ0 जी.पी.एस. राघव	इमटेक, चंडीगढ़	Raghav G.P.S. Dr.	IMTECH, Chandigarh
वी. रघुरामन	वरिष्ठ सलाहकार, सीआईआई, गुड़गाँव	Raghuraman V.	Senior Adviser CII, Gurgaon
ए. रामासुब्रह्मणियन	चीफ एक्जीक्यूटिव, आइशर ट्रैक्टर्स लि0, फरीदाबाद	Ramasubramanian A.	Chief Executive, Eicher Tractors Ltd. Faridabad

ए. रमेश	एपीआईडीसीवीसीएल, हैदराबाद	Ramesh A.	APIDCVCL Hyderabad
अलूरी श्रीनिवास राव	आईसीआईसीआई वीसीएल, मुम्बई	Rao Aluri Srinivasa	ICICI VCL Mumbai
जे.एस. राव	डीजीएम, बीएचईएल, हैदराबाद	Rao J.S.	DGM, BHEL Hyderabad
डॉ0 काकरला सुब्बा राव	निदेशक एवं वाइस चांसलर, निजाम्स इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल कॉलेज, हैदराबाद	Rao Kakarla Subba Dr.	Director & VC, Nizam'S Institute of Medical College, Hyderabad
म्यालार बी.ए. राव	प्रबंध निदेशक, सेंट्रल इलेक्ट्रानिक्स लि0, नई दिल्ली	Rao Mylar B.A.	Managing Director, Central Electronics Ltd, New Delhi
डॉ0 उदय भास्कर राव	पास्च्योर इंस्टीट्यूट, कुन्नूर	Rao Uday Bhaskar Dr.	Pasteur Institute, Coonoor
के. रविन्द्र	आईसीआईसीआई वीसीएल, मुम्बई	Ravindra K	ICICI VCL, Mumbai
डॉ0 के. रविन्द्रनाथ	प्रबंध निदेशक, रवीन्द्रनाथ जीई मेडिकल एसोसिएट्स प्रा0लि0, हैदराबाद	Ravindranath K. Dr.	Managing Director, Ravindranath GE Medical Associates Pvt Ltd., Hyderabad
प्रो0 एस.के. राय	इमरीट्स साइंटिस्ट, आईएआरआई, नई दिल्ली	Roy S.K. Prof.	Emeritus Scientist IARI, New Delhi
प्रो0 जी. साबरीनाथन	आईआईएम, बंगलौर	Sabarinathan G. Prof.	IIM, Bangalore
डॉ0 के.एस.के. साई	वरिष्ठ निदेशक, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली	Sai K.S.K. Dr.	Senior Director Dept of Information Technology, New Delhi
प्रो0 कुशल सेन	आईआईटी, दिल्ली	Sen Kushal Prof.	IIT, Delhi
प्रो0 वी. शेषाद्रि	आईआईटी, दिल्ली	Seshadri V. Prof.	IIT, Delhi
प्रो0 प्रदीप सेठ	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली	Seth Pradeep Prof.	AIIMS, New Delhi
डॉ0 एस.डी. सेठ	आईसीएमआर, नई दिल्ली	Seth S.D. Dr.	ICMR, New Delhi

डॉ0 आर.सी. सेठी	वीआरडीई, अहमदनगर	Sethi R.C. Dr.	VRDE Ahmednagar
श्रीनिवास सेट्टी	आर.वी. कालेज आफ इंजीनियरिंग, बंगलौर	Setty Sreenivasa	RV College of Engineering Bangalore
डॉ0 शिवाजी	सीसीएमबी, हैदराबाद	Shivaji Dr.	CCMB, Hyderabad
डॉ0 विनायक शुक्ला	प्रमुख, कार्डियो थोरेसिक सर्जरी, सीएमसी, वेल्लोर	Shukla Vinayak Dr.	Head, Cardio Thoracic Surgery, CMC, Vellore
प्रो0 एम. सिद्दिकी	निदेशक, बोस इंस्टीट्यूट, कोलकाता	Siddiqi M. Prof.	Director, Bose Inst, Kolkata
डॉ0 पी.के. सिकदर	निदेशक, केन्द्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	Sikdar P.K. Dr.	Director, Central Road Research Institute, New Delhi
डॉ0 हेलेन एच. साइमन	पूर्व निदेशक, एनआईएफएचडब्ल्यू, हैदराबाद	Simon Helen H. Dr.	Former Director NIFHW, Hyderabad
प्रो0 डी.वी. सिंह	पूर्व निदेशक, रुड़की विश्वविद्यालय, गाजियाबाद	Singh D.V. Prof.	Former Director Roorkee University Ghaziabad
डॉ0 सत्यनाम सिंह	सीडीआरआई, लखनऊ	Singh Satyanam Dr.	CDRI, Lucknow
प्रो0 सुब्रोतो सिन्हा	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली	Sinha Subrato Prof.	AIIMS New Delhi
अजय श्रीवास्तव	प्रबंध निदेशक, डायमेंसन्स कंसल्टिंग (प्रा0) लि0, गुड़गाँव	Srivastava Ajay	Managing Director Dimensions Consulting (P) Ltd, Gurgaon
एस. सुब्रमनियम	पूर्व सीजीएम, आईडीबीआई, चेन्नई	Subramaniam S.	Ex-CGM, IDBI Chennai
के.पी. सुकुमारन	सलाहकार एमएनईएस, नई दिल्ली	Sukumaran K.P.	Adviser, MNES New Delhi
टाम के. थामस	उपाध्यक्ष, सिएट लि0, मुम्बई	Thomas Tom K.	Vice President Ceat Ltd, Mumbai

डॉ0 तुषार वैद्य	सीसीएमबी, हैदराबाद	Vaidya Tushar Dr.	CCMB Hyderabad
डॉ0 के.सी. वार्ष्णेय	पूर्व-एवजी निदेशक, आई-डीबीआई, नई दिल्ली	Varshney K.C. Dr	Ex-ED, IDBI New Delhi
डॉ0 एल.वी. वेंकटरमन	एक्स-सीएफटीआरआई,	Venkataraman L.V. Dr.	Ex-CFTRI, Mysore
डॉ0 वी.के. विजयन	निदेशक, वीपी चेस्ट इंस्टीट्यूट, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	Vijayan V.K. Dr.	Director, VP Chest Institute, University of Delhi, Delhi
के.के. व्यवहारी	निदेशक, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, नई दिल्ली	Vyawahari K.K.	Director, Ministry of Food Processing Industries, New Delhi
डॉ0 एम.जे. जराबी	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, सेमी कंडक्टर्स लि0, चंडीगढ़	Zarabi M.J. Dr.	Chairman-cum-Managing Director, Semi Conductors Limited, Chandigarh

वर्ष 2003-2004 के लिए लेखाओं का वार्षिक विवरण

Annual Statement of Accounts for the year 2003 - 2004

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2004 की स्थिति के अनुसार संतुलन पत्र

पिछले वर्ष (रु.)	देनदारियां		चालू वर्ष (रु.)
	प्रौद्योगिकी विकास एंव अनुप्रयोग के निधि		
3,18,25,64,264	(क) प्रारंभिक शेष	4,04,69,45,858	
	जोड़े : वर्ष 2002-2003 में	*49,83,322	
	सरकारी विभागों से प्राप्त		4,05,19,29,180
56,00,00,000	(ख) केन्द्र सरकार से अनुदान	53,65,00,000	
2,44,76,000	घटाया गया : सस्थापन के लिए	*3,74,34,000	
53,55,24,000			49,90,66,000
	(ग) लघु अवधि जमा पर ब्याज		
	वास्तविक	78,87,544	
	घटाया गया : 31-3-2003 तक प्रोदभूत		
	ब्याज जिसे इस वर्ष प्राप्त किया गया	4,99,319	
1,22,94,559			73,88,225
	(घ) ऋण पर प्राप्त ब्याज	5,86,16,342	
	घटाया गया : 31-3-2003 तक प्रोदभूत	3,18,29,240	
	ब्याज जिसे इस वर्ष प्राप्त किया गया		
1,97,13,759			2,67,87,102
-	(ङ) अनुदानों पर ब्याज		2,30,380
76,800	(च) स्वत्व शुल्क पर ब्याज		2,54,099
18,20,25,881	(छ) ऋणों की पुनः वसुली		49,08,01,689
35,87,995	(ज) स्वत्व शुल्क		96,45,349
-	(झ) अनुदान		-
-	(ण) आई डी वी आई के वी सी एफ से स्थानांतरण		1,00,00,000
	(ट) मौजूदा देनदारियां		
-	(अ) प्रतिनियुक्तों के लिए पैंशन अंशदान		*1,87,089
-	(आ) लेखा परीक्षा शुल्क		1,71,115
11,91,58,600	(ठ) व्यय पर आय की अधिकता		15,51,59,908

Technology Development Board

Balance Sheet as on 31st March 2004

Previous Year (Rs.)	Liabilities		Current Year (Rs.)
	Fund for Technology Development & Application		
3,18,25,64,264	(a) Opening Balance	4,04,69,45,858	
	Add.: Amount due from Govt.	*49,83,322	
	Depts. in 2002-2003		4,05,19,29,180
56,00,00,000	(b) Grants from Central Govt.	53,65,00,000	
2,44,76,000	Less : for Establishment	*3,74,34,000	
53,55,24,000			49,90,66,000
	(c) Interest on short term deposits		
	Actuals	78,87,544	
	Less: Interest accrued up to		
	31-3-2003, realized this year	4,99,319	
1,22,94,559			73,88,225
	(d) Interest received on loans	5,86,16,342	
	Less: Interest accrued up to	3,18,29,240	
	31-3-2003 realized this year		
1,97,13,759			2,67,87,102
-	(e) Interest on grants		2,30,380
76,800	(f) Interest on royalty		2,54,099
18,20,25,881	(g) Repayment of loans		49,08,01,689
35,87,995	(h) Royalty		96,45,349
-	(i) Donations		-
-	(j) Transfer from VCF of IDBI		1,00,00,000
	(k) Current Liabilities:		
-	(i) Pension Contribution for deputationists		*1,87,089
-	ii) Audit fee		1,71,115
11,91,58,600	(l) Excess of income over expenditure		15,51,59,908

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2004 की स्थिति के अनुसार संतुलन पत्र

पिछले वर्ष (रु.)	देनदारियां		चालू वर्ष (रु.)
	आई डी बी आई के साथ बी सी एफ		
27,84,00,000	आई डी बी आई द्वारा		27,84,00,000
	भारत सरकार से प्राप्त अंशदान		
	निवेश से आय		
13,95,94,572	- ब्याज	13,43,96,824	
4,41,44,627	- स्वत्व शुल्क	4,47,84,722	
43,42,654	- लाभांश	44,42,654	
59,59,79,602	- प्रोद्भूत आय	71,38,24,760	
78,40,61,455		89,74,48,960	
20,25,00,000	कम करना: टी डी बी को भुगतान की गई राशि	21,25,00,000	
58,15,61,455		68,49,48,960	
1,24,80,814	कम करना : लिखित ऋण	1,24,80,814	
24,50,250	निवेश की बिक्री पर नुकसान	24,50,250	
56,66,30,391		67,00,17,896	
4,58,20,000	कम करना: प्रबंधन शुल्क	5,27,80,000	
6,19,789	लेखा परीक्षा शुल्क एवं अन्य व्यय	*6,63,649	
52,01,90,602			61,65,74,247
79,85,90,602			89,49,74,247
4,85,35,36,460	कुल		6,14,65,94,383
80,00,000	अन्य एजेंसियों को जारी अनुदान कम कर आरम्भिक राशि		1,10,00,000
4,84,55,36,460			6,13,55,94,383
2,000	जमा की गई		2,000
4,84,55,38,460	**कुल**		**6,13,55,96,383**

Note 1. Incorporation of the figures marked in asterisk is in compliance with the Observations of Audit.

(आनन्द एस. खाती)
निदेशक (एफ एण्ड ए)
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(वी एस राममूर्ति)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

Technology Development Board

Balance Sheet as on 31st March 2004

Previous Year (Rs.)	Liabilities		Current Year (Rs.)
	VCF with IDBI		
27,84,00,000	Contribution received by IDBI From Government Of India		27,84,00,000
	Income from investment		
13,95,94,572	- Interest	13,43,96,824	
4,41,44,627	- Royalty	4,47,84,722	
43,42,654	- Dividend	44,42,654	
59,59,79,602	- Accrued Income	71,38,24,760	
78,40,61,455		89,74,48,960	
20,25,00,000	Less: Amount paid to TDB	21,25,00,000	
58,15,61,455		68,49,48,960	
1,24,80,814	Less: Loans written off	1,24,80,814	
24,50,250	Loss on sale of Investment	24,50,250	
56,66,30,391		67,00,17,896	
4,58,20,000	Less: Management fees	5,27,80,000	
6,19,789	Audit fees & Other expenses	* 6,63,649	
52,01,90,602			61,65,74,247
79,85,90,602			89,49,74,247
4,85,35,36,460	Total		6,14,65,94,383
80,00,000	Less : Grants released to industrial concern		1,10,00,000
4,84,55,36,460			6,13,55,94,383
2,000	Earnest money deposit		2,000
4,84,55,38,460	**Total**		**6,13,55,96,383**

Note 1. Incorporation of the figures marked in asterisk is in compliance with the Observations of Audit.

(ANAND S KHATI)
DIRECTOR (F&A)

Technology Development Board

(V.S. RAMAMURTHY)
CHAIRPERSON

Technology Development Board

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2004 की स्थिति के अनुसार संतुलन पत्र

पिछले वर्ष (रु.)	परिसंपत्तियां			चालू वर्ष (रु.)
	स्थिर परिसंपत्तियां (अनुसूची–क)			
20,25,009	(क) उपकरण/एपरेटस/मशीनरी		19,65,325	
1,91,613	जोड़ें: जोड़ी गई राशि		*12,94,982	
22,16,622			32,60,307	
1,94,301	घटाया गया : मूल्यह्रास		1,86,637	
81,996	पुरी हानि	1,88,049		
25,000	कम पुनः प्राप्ति	1,00,000		
56,996			88,049	
19,65,325				29,85,621
2,03,877	(ख) फर्नीचर एवं फिक्सचर		1,89,842	
6,353	जोड़ें : योग		1,04,982	
2,10,230			2,94,824	
20,388	घटाया गया : मूल्यह्रास		18,985	
1,89,842				2,75,839
2,02,049	(ग) वाहन		1,81,844	
20,205	घटाया गया : मूल्यह्रास		18,184	
1,81,844				1,63,660
	मौजूदा परिसंपत्तियां			
4,99,319	(क)(i) लघु अवधि जमा पर संग्रहित ब्याज			*28,97,877
18,83,72,985	(ii) 31-3-2003 तक औद्योगिक इकाइयों को दिए गए ऋण पर प्रोद्भूत ब्याज		26,80,05,607	
3,75,96,120	घटाया गया : अतिरिक्त ब्याज त्याग दिया		*18,09,738	
	घटाया गया : 31-3-2003 को प्रोद्भूत ब्याज जो इस वर्ष प्राप्त हुआ।		3,18,29,240	
15,07,76,865			23,43,66,629	
11,72,28,742	जोड़ें : योग		14,43,60,715	
26,80,05,607				37,87,27,344

Technology Development Board

Balance Sheet as on 31st March 2004

Previous Year (Rs.)	Assets			Current Year (Rs.)
	Fixed Assets (Schedule-A)			
20,25,009	(a) Equipment/Apparatus/Machinery		19,65,325	
1,91,613	Add: Additions		*12,94,982	
22,16,622			32,60,307	
1,94,301	Less: Depreciation		1,86,637	
81,996	Write off	1,88,049		
25,000	Less: Recovery	1,00,000		
56,996			88,049	
19,65,325				29,85,621
2,03,877	(b) Furniture & Fixtures		1,89,842	
6,353	Add: Additions		1,04,982	
2,10,230			2,94,824	
20,388	Less: Depreciation		18,985	
1,89,842				2,75,839
2,02,049	(c) Vehicle		1,81,844	
20,205	Less: Depreciation		18,184	
1,81,844				1,63,660
	Current Assets			
4,99,319	a) (i) Interest accrued on short term deposits/ S.B. A/c			*28,97,877
18,83,72,985	(ii) Interest accrued on loans to industrial concerns upto 31-3-2003		26,80,05,607	
3,75,96,120	Less: Addl, Interest waived off		* 18,09,738	
	Less : Interest accrued upto 31-3-2003 realized this year		3,18,29,240	
15,07,76,865			23,43,66,629	
11,72,28,742	Add: Additions		14,43,60,715	
26,80,05,607				37,87,27,344

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2004 की स्थिति के अनुसार संतुलन पत्र

पिछले वर्ष (रु.)	परिसंपत्तियां		चालू वर्ष (रु.)
	(ख) ऋण संवितरण		
	31-3-2003 तक	3,32,39,50,000	
	2003-2004 के दौरान	52,76,00,000	
	घटाया गया : ऋण का साम्य पूंजी में रूपांतरण	18,46,00,000	
3,32,39,50,000			3,66,69,50,000
	(ग) साम्य पूंजी सब्सक्रिप्शन		
	31.3.2003 तक	5,90,00,000	
	2003-2004 के दौरान		
	जोड़े : ऋण का साम्य पूंजी में रूपांतरण (टिप्पणी 2)	18,46,00,000	
5,90,00,000			24,36,00,000
21,25,00,000	(घ) आई टी वी यू एस (यू टी आई)		21,25,00,000
	(ङ) सिक्योरिटी जमा		
4,60,000	(अ) कुतुब होटल के पास	4,60,000	
-	(आ) एयरटेल के पास	* 9,000	
			4,69,000
	(च) वसूली योग्य भुगतान		
	(अ) सरकारी विभागों से प्राप्य राशि		
	वर्ष 2002-2003 में	49,83,322	
	वर्ष 2003-2004 में	37,08,862	
		86,92,184	
	(आ) विभागीय अधिकारियों को अग्रिम राशि	3,93,414	*90,85,598
	(छ) अंतशेष		
-	लघु अवधि जमा में निवेश (अनुसूची –ख)		30,00,00,000
3,103	नकद हाथ में		23,585
18,01,92,818	नकद बैंक में		42,29,43,612

Technology Development Board

Balance Sheet as on 31st March 2004

Previous Year (Rs.)	Assets		Current Year (Rs.)
	(b) Loan disbursements:		
	up to 31-3-2003	3,32,39,50,000	
	During 2003-2004	52,76,00,000	
	Less: Conversion of Loan into Equity	18,46,00,000	
3,32,39,50,000			3,66,69,50,000
	(c) Equity subscription		
	upto 31.3.2003	5,90,00,000	
	During 2003-2004		
	Add : Conversion of Loan into Equity (Note 2)	18,46,00,000	
5,90,00,000			24,36,00,000
21,25,00,000	(d) ITVUS (UTI)		21,25,00,000
	(e) Security deposit		
4,60,000	(i) with Qutab Hotel	4,60,000	
-	(ii) with Air Tel	* 9,000	
			4,69,000
	(f) Payments to be recovered:		
	(i) Amounts due from Government Depts in 2002-2003	49,83,322	
	2003-2004	37,08,862	
		86,92,184	
	(ii) Advance to Staff members	3,93,414	*90,85,598
	(g) Closing Balance :		
-	Investment in short term deposits (Schedule B)		30,00,00,000
3,103	Cash in hand		23,585
18,01,92,818	Cash at bank		42,29,43,612

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2004 की स्थिति के अनुसार संतुलन पत्र

पिछले वर्ष (रु.)	परिसंपत्तियां			चालू वर्ष (रु.)
	आई डी बी आई के साथ वी एस एफ निवेश			
15,89,89,932	- ऋण	14,99,24,271		
2,24,25,000	- सामान्य	2,24,25,000		
18,14,14,932			17,23,49,271	
	प्राप्त होने वाली राशि			
21,06,78,603	- ब्याज	23,14,60,051		
38,53,00,999	- अन्य	48,23,64,709		
59,59,79,602			71,38,24,760	
2,11,96,068	आई डी बी आई के साथ नकद		* 88,00,216	
79,85,90,602				89,49,74,247
4,84,55,38,460	**कुल**			**6,13,55,96,383**

टिप्पणी
1. अनुसूची क से ग लेखाओं का अंग है।
2. 18.46 करोड़ रुपये का ऋण संचित मुक्त वरीयता अंश के बदला गया।
3. चिन्हित आंकड़ों को लेखा परीक्षण के अनुसार सम्मिलित किया गया है।

(आनन्द एस. खाती)
निदेशक (एफ एण्ड ए)
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(वी एस राममूर्ति)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

Technology Development Board

Balance Sheet as on 31st March 2004

Previous Year (Rs.)	Assets			Current Year (Rs.)
	VCF with IDBI			
	Investment			
15,89,89,932	- Loan	14,99,24,271		
2,24,25,000	- Equity	2,24,25,000		
18,14,14,932			17,23,49,271	
	Receivables			
21,06,78,603	- Interest	23,14,60,051		
38,53,00,999	- Others	48,23,64,709		
59,59,79,602			71,38,24,760	
2,11,96,068	Cash with IDBI		* 88,00,216	
79,85,90,602				89,49,74,247
4,84,55,38,460	**Total**			**6,13,55,96,383**

Note : 1. Schedules A,B and C form part of Accounts.
2. The loan of Rs. 18.46 crore has been converted into cumulative convertible preference shares.
3. Incorporation of the figures marked in asterisk is in compliance with the observations of Audit.

(ANAND S KHATI)
DIRECTOR (F&A)

Technology Development Board

(V.S. RAMAMURTHY)
CHAIRPERSON

Technology Development Board

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2004 को समाप्त वर्ष में प्राप्तियों एवं भुगतान का लेखा

पिछले वर्ष (रु.)	प्राप्तियां	चालू वर्ष (रु.)
	प्रारम्भिक शेष	
36,00,00,000	लघु अवधि की जमाओं में निवेश	-
8,484	हाथ में मौजूद नकद	3,103
9,44,91,564	बैंक में जमा नकद	18,01,92,818
	प्रौद्योगिकी विकास और उपयोग हेतु निधि	
56,00,00,000	(i) टी डी निधि	53,65,00,000
1,67,46,855	(ii) लघु अवधि की जमाओं पर ब्याज	78,87,544
5,73,09,879	(iii) ऋण पर ब्याज	5,86,16,342
76,800	(iv) स्वत्व शुल्क पर ब्याज	2,54,099
-	(v) अनुदान पर ब्याज	2,30,380
18,20,25,881	(vi) ऋण का पुर्नभुगतान	49,08,01,689
35,87,995	(vii) स्वत्व शुल्क	96,45,349
-	(viii) दान	-
-	(ix) आई डी बी आई के वी सी एफ से अन्तरण	1,00,00,000
-	विविध प्राप्तियाँ	3,04,000
9,72,385	आयकर की वसूली	11,13,703
1,27,52,19,843	**कुल**	**1,29,55,49,027**

(आनन्द एस. खाती)
निदेशक (एफ एण्ड ए)
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(वी एस राममूर्ति)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2004 को समाप्त वर्ष में प्राप्तियों एवं भुगतान का लेखा

पिछले वर्ष (रु.)	भुगतान	चालू वर्ष (रु.)
	संस्थापन व्यय	
18,00,979	(i) अधिकारियों का वेतन	21,75,430
1,339	(ii) मजदूरी	-
22,08,973	(iii) यात्रा व्यय (घरेलू)	21,78,467
4,00,211	(iv) यात्रा व्यय (विदेश)	6,06,027
1,00,800	(v) मानदेय	2,10,600
35,375	(vi) समयोपरि भत्ता	33,883
2,415	(vii) चिकित्सा प्रतिपूर्ति	41,220
-	(viii) प्रतिनियुक्तियों के लिए पेंशन अंशदान	-
	कार्यालय व्यय	
1,45,569	(i) टेलीफोन/टेलेक्स	*2,08,556
1,01,055	(ii) डाक टिकट	1,26,396
1,21,284	(iii) पैट्रोल, तैल, उपस्नेहक	1,54,039
91,648	(iv) मरम्मत एवं अनुरक्षण	1,62,573
21,87,917	(v) उपभोज्य भंडार एंव मुद्रण	6,78,556
21,292	(vi) समाचार पत्र एंव पत्रिकाएं	21,268
46,523	(vii) मनोरंजन एंव अतिथ्य	44,592
5,775	(viii) परिवहन	6,815
73,28,595	(ix) विज्ञापन एंव प्रचार	1,37,10,409
32,48,175	(x) किराया (भवन)	38,26,645
10,49,768	(xi) विविध व्यय	16,41,017
-	(xii) जमानत राशि	*9,000
12,00,000	(xiii) राष्ट्रीय पुरस्कार	10,00,000
-	(xiv) पुस्तकालय की पुस्तकें एंव पत्रिकाएं	-
-	(xv) बयाना जमा की वापसी	-
2,00,120	(xvi) विधिक शुल्क	21,02,685
4,09,096	(xvii) कोर्ट फीस	-
6,089	(xviii) वर्दी एंव परिधान	120
-	(xix) लेखा परीक्षण शुल्क	-

Technology Development Board

Receipts and Payments Account for the Year ending 31st March 2004

Previous Year (Rs.)	Receipts	Current Year (Rs.)
	Opening Balance:	
36,00,00,000	Investment in short term deposits	-
8,484	Cash in hand	3,103
9,44,91,564	Cash at bank	18,01,92,818
	Fund for Technology Development & Application	
56,00,00,000	(i) TD Fund	53,65,00,000
1,67,46,855	(ii) Interest on short term deposits	78,87,544
5,73,09,879	(iii) Interest on loans	5,86,16,342
76,800	(iv) Interest on royalty	2,54,099
-	(v) Interest on grants	2,30,380
18,20,25,881	(vi) Repayment of loans	49,08,01,689
35,87,995	(vii) Royalty	96,45,349
-	(viii) Donations	-
-	(ix) Transfer from VCF of IDBI	1,00,00,000
-	Miscellaneous receipt	3,04,000
9,72,385	Recoveries towards Income Tax	11,13,703
1,27,52,19,843	**Total**	**1,29,55,49,027**

(ANAND S KHATI)
DIRECTOR (F&A)

Technology Development Board

(V.S. RAMAMURTHY)
CHAIRPERSON

Technology Development Board

Technology Development Board

Receipts and Payments Account for the Year ending 31st March 2004

Previous Year (Rs.)	Payments		Current Year (Rs.)
	Establishment expenses		
18,00,979	(i)	Salaries of officers	21,75,430
1,339	(ii)	Wages	-
22,08,973	(iii)	Travel expenses (domestic)	21,78,467
4,00,211	(iv)	Travel expenses (abroad)	6,06,027
1,00,800	(v)	Honorarium	2,10,600
35,375	(vi)	Over Time Allowance	33,883
2,415	(vii)	Medical Reimbursement	41,220
-	(viii)	Pension contribution for deputationists	-
	Office expenses		
1,45,569	(i)	Telephone/Telex	*2,08,556
1,01,055	(ii)	Postage stamps	1,26,396
1,21,284	(iii)	Petrol, oil, lubricants	1,54,039
91,648	(iv)	Repairs & Maintenance	1,62,573
21,87,917	(v)	Consumable stores & Printing	6,78,556
21,292	(vi)	Newspapers & Magazines	21,268
46,523	(vii)	Entertainment & Hospitality	44,592
5,775	(viii)	Conveyance	6,815
73,28,595	(ix)	Advertisement & Publicity	1,37,10,409
32,48,175	(x)	Rent (Office)	38,26,645
10,49,768	(xi)	Miscellaneous expenses	16,41,017
-	(xii)	Security deposit	*9,000
12,00,000	(xiii)	National Award	10,00,000
-	(xiv)	Library books & Journals	-
-	(xv)	Refund of earnest money deposit	-
2,00,120	(xvi)	Legal & Management Charges	21,02,685
4,09,096	(xvii)	Court Fee	-
6,089	(xviii)	Liveries & Uniform	120
-	(xix)	Audit Fee	-

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2004 को समाप्त वर्ष में प्राप्तियों एवं भुगतान का लेखा

पिछले वर्ष (रु.)	भुगतान	चालू वर्ष (रु.)
	बोर्ड के व्यय	
1,06,498	(i) सदस्यों को दैनिक/यात्रा भत्ता	1,90,254
3,88,200	(ii) व्यावसायिक शुल्क/मानदेय	6,34,000
62,253	(iii) बैठक के लिये व्यय	90,304
14,83,622	(iv) विशेषज्ञों को यात्रा भत्ता / दैनिक भत्ता	16,15,307
	पूंजी व्यय	
1,91,613	(i) उपकरण/एपरेटस/मशीनरी	*12,94,982
6,353	(ii) फर्नीचर एंव फिक्सचर	1,04,982
9,72,385	आयकर वसूली से प्रेषित रकम	11,13,703
	टी डी एफ से संवितरण	
96,31,00,000	(i) ऋण	52,76,00,000
80,00,000	(ii) अनुदान	1,10,00,000
-	(iii) साम्य पूंजी	-
10,00,00,000	(iv) आई टी वी यू एस (यू टी आई)	-
	अन्तशेष	
-	लघु अवधि जमा में निवेश	30,00,00,000
3,103	हाथ में मौजूद नकद	23,585
18,01,92,818	बैंक में जमा नकद	42,29,43,612
1,27,52,19,843	**कुल**	**1,29,55,49,027**

(आनन्द एस. खाती)
निदेशक (एफ एण्ड ए)
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(वी एस राममूर्ति)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

Technology Development Board

Receipts and Payments Account for the Year ending 31st March 2004

Previous Year (Rs.)	Payments	Current Year (Rs.)
	Board expenses	
1,06,498	(i) TA/DA to members	1,90,254
3,88,200	(ii) Professional fee / Honorarium	6,34,000
62,253	(iii) Meeting expenses	90,304
14,83,622	(iv) TA/DA to experts	16,15,307
	Capital expenditure	
1,91,613	(i) Equipment/Apparatus/Machinery	*12,94,982
6,353	(ii) Furniture & Fixtures	1,04,982
9,72,385	Remittance of recoveries to Income Tax	11,13,703
	Disbursements from TDF	
96,31,00,000	(i) Loans	52,76,00,000
80,00,000	(ii) Grants	1,10,00,000
-	(iii) Equity	-
10,00,00,000	(iv) ITVUS (UTI)	-
	Closing Balance	
-	Investment in short term deposits	30,00,00,000
3,103	Cash in hand	23,585
18,01,92,818	Cash at bank	42,29,43,612
1,27,52,19,843	**Total**	**1,29,55,49,027**

(ANAND S KHATI)
DIRECTOR (F&A)
Technology Development Board

(V.S. RAMAMURTHY)
CHAIRPERSON
Technology Development Board

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2004 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का लेखा

पिछले वर्ष (रु.)	आय		चालू वर्ष (रु.)
2,44,76,000	(i)	संस्थापन हेतु अनुदान	*3,74,34,000
4,99,319	(ii)	अल्प अवधि जमा पर संग्रहित ब्याज	*28,97,877
11,72,28,742	(iii)	ऋण पर संग्रहित ब्याज	14,43,60,715
-	iv)	विविध प्राप्तियाँ	3,04,000
14,22,04,061		**कुल**	**18,49,96,592**

टिप्पणी 1. चिन्हित आंकड़ों को लेखा परीक्षण के अनुसार सम्मिलित किया गया है।

(आनन्द एस. खाती)
निदेशक (एफ एण्ड ए)
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(वी एस राममूर्ति)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

Technology Development Board

Income and Expenditure Account for the Year ending 31st March 2004

Previous Year (Rs.)	Income		Current Year (Rs.)
2,44,76,000	(i)	Grant for Establishment	*3,74,34,000
4,99,319	(ii)	Interest accrued on short term deposits/SB A/c	*28,97,877
11,72,28,742	(iii)	Interest accrued on loans	14,43,60,715
-	iv)	Miscellaneous receipt	3,04,000
14,22,04,061		**Total**	**18,49,96,592**

Note 1. Incorporation of the figures marked in asterisk is in compliance with the observations of Audit

(ANAND S KHATI)
DIRECTOR (F&A)

Technology Development Board

(V.S. RAMAMURTHY)
CHAIRPERSON

Technology Development Board

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2004 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का लेखा

पिछले वर्ष (रु.)	व्यय		चालू वर्ष (रु.)
	संस्थापन व्यय		
18,00,979	(i) अधिकारियों का वेतन		21,75,430
1,339	(ii) मजदूरी		-
22,08,973	(iii) यात्रा व्यय (घरेलू)		21,78,467
4,00,211	(iv) यात्रा व्यय (विदेश)		*2,12,613
1,00,800	(v) मानदेय		2,10,600
35,375	(vi) समयोपरि भत्ता		33,883
2,415	(vii) चिकित्सा प्रतिपूर्ति		41,220
-	(viii) प्रतिनियुक्तियों के लिए पेंशन अंशदान		*1,87,089
	कार्यालय व्यय		
1,45,569	(i) टेलीफोन/टेलेक्स		*2,08,556
1,01,055	(ii) डाक टिकट		1,26,396
1,21,284	(iii) पैट्रोल, तेल, उपस्नेहक		1,54,039
91,648	(iv) मरम्मत एवं अनुरक्षण		1,62,573
21,87,917	(v) उपभोज्य भंडार एंव मुद्रण		6,78,556
21,292	(vi) समाचार पत्र एंव पत्रिकाएं		21,268
46,523	(vii) मनोरंजन एंव आतिथ्य		44,592
5,775	(viii) परिवहन		6,815
73,28,595	(ix) विज्ञापन एंव प्रचार		*1,00,01,547
32,48,175	(x) किराया (भवन)		38,26,645
10,49,768	(xi) विविध व्यय		16,41,017
81,996	(xii) पूरी हानि:	1,88,049	
25,000	कम: प्राप्ति	1,00,000	
56,996	वापस लिखा गया		88,049
12,00,000	(xiii) राष्ट्रीय पुरस्कार		10,00,000
-	(xiv) पुस्तकालय की पुस्तकें एंव पत्रिकाएं		-
2,00,120	(xv) विधिक एवं प्रबंधकीय शुल्क		21,02,685
4,09,096	(xvi) कोर्ट फीस		-
6,089	(xvii) वर्दी एंव परिधान		120

Technology Development Board

Income and Expenditure Account for the Year ending 31st March 2004

Previous Year (Rs.)	Expenditure			Current Year (Rs.)
	Establishment expenses			
18,00,979	(i) Salaries of officers			21,75,430
1,339	(ii) Wages			-
22,08,973	(iii) Travel expenses (domestic)			21,78,467
4,00,211	(iv) Travel expenses (abroad)			*2,12,613
1,00,800	(v) Honorarium			2,10,600
35,375	(vi) Over Time Allowance			33,883
2,415	(vii) Medical Reimbursement			41,220
-	(viii) Pension contribution for deputationists			*1,87,089
	Office expenses			
1,45,569	(i) Telephone/Telex			*2,08,556
1,01,055	(ii) Postage stamps			1,26,396
1,21,284	(iii) Petrol, oil, lubricants			1,54,039
91,648	(iv) Repairs & Maintenance			1,62,573
21,87,917	(v) Consumable stores & Printing			6,78,556
21,292	(vi) Newspapers & Magazines			21,268
46,523	(vii) Entertainment & Hospitality			44,592
5,775	(viii) Conveyance			6,815
73,28,595	(ix) Advertisement & Publicity			*1,00,01,547
32,48,175	(x) Rent (Office)			38,26,645
10,49,768	(xi) Miscellaneous expenses			16,41,017
81,996	(xii) Write off of equipment	1,88,049		
25,000	Less : Recovery	1,00,000		
56,996	Write off			88,049
12,00,000	(xiii) National Award			10,00,000
-	(xiv) Library books & Journals			-
2,00,120	(xv) Legal & Management Charges			21,02,685
4,09,096	(xvi) Court Fee			-
6,089	(xvii) Liveries & Uniform			120

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2004 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का लेखा

पिछले वर्ष (रु.)	व्यय			चालू वर्ष (रु.)
-	(xviii)	लेखा परीक्षा शुल्क के लिए		*1,71,115
	(xix)	मूल्यह्रास		
1,94,301		उपकरण	1,86,637	
20,388		फर्नीचर एंव फिक्सचर	18,985	
20,205		वाहन	18,184	
2,34,894				2,23,806
-	(xx)	अतिरिक्त ब्याज जो त्याग दिया		*18,09,738
	बोर्ड के व्यय			
1,06,498	(i)	सदस्यों को दैनिक/यात्रा भत्ता		1,90,254
3,88,200	(ii)	व्यावसायिक शुल्क/मानदेय		6,34,000
62,253	(iii)	बैठक के लिये व्यय		90,304
14,83,622	(iv)	विशेषज्ञों को यात्रा भत्ता / दैनिक भत्ता		16,15,307
11,91,58,600	व्यय पर आय की अधिकता अनुमोदित पर			15,51,59,908
14,22,04,061	कुल			**18,49,96,592**

टिप्पणी 1. चिन्हित आंकड़ों को लेखा परीक्षण के अनुसार सम्मिलित किया गया है।

(आनन्द एस. खाती)
निदेशक (एफ एण्ड ए)
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(वी एस राममूर्ति)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

Technology Development Board

Income and Expenditure Account for the Year ending 31st March 2004

Previous Year (Rs.)	Expenditure			Current Year (Rs.)
-	(xviii)	Provision for Audit Fee		*1,71,115
	(xix)	Depreciation :		
1,94,301		Equipment	1,86,637	
20,388		Furniture & Fixtures	18,985	
20,205		Vehicle	18,184	
2,34,894				2,23,806
-	(xx)	Additional Interest Waived off		*18,09,738
	Board expenses			
1,06,498	(i)	TA/DA to members		1,90,254
3,88,200	(ii)	Professional fee / Honorarium		6,34,000
62,253	(iii)	Meeting expenses		90,304
14,83,622	(iv)	TA/DA to experts		16,15,307
11,91,58,600	Excess of income over expenditure			15,51,59,908
14,22,04,061	**Total**			**18,49,96,592**

Note 1. Incorporation of the figures marked in asterisk is in compliance with the observations of Audit

(ANAND S KHATI)
DIRECTOR (F&A)
Technology Development Board

(V.S. RAMAMURTHY)
CHAIRPERSON
Technology Development Board

अनुसूची--क

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड
निर्धारित परिसंपत्तियों का विवरण

	उपकरण/एपरेटस/ मशीनरी	फर्नीचर / फिक्सर्स	वाहन
31-3-2003 तक की सकल ब्लाक	29,02,928	2,50,790	3,07,955
2003-04 के दौरान संकलन (योग)	*12,94,982	1,04,982	-
2003-04 में विलापन	88,049	-	-
31-3-2004 तक की सकल ब्लाक	*41,09,861	3,55,772	3,07,955
31-3-2003 तक गिरावट	9,37,603	60,948	1,26,111
2003-04 के दौरान गिरावट	1,86,637	18,985	18,184
वापस लिखा गया	-	-	-
31-3-2004 तक मूल्यह्रास	11,24,240	79,933	1,44,295
31-3-2004 के अनुसार शुद्ध ब्लाक	*29,85,621	2,75,839	1,63,660
31.3.2003 के अनुसार शुद्ध ब्लाक	19,65,325	1,89,842	1,81,844

टिप्पणी 1. चिन्हित आंकड़ों को लेखा परीक्षण के अनुसार सम्मिलित किया गया है।

(आनन्द एस. खाती)
निदेशक (एफ एण्ड ए)
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(वी एस राममूर्ति)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

Schedule - A

Technology Development Board

Statement on Fixed Assets

(in Rupees)

	Equipment/ Apparatus/ Machinery	Furniture/ Fixtures	Vehicle
Gross Block as at 31-3-2003	29,02,928	2,50,790	3,07,955
Additions during 2003-04	*12,94,982	1,04,982	-
Written off during 2003-04	88,049	-	-
Gross Block as at 31-3-2004	*41,09,861	3,55,772	3,07,955
Depreciation up to 31-3-2003	9,37,603	60,948	1,26,111
Depreciation during 2003-04	1,86,637	18,985	18,184
Written back	-	-	-
Depreciation up to 31-3-2004	11,24,240	79,933	1,44,295
Net Block as at 31-3-2004	*29,85,621	2,75,839	1,63,660
Net Block as at 31.3.2003	19,65,325	1,89,842	1,81,844

Note 1. Incorporation of the figures marked in asterisk is in compliance with the observations of Audit

(ANAND S KHATI)
DIRECTOR (F&A)
Technology Development Board

(V.S. RAMAMURTHY)
CHAIRPERSON
Technology Development Board

अनुसूची–ख

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2004 तक प्रौद्योगिकी विकास एवं उपयोग के लिए निधि से प्राप्त लघु अवधि की जमाओं का विवरण

बैंक का नाम	एफडीआर संख्या	एफडीआर तिथि	परिपक्वता तिथि	राशि (करोड़ रु. में)
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया	731037	23.02.2004	09.04.2004	5.00
नयी दिल्ली	731038	23.02.2004	09.04.2004	5.00
	731039	23.02.2004	09.04.2004	3.00
	731040	23.02.2004	09.04.2004	2.00
केनरा बैंक,	FD/0006/2004	09.01.2004	07.04.2004	5.00
जीत सिंह मार्ग,	FD/0007/2004	09.01.2004	07.04.2004	5.00
नयी दिल्ली	FD/0008/2004	09.01.2004	07.04.2004	3.00
	FD/0009/2004	09.01.2004	07.04.2004	2.00
कुल				30.00

(आनन्द एस. खाती)
निदेशक (एफ एण्ड ए)
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(वी एस राममूर्ति)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

Schedule - B

Technology Development Board

Details of Short Term Deposits from Fund for Technology Development and Application as on 31st March 2004

Name of the bank	FDR No.	FDR date	Date of Maturity	Amount (Rupees in crores)
Union Bank of India,	731037	23.02.2004	09.04.2004	5.00
New Delhi	731038	23.02.2004	09.04.2004	5.00
	731039	23.02.2004	09.04.2004	3.00
	731040	23.02.2004	09.04.2004	2.00
Canara Bank,	FD/0006/2004	09.01.2004	07.04.2004	5.00
Jit Singh Marg,	FD/0007/2004	09.01.2004	07.04.2004	5.00
New Delhi	FD/0008/2004	09.01.2004	07.04.2004	3.00
	FD/0009/2004	09.01.2004	07.04.2004	2.00
Total				30.00

(ANAND S KHATI)
DIRECTOR (F&A)
Technology Development Board

(V.S. RAMAMURTHY)
CHAIRPERSON
Technology Development Board

अनुसूची – ग
Schedule - C

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड
Technology Development Board

लेखा की नीतियां
Accounting Policies (2003-2004)

1. प्राप्ति एवं भुगतान लेखा नकद प्राप्ति जॉर्नल से तैयार किया जाता है और यह विभिन्न शीर्षों के अंतगर्त नकद लेनदेन का संक्षिप्त विवरण है। यह पूंजी और राजस्व दोनों प्रकृति की प्राप्तियों एवं भुगतानों का अभिलेख रखता है।

2. आय एवं व्यय का लेखा वर्ष की आय एवं व्यय का सारांश है। इसे नकद एवं प्रोद्भवन दोनों आधार पर तैयार किया जाता है। यह केवल राजस्व प्रकृति के आय एवं व्यय का अभिलेख रखता है। वितरित किए गए ऋण की राशि पर अर्जित प्रोद्भूत ब्याज को उस वर्ष में गिना जाता है जिस वर्ष ऋण की किस्त जारी की गई; तथापि ब्याज वास्तव में परियोजनाओं के संबंद्ध ऋण समझौतों की शर्तों एवं निबंधनों के अनुसार पूरा हो जाने के पश्चात ही प्राप्त होता है।

3. जारी किए गए अनुदान संवितरण के आधार पर दर्शाए गए हैं।

4. निर्धारित परिसंपत्तियों को अर्जन की लागत पर लिया गया है। सभी निर्धारित परिसंपत्तियों में गिरावट उपलब्ध कराई गई है। गिरावट की मात्रात्मकता 10% की दर से घटते हुए संतुलन प्रणाली आधार पर 1 अप्रैल 2001 के अनुसार निर्धारित की जाती है।

5. स्वत्व शुल्क भुगतान को पावती आधार पर प्राप्ति एवं भुगतान लेखे एवं तुलनपत्र में लिखा गया है।

6. सरकारी अनुदानों को प्राप्ति आधार पर मान्यता दी जाती है। व्यय न की गई राशि भारत सरकार को वापस कभी नहीं होती है क्योंकि सरकार द्वारा जारी अनुदानों को प्रौद्योगिकी

1. Receipts and Payments Account is prepared from the cash receipt journal and is a summary of cash transactions under various heads. It records receipts and payments of both capital and revenue nature.

2. Income and Expenditure Account is the summary of incomes and expenditures of the year. It is prepared both on cash and on accrual basis. It records income and expenditure of revenue nature only. The accrued interest earned on the loan amount disbursed is accounted for in the year in which the loan instalment is released; however, the interest is actually receivable after the projects have been completed in accordance with the terms and conditions of the respective loan agreements.

3. Grants released have been shown on the basis of disbursements made.

4. Fixed Assets are taken at the cost of acquisition. Depreciation on all the Fixed Assets have been provided. Depreciation is quantified at the rate of 10 per cent on the opening balance of Fixed Assets as on 1st April 2003 on diminishing balance method.

5. Royalty payments are taken on receipt basis in Receipts and Payments Account and Balance Sheet.

6. Government grants are recognized on receipt basis. Unspent balances are not to be refunded to the Government of India as the grants released by the Government are credited to the Fund for

विकास एवं अनुप्रयोग के लिए निधि में जमा कर लिया जाता है। ऐसा प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड एक्ट, 1995 की धारा 9 (1) (क) के अनुसार किया गया है और इस प्रकार ऐसी वापसी की कोई आवश्यकता नहीं है। इसलिए भारत सरकार को वापस लौटाने हेतु कोई राशि शेष नहीं है।

7. प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड एक्ट, 1995 की धारा 9 (1) के अनुसार प्रौद्योगिकी विकास एवं अनुप्रयोग के लिए निधि से अनुदानित राशि की वसूली ऋण पर ब्याज की प्राप्ति, स्वत्व शुल्क, अनुदान तथा किसी अन्य स्रोत से प्राप्त राशियों को फण्ड में जमा किया जाता है। इस प्रावधान को ध्यान में रखते हुए तुलन पत्र तैयार किया गया है।

8. निधि संतुल को अल्प अवधि जमा के अंतर्गत राष्ट्रीयकृत बैंकों में रखा गया है। अल्प अवधि जमा पर ब्याज को प्राप्ति एवं भुगतान लेखे तथा तुलन पत्र में दर्शाया गया है।

9. प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड का 3722.80 लाख रूपये धनराशि का ऋण (प्राप्य पुनः वसुली जो प्राप्त नहीं हुई) 31 मार्च 2004 तक था। जिसमें 1237.36 लाख का साधारण ब्याज, 569.95 लाख रूपये का मूल ऋण पर अतिरिक्त ब्याज और 168.73 लाख का साधारण ब्याज पर अतिरिक्त ब्याज भी शामिल है। इस प्रकार कुल 5698.92 लाख रूपये जो लाभकर्ताओं से प्राप्त होने थे 31 मार्च 2004 तक प्राप्त नहीं हुए।

10. प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने ट्वेन्टी फस्ट सैन्चुरी बैटरी लिमिटेड में 590 लाख रूपये साम्य पूंजी

Technology Development and Application in terms of section 9(1)(a) of the Technology Development Board Act, 1995 and thus there is no such requirement of refund. No amount is, therefore, due for refund to the Government of India.

7. In terms of section 9(1) of the Technology Development Board Act, 1995, recoveries made of the amounts granted from the Fund for Technology Development and Application, receipt of interest on loans, royalty, donations and sums received from any other source are credited to the Fund. Keeping this provision in view, the Balance Sheet has been prepared.

8. Fund balances have been kept in short term deposits in nationalised banks. Interest on short term deposits has been reflected in the Receipts and Payments Account and Balance Sheet.

9. As on 31st March 2004, the Technology Development Board has an outstanding loan (repayment due but not received) amounting to Rs. 3722.88 lakhs. In addition, simple interest of Rs. 1237.36 lakhs, additional interest on principal loan amounting to Rs. 569.95 lakhs, and Rs. 168.73 lakhs as additional interest on simple interest, were also due. Thus a sum of Rs. 5698.92 lakhs were due from the beneficiaries but have not been received as on 31st March 2004.

10. (i) TDB had subscribed Rs. 590 lakhs in equity shares of M/s Twenty First ted.

में अंशदान का निवेश किया। परन्तु कम्पनी के शेयर स्टॉक एक्सचेंज में सूचित नहीं हुये।

(ii) निको कारपोरेशन लिमिटेड को प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के 1846 लाख रूपये के मूल ऋण को 18,46,000 को संचित मुक्त वरीयता अंश जो 100 रूपये प्रति अंश में बदलने की इजाजत दी। संचित मुक्त वरीयता अंश का स्टॉक एक्सचेंज में कोई उल्लेख नहीं हुआ।

11. यूटीआई वेन्चर फण्ड मैनेजमेंट कम्पनी लिमिटेड बैंगलौर द्वारा प्रशासित इंडिया टेक्नोलॉजी वेन्चर यूनिट स्कीम में प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने अपनी भागीदारी स्वीकार की। प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड द्वारा दूसरी प्रौद्योगिकी संस्थाओं के लिए अपनी निधियों का प्रयोग प्रौद्योगिकी आधारित उपक्रमों में निवेश देने पर भी बल दिया। इस योजना में जिसमें एक्जिम, एल आई सी, न्यू इंडिया इन्श्योरेंस, टीडीबी, बैंक ऑफ बड़ौदा, यूटीआई बैंक, आंध्रा बैंक और सिंडीकेट बैंक शामिल है से 103 करोड़ रूपये विभिन्न स्त्रोतों से प्राप्त किये। प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने 2125 लाख रूपये की भागीदारी का विस्तार किया। यह शेयर बाजार में अधिसूचित नहीं हुये।

12. स्टॉक सत्यापन वार्षिक आधार पर किया जाता है।

13. भारत सरकार द्वारा जारी अनुदान से सम्बंधित वैंचर कैपिटल फंड (वी सी एफ) ट्रान्जेक्शन्स के संबंध में इन्डस्ट्रियल डेवलपमेंट बैंक ऑफ इंडिया (आई डी बी आई) के खातों में बकाया पैसे की प्राप्तियों तथा देयताओं का हस्तांतरण प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम 1995 की

Century Battery Limited. The shares of the company have not been listed in the Stock Exchange.

(ii) M/s Nicco Corporation Limited was allowed conversion of TDB's loan amounting to Rs. 1846 lakhs into 18,46,000 Cumulatvie Redeemable Preference Shares of Rs. 100 each at par. The Cumulatvie Redeemable Preference Shares are not quoted in the Stock Exchange.

11. TDB had agreed to participate in the India Technology Venture Unit Scheme administered by the UTI Venture Funds Management Company Limited, Bangalore. TDB's participation would further the objective of technology development and would leverage others to commit their funds for promoting technology based ventures. The scheme has received a total commitment of Rs. 103 crore from others like EXIM, LIC, New India Assurance, TDB, Bank of Baroda, UTI Bank, Andhra Bank and Syndicate Bank. TDB has participated to the extent of Rs. 2125 lakhs. These are not quoted in the Stock Exchange.

12. Stock verification is done on annual basis.

13. The transfer of money receipts and liabilities outstanding in the books of the Industrial Development Bank of India (IDBI) on account of Venture Capital Fund (VCF) transactions pertaining to grants released by Government of India are required to be transferred to the

धारा 10 के अनुसार 1 सितम्बर, 1996 को बोर्ड को हस्तांतरित करने की आवश्यकता है। 31 मार्च, 2004 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए बोर्ड में लगे आई डी बी आई के वैंचर कैपिटल फण्ड की लेखा परिक्षित बैलेंस शीट को इस वर्ष की बैलेंस शीट में जोड़ा गया है। बैलेंस शीट डी बी आई के वी सी एफ से सम्बंधित पिछले वर्ष के आंकड़े भी बताती है।

14. आंकड़ों को रूपये के निकटतम मान तक राऊंड ऑफ किया गया है।

Board as on 1st September 1996 in terms of section 10 of the Technology Development Board Act, 1995. The Balance Sheet of Venture Capital Fund of IDBI, vested with the Board, for the year ended 31st March 2004 has been incorporated in this year's Balance Sheet. The Balance Sheet also reflects previous year's figures relating to VCF of IDBI.

14. Figures are rounded off to the nearest rupee.

(आनन्द एस. खाती)
निदेशक (एफ एण्ड ए)
(ANAND S KHATI)
DIRECTOR (F&A)

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड
Technology Development Board

(वी एस राममूर्ति)
अध्यक्ष
(V.S. RAMAMURTHY)
CHAIRPERSON

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड
Technology Development Board

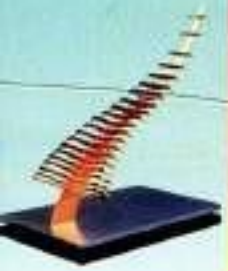

Audit Certificate

I have examined the Receipts and Payments Account, the Income and Expenditure Account for the year ended 31st March 2004 and the Balance Sheet as on 31st March 2004 of the Technology Development Board, New Delhi. I have obtained all the information and explanations that I have required and subject to the observations in the appended Audit Report, I certify, as a result of my audit, that in my opinion these Accounts and Balance Sheet are properly drawn up so as to exhibit a true and fair view of the state of affairs of the Technology Development Board, New Delhi according to the best of information and explanations given to me and as shown by the books of the organisation.

Sd/-
Principal Director of Audit
Scientific Departments

Place: New Delhi
Dated: 17-02-05

Audit Report on the accounts of Technology Development Board (TDB), New Delhi for the year 2003-04

Introduction

The Government of India constituted Technology Development Board (TDB) in September 1996 under Technology Development Board Act, 1995, for the development and commercialisation of indigenous technology or adopting imported technology for wider domestic application.

TDB provides loan assistance at a simple rate of interest of six percent per annum to industrial concerns and other agencies. From 13 May 2002, the interest rate was reduced from six to five per cent per annum. Alternatively, TDB may also subscribe by way of equity capital to industrial concern.

The audit of annual accounts of TDB has been conducted under Section 19(2) of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Service) Act, 1971 read with Section 13(3) of Technology Development Board Act, 1995.

TDB is mainly financed by grant from Central Government and during the year 2003-04, it received a grant of Rs 53.65 crore.

Comments on Accounts

1. Revision of Accounts

At the instance of Audit, TDB revised on 9th December 2004 its Accounts for the year 2003-04. The impact of revision is given below :

1.1 A provision of Rs 1.87 lakh was made for 'Pension Contribution for deputationists' under Current Liabilities and the 'Establishment Expenses' were also increased by the same amount.

1.2 The 'Grant for Establishment' under Liabilities was reduced by Rs 18.20 lakh and income under 'Grant for Establishment' was also reduced by the same amount.

1.3 The 'Amounts due from Government Depts in 2003-04' under Current Assets were increased by Rs 37.09 lakh and the expenditure on 'Advertisement & Publicity' was reduced by the same amount.

1.4 The 'Amounts due from Government Depts in 2002-03' under Current Assets were increased by Rs 49.83 lakh and opening balance of 'Fund for Technology Development & Applications' under Liabilities was increased by the same amount.

1.5 The "Advance to Staff members' under Current Assets was increased by Rs 3.93 lakh and the expenditure on Travel Expenses (abroad)' was reduced by the same amount.

1.6 The 'Equipment/ Apparatus/ Machinery: Additions' under Fixed Assets were increased by Rs 0.43 lakh and 'Security deposit with Air Tel' under Current Assets was increased by Rs 0.09 lakh. Thus, expenditure on 'Telephone/ Telex' was reduced by Rs 0.52 lakh.

1.7 The 'Interest accrued on short term deposits/ SB A/c' under Current Assets was reduced by Rs 7.03 lakh and the income under 'Interest accrued on short term deposits/ SB A/c' was reduced by the same amount.

1.8 The title of head 'non-leviable of additional interest' was replaced by the head 'Additional interest waived off. Further, the 'Additional interest waived off under Current Assets was reduced by Rs 15.55 lakh and the expenditure under "Additional interest waived off was reduced by the same amount.

1.9 TDB modified its "Accounting Policy" No. 9 to include: (a) Outstanding Simple Interest of Rs 12.37crore, (b) Outstanding Additional Interest on Principal loan amounting to Rs 5.70 crore and (c) Outstanding Additional Interest on Simple Interest amounting to Rs 1.69 crore; in 'Sum due from the beneficiaries but not received' as on 31st March 2004.

1.10 TDB added "Accounting Policy" at No. 10 and 11 to disclose details of its investments in Equity/ Cumulative Redeemable Preference Shares and India Technology Venture Unit Scheme (ITVUS) of Unit Trust of India (UTI), respectively.

1.11 The provision of Audit Fee amounting to Rs 1.71 lakh was made by TDB on its own in the revised account.

Due to revision of Accounts, at the instance of audit, assets increased by Rs99.90 lakh and the excess of income over expenditure increased by Rs 28.28 lakh.

2. The 'Loan register' in respect of loans given by TDB had not been closed at the end of the financial year. As a result, the amount of loan balances (viz. repayment of Principal, Simple interest, Additional Interest on principal and Additional Interest on simple interest) due/ accrued as on 31 March 2004 could neither be

ascertained in audit, nor reconciled with the Annual Accounts. In December 2004, TDB replied that the observations made by audit have been noted for the future.

Further, as per TDB's Manual of Standing Orders, the required 'Confirmation of loan balances' from the borrowers has not been done. As a result, any dispute between TDB and the borrowers regarding the exact amount of loan outstanding could not be ruled out. In December 2004, TDB replied that it was in the process of obtaining these confirmations.

3. In the Balance Sheet under liabilities side, an amount of Rs 374.34 lakh on Establishment Expenses had been shown and reduced from Grants received from Central Government. In actual there had been an expenditure of Rs 277.15 lakh excluding 'Write off of equipment', 'Depreciation' and 'Additional Interest Waived off' amounting to Rs 0.88 lakh, Rs 2.24 lakh and Rs 18.10 lakh respectively. Thus, depiction of Rs 374.34 lakh under liabilities side of the Balance Sheet 'for Establishment' was overstatement of expenditure by an amount of Rs 97.19 lakh. It had the resultant effect of overstatement of 'Excess of income over expenditure' by Rs 97.19 lakh.

4. The title of head 'additional interest waived off' should be 'additional interest waived off under One Time Settlement'.

TDB had waived off additional interest amounting to Rs 18.10 lakh pertaining to JK Drugs and Pharmaceuticals Limited. The company did not make the payments on time and therefore, it was not entitled for such waiver. Thus, expenditure under 'Additional interest waived off' was overstated by Rs 18.10 lakh and "Current Assets" understated by the same amount.

Further, in the revised accounts, the 'Additional interest waived off' was reduced by Rs 15.55 lakh. However, the same was not added in the figure shown under Accounting Policy No. 9.

5. TDB had not disclosed its Accounting Policy regarding valuation of its investments in Equity/ Cumulative Redeemable Preference Shares and India Technology Venture Unit Scheme (ITVUS) of Unit Trust of India (UTI).

6. **Lack of Internal Control**

Internal Control Mechanism of TDB was weak, which is evident from the following:

6.1 Non provision of estimated receipts in Revised Estimates (RE) and Over optimistic RE leading to an unspent Balance of Rs 7229.67 lakh as on 31st March 2004.

6.2 Providing of Mobile Phones, Transport facility (from residence to office and back) and Computer facility (at the residence) to non-entitled officers.

6.3 Foreign Training/ deputation allowed to TDB/ DST staff without approval of competent authorities.

6.4 Payment of Honorarium to staff in excess of prescribed limits.

6.5 Engagement of Retired Government Servant beyond six months and payment of fee / salary in excess of Rs 13,000/- per month without approval of Appointments Committee of Cabinet.

6.6 Engagement of Manpower through Private Contractor and payment of Service Charges at higher rates to the contractor.

6.7 Non-adherence to Government instructions for holding of Technology Day 2003.

7. **Effect of Audit Comments on Accounts**

The net effect of audit report on Annual Accounts is that excess of income over expenditure is overstated by Rs 79.09 lakh and asset side of balance sheet is understated by Rs 18.10 lakh.

Sd/-
Principal Director of Audit
Scientific Departments

Place: New Delhi
Dated: 17-02-05

Administration's Reply on the Audit Report of The Principal Director of Audit, Scientific Departments, on the Accounts of Technology Development Board, New Delhi for the Year 2003-04.

	Comments	Administration's Reply
1. 1.1 to 1.11	Revision of Accounts At the instance of Audit, TDB revised on 9th December 2004 its Accounts for the year 2003-04. Due to revision of Accounts, at the instance of audit, assets increased by Rs.99.90 lakh and the excess of income over expenditure increased by Rs.28.28 lakh.	Audit has accepted that necessary revision of Accounts has been carried out.
1.5	The 'Advance to Staff members' under Current Assets was increased by Rs.3.93 lakh and the expenditure on Travel Expenses (abroad) was reduced by the same amount.	Advance to Staff Members (TA advance) has since been adjusted finally in October 2004.
1.11	The provision of Audit Fee amounting to Rs. 1.71 lakhs was made by TDB on its own in the revised account.	As per Section 13(3) of the Technology Development Board Act, 1995, any expenditure incurred in connection with audit shall be payable by the Board to the C&AG of India. The claim for the period from October 1997 to September 2003 for Rs. 1.71 lakhs was received from Audit vide letter dated 30-9-2004.
2.	The 'Loan register' in respect of loans given by TDB had not been closed at the end of the financial year. As a result, the amount of loan balances (viz. Repayment of Principal, Simple interest, Additional interest on principal and Additional interest on simple interest) due / accrued as on 31 March 2004 could neither be ascertained in audit, nor reconciled with the Annual Accounts. In December 2004, TDB replied that the observations made by audit have been noted for the future.	Deficiencies pointed out by Audit are being attended to for improving the maintenance of the Loan Register.
	Further, as per TDB's Manual of Standing Orders, the required 'Confirmation of loan balances' from the borrowers regarding the exact	Confirmation of loan balances from 45 companies have been received against letters issued to 79 companies.

Comments	Administration's Reply
amount of loan outstanding could not be ruled out. In December 2004, TDB replied that it was in the process of obtaining these confirmations.	
3. In the Balance Sheet under liabilities side an amount of Rs. 374.34 lakhs on Establishment Expenses had been shown and reduced from Grants received from Central Government. In actual there had been an expenditure of Rs.277.15 lakh excluding "Write off of equipment', 'Depreciation' and Additional Interest Waived off' amounting to Rs. 0.88 lakh, Rs.2.24 lakh and Rs.18.10 lakh respectively. Thus, depiction of Rs.374.34 lakh under liabilities side of the Balance Sheet 'for Establishment' was overstatement of expenditure by an amount of Rs.97.179 lakh. It had the resultant effect of overstatement of' Excess of income over expenditure' by Rs.97.19 lakh.	At the time of formation of TDB in 1996, the Government of India through DST's Demands for Grants had provided funds to TDB under 'Grants for the Fund' and 'Grants for Establishment'. Subsequently, the Government provided funds to TDB under 'Grants for the Fund' as the Fund could be utilized for salaries, allowances, and other expenses of officers and other employees of the Board in terms of section 9 of the TDB Act. Further, the accounting format approved by CAG and CGA provides for 'Excess of Income over Expenditure'. Audit has not made similar observation in the previous years.
4. The title of head 'additional interest waived off' should be 'additional interest waived off under One Time Settlement'.	The title of the head 'Additional interest not leviable' under the Current Assets in the Balance Sheet was modified to read as 'Additional interest waived off at the instance of Audit. Again, Audit has suggested further change. It is felt that this change is not necessary as additional interest could be waived off due to many reasons.
TDB had waived off additional interest amounting to Rs. 18.10 lakh pertaining to JK Drugs and Pharmaceuticals Limited. The company did not make the payments on time and therefore, it was not entitled for such waiver. Thus expenditure under 'Additional interest waived off was overstated by Rs. 18.10 lakh and 'Current Assest' understated t	The company had incurred net loss in the three years 1999-2000, 2000-2001 and 2001-02. It had defaulted in paying the dues to TDB. The Board, in its 24th meeting held in March 2003, approved the proposal for OTS and waiver of additional interest if the company settles the dues by 31-3-2003. If the company does not settle the amount before 31-3-2003, the Board desired continuance of legal action.

	Comments	Administration's Reply
	by the same amount. Further, in the revised accounts, the 'Additional interest waived off was reduced by Rs. 15.55 lakh. However, the same was not added in the figure shown under Accounting Policy No.9.	before 31-3-2003, the Board desired continuance of legal action. The company asked for extension of time till 30-6-2003. And the same was brought to the notice of the Board in its 25th meeting held in May 2003. The Board was informed that the Calcutta High Court had sanctioned the scheme and certain formalities have to be completed and entire payment would be made by May or June 2003. The Board was informed in its 26th meeting held in September 2003 that the company had paid Rs. 326.45 lakhs under OTS. The contention of Audit is that the company was not entitled to waiver of additional interest. OTS including waiver of additional interest was approved in order to avoid long litigation and the company took some time to obtain the approval of its scheme. The Board has been kept informed of the waiver of additional interest.
5.	TDB had not disclosed its Accounting Policy regarding valuation of its investments in Equity / Cumulative Redeemable Preference Shares and India Technology Venture Unit Scheme (ITVUS) of Unit Trust of India (UTI).	In the Accounting Policies submitted earlier to Audit, there was no mention of equity / ITVUS investments. Subsequent to the Audit observations, the Accounting Policies were modified to include Para 10 and 11 covering equity/ITVUS investments wherein it has also been stated that the shares are not quoted/listed in the stock exchange. The investments are valued at cost.
6.	Lack of internal control Internal control mechanism of TDB was weak, which is evident from the following:	

	Comments	Administration's Reply
6.1	Non provision of estimated receipts in the Revised Estimates and overoptimistic RE leading to an unspent balance of Rs. 7229.67 lakh as on 31st March 2004	Noted.
6.2	Providing of mobile phones, transport facility (from residence to office and back) and computer facility (at the residence) to non-entitled officers..	Will be examined.
6.3	Foreign training/deputation allowed to TDB/DST staff without approval of competent authorities.	Foreign deputation has been approved by Secretary DST and Chairperson TDB in respect of DST and TDB officials.
6.4	Payment of Honorarium to staff in excess of prescribed limits.	This is now being regulated.
6.5	Engagement of retired government servant beyond six months and payment of fee/salary in excess of Rs. 13,000 per month without the approval of Appointments Committee of Cabinet.	TDB has not engaged any consultant and therefore, ACC's approval is not required.
6.6	Engagement of manpower through private contractor and payment of service charges at higher rates to the contractor.	Will be examined.
6.7	Non-adherence to Government instructions for holding of Technology Day 2003.	Audit has quoted a Ministry of Finance OM of May 1998 which regulates the expenditure on domestic conferences, seminars, workshops. This is not applicable to Technology Day function.
7.	Effect of Audit Comments on Accounts The net effect of audit report on Annual Accounts is that excess of income over expenditure is overstated by Rs. 79.09 lakh and asset side of balance sheet is understated by Rs. 18.10 lakh.	The accounts have been revised after receipt of Audit observations and such a revision has been indicated by asterisk in the respective entries in the accounts.

(ANAND S KHATI)
DIRECTOR (F&A)

Technology Development Board